जबलपुर
रविवार, 26 अप्रैल 2026
वैशाख मास शुक्ल पक्ष -10
वर्ष : 20, अंक : 355
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 42
न्यून. 28

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 7 गेंद पहले पंजाब ने किया 264 रन चेज...

आजकल
8 कमजोर मानसून व युद्ध....

संघ के विचारों को बहुत 'तेजी' से आगे बढ़ा रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी, कई उदाहरण भी दिए

संघ ने पीएम मोदी को बताया सबसे 'अच्छा प्रतिनिधि', तारीफ कर कहा

- संघ ने अगले 25 वर्षों के लिए पांच लक्ष्य तय किए हैं
- 2047 तक भारत आर्थिक रूप से मजबूत होगा और वैश्विक लीडर बनेगा

भले ही पीएम मोदी अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हों, लेकिन विचार संघ का ही होता है

एक पेड़ मां के नाम अभियान और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाएं संघ का विचार हैं

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि संघ के विचारों को पीएम मोदी बहुत तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगठन के मूल्यों को अपने अनोखे और अलग तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को आरएसएस का सबसे अच्छा प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि कई सरकारी अभियानों के जरिए इन्हीं विचारों को पीएम आगे बढ़ा रहे हैं, भले ही वे अलग शब्दों का इस्तेमाल करते हों। उदाहरण देते हुए होसबाले ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाओं का जिक्र किया। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस के विचार स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए पंच प्रण में भी दिखाई देते हैं। ये सभी पहल संगठन की सोच से मेल खाती हैं। उन्होंने कहा कि 1980 में भाजपा के गठन के समय भी आरएसएस के साथ संबंध बनाए रखने की बात कही गई थी और यह जुड़ाव आज भी कायम है। इसके अलावा सरकार्यवाह ने कहा कि संघ ने अगले 25 वर्षों के लिए सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक जागरूकता, नागरिक अनुशासन, पारिवारिक मूल्यों और सतत विकास जैसे पांच प्रमुख लक्ष्य तय किए हैं।

नरेंद्र मोदी

दत्तात्रेय होसबाले

सभ्यतागत मूल्यों से मार्गदर्शन करेगा भारत

होसबाले ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा, बल्कि वैश्विक मंच पर आध्यात्मिक नेतृत्व भी प्रदान करेगा। साक्षात्कार में आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर उन्होंने कहा कि संगठन का मानना है कि भारत धीरे-धीरे ऐसी स्थिति की ओर बढ़ रहा है, जहां वह अपनी आर्थिक शक्ति को अपनी सभ्यतागत मूल्यों के साथ जोड़कर दुनिया का मार्गदर्शन कर सकता है। होसबाले ने यह भी कहा कि आरएसएस का राष्ट्रीय जीवन के केंद्रीय मंच पर पहुंचना राजनीति, समाज और संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। उनके अनुसार यह विकास राष्ट्रीय एकता और वैश्विक सद्भाव के व्यापक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में मदद कर रहा है।

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल न. 1155
airtel चैनल न. 366

IPL आज का मुकाबला
जीटी - सीएसके
दोपहर 3.30 बजे से
एलएसजी - केकेआर
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

पीएम मोदी से मिले नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष डॉ. अशोक लाहिड़ी ने पद संभालने के ठीक एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह उनकी नई जिम्मेदारी में पहली आधिकारिक बैठक थी, जिससे साफ संकेत मिलता है कि सरकार नीति आयोग के कामकाज को लेकर सक्रिय है। रूप से आगे बढ़ रही है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद अशोक लाहिड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब हाल ही में केंद्र सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है और नई टीम को जिम्मेदारी दी है।

चार बच्चे पैदा करो, एक संघ को दोः शास्त्री

नागरपुर। बागेश्वर बाबा ने बयान देते हुए 4 बच्चे पैदा करने और एक को आरएसएस के लिए समर्पित करने की बात कही। यह बयान भारत दुर्गा मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में दिया गया, जहां डॉ.मोहन भागवत, सीएम देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। भारत दुर्गा मंदिर के शिलान्यास में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

दूरियों में संवाद : पाक के जरिए ईरान और अमेरिका के बीच फिर से बनी वार्ता की संभावना

ईरान ने कहा- हम सीधी बात नहीं करेंगे यूएस बोला- आमने-सामने करेंगे बात

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

ईरान और अमेरिका एक बार फिर बातचीत के लिए तैयार नजर आ रहे हैं, हालांकि इस बार वे सीधे नहीं बल्कि दूरी बनाए रखते हुए और दूसरे स्तर के प्रतिनिधियों के जरिए संवाद कर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अपनी टीम के साथ शनिवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख और मध्यस्थता प्रयासों में अहम भूमिका निभाने वाले फील्ड मार्शल असीम मुनीर से मुलाकात की। हालांकि, बातचीत का ब्यौरा जारी नहीं किया। माना जा रहा है कि ईरान ने अपनी शर्तें असीम मुनीर को बता दी हैं। ईरान के विदेश मंत्री के आगमन के बाद यह पहली कार्य बैठक थी। उन्होंने पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में पाकिस्तान की ओर से गृह मंत्री मोहसिन नकवी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पहले ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने उनके बीच सीधी मीटिंग से मना कर दिया। बघाई ने 'एक्स' पर लिखा कि ईरान और अमेरिका के बीच कोई मीटिंग होने का प्लान नहीं है। ईरान के ऑब्जर्वेशन पाकिस्तान को बताए जाएंगे। ईरानी प्रतिनिधिमंडल में शामिल विदेश मंत्री अब्बास अराघची, उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी, राजदूत रजा अमीरी मोघदम और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई शुक्रवार देर रात इस्लामाबाद पहुंचे थे। ईरानी प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान में रुकने के बाद अराघची युद्ध को खत्म करने के प्रयासों पर चर्चा के करने के लिए ओमान और रूस का दौरा करेंगे।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि हम अपने ऑब्जर्वेशन पाकिस्तान को बताएंगे। अराघची यहां से ओमान और रूस भी जाएंगे

ईरान ने अपनी शर्तें असीम मुनीर को बताईं

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एवं पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की हुई मुलाकात

अमेरिका को उम्मीद कि यह बातचीत समझौते की दिशा में प्रगति करेगी

ईरान के समुद्री यातायात पर अमेरिकी नाकाबंदी जारी रहेगी

स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर भी पहुंचे

अमेरिकी दूत शनिवार को ईरान के साथ शांति वार्ता का एक नया दौर शुरू करने के लिए पाकिस्तानी राजधानी पहुंचे। स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद के लिए रवाना होते ही व्हाइट हाउस ने कहा कि वे ईरानी प्रतिनिधियों के साथ आमने-सामने बातचीत करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि विटकॉफ और कुशनर पाकिस्तान में ईरानी प्रतिनिधिमंडल के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए जाएंगे। ईरानियों ने राष्ट्रपति के आह्वान पर संपर्क किया और आमने-सामने की बातचीत का अनुरोध किया। उम्मीद है कि यह बातचीत समझौते की दिशा में प्रगति करेगी।

वेंस जरूरत पड़ने पर पहुंचेंगे

लेविट ने कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने दो सप्ताह पहले इस्लामाबाद में वार्ता के पहले दौर का नेतृत्व किया था, फिलहाल वो इसमें शामिल नहीं होंगे, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर पाकिस्तान जाने के लिए तैयार हैं।

पूर्व पीएम इमरान के बेटे का दावा

पाक दुनिया में 'गुड' पर अपने देश में ही 'बैड'

इमरान खान, सुलेमान खान

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के बेटे सुलेमान खान ने देश के नेतृत्व पर गहरे होते लोकतांत्रिक संकट को छिपाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अधिकारी विरोध की आवाज को दबा रहे हैं, जबकि विदेशों में अपनी बेहतर छवि पेश कर रहे हैं। सुलेमान ने दावा किया कि सरकार वैश्विक मंच पर अपनी छवि चमकाने पर ज्यादा ध्यान दे रही है, जबकि, उनके अनुसार, पाकिस्तान में मानवाधिकारों का उल्लंघन जारी है और लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम नागरिकों को बिना किसी उचित कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया जा रहा है। गिरफ्तारियां उन लोगों को निशाना बना रही हैं जो उस व्यवस्था का विरोध कर रहे हैं जिसे उन्होंने बढ़ता हुआ तानाशाही तंत्र बताया।

ईरान से युद्ध 'दुनिया के लिए बेहतर उपहार': हेगसेथ

पीट हेगसेथ

अमेरिकी के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के साथ जारी संघर्ष को 'दुनिया के लिए एक उपहार' करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान के समुद्री यातायात पर अमेरिकी नाकाबंदी तब तक जारी रहेगी, जब तक इसकी आवश्यकता है। हेगसेथ ने कहा कि समुद्री प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय स्थिरता के लिए ईरान के कथित खतरे को बेअसर करने के उनके साहसी और खतरनाक मिशन का हिस्सा हैं।

हवाई सफर भी जंग की चपेट में

25% से ज्यादा महंगे हुए एयर टिकट, 'फ्यूल सरचार्ज' लागू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ मप्र से मुंबई दिल्ली, बेंगलुरु, जयपुर जाना हुआ महंगा

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव का असर अब भारत के आम नागरिकों की जेब पर भी साफ दिखाई देने लगा है। इस वैश्विक तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतें बढ़ा दी हैं। इसका सीधा असर हवाई किरायों पर पड़ रहा है। इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइंस ने लागत बढ़ने के चलते 'फ्यूल सरचार्ज' लागू कर दिया है।

बस ने बाइक सवारों को कुचला

5 किमी तक घसीटी बाइक 3 दोस्तों की मौत, 1 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिंड

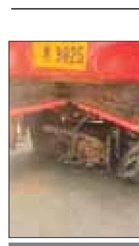
■ सड़क पर चिंगारियां उठती रहीं, चालक ने बस नहीं रोकी

जिले में शनिवार को नेशनल हाईवे 552 पर तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार 4 युवकों को कुचल दिया। बस बाइक को करीब 5 किलोमीटर तक घसीटते ले गई, जिससे सड़क पर चिंगारियां उठती रहीं। हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक की हालत नाजुक है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि बस को रोकने के लिए एक कार सवार ने उसका पीछा किया। कई बार हॉर्न बजाने के बावजूद बस चालक ने वाहन नहीं रोका।

अमेरिकी संसद में नया सख्त बिल हुआ पेश

संकटः एच-1बी वीजा पर 3 साल के लिए लगेगी रोक!

- 65 से घटाकर 25 हजार वीजा देने का लक्ष्य
- सारी छूट समाप्त होगी और लॉटरी सिस्टम भी खत्म होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका में रिपब्लिकन सांसदों के एक समूह ने एच-1बी वीजा प्रणाली में बड़ा बदलाव कर तीन साल का प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट 2026 पेश किया है। सांसद एली क्रेन द्वारा पेश किए गए इस बिल का मुख्य तर्क यह है कि वर्तमान वीजा व्यवस्था अमेरिकी कामगारों के हितों को नुकसान पहुंचाकर बड़ी कंपनियों के मुनाफे को बढ़ावा दे रही है।

सुप्रीम कोर्ट में पुलिस ने दी सफाई

रिश्वत के जब्त किए गए 4 हजार रुपए निगल गए चूहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- महिला को दी जमानत
- कोर्ट ने पूछा कस्टडी का माल सुरक्षित क्यों नहीं ?

अदालतों में अक्सर अजीबोगरीब दलीलें सामने आती हैं, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के सामने एक ऐसा मामला आया जिसने जजों को भी हैरान कर दिया। यह मामला बिहार से जुड़ा है, जहां भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्य साक्ष्य यानी रिश्वत की रकम के बारे में पुलिस ने दावा किया कि उसे मालखाने में चूहों ने कुतर डाला। साक्ष्यों के इस तरह नष्ट होने और मामले की कानूनी बारीकियों को देखते हुए, शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराई गई एक महिला अधिकारी को जमानत दे दी है।

छग के दुर्ग में प्रेमिका ने मचाया कत्लेआम

एसटीएफ जवान के घर में घुसकर पत्नी और बेटे की हत्या, बेटी की हालत गंभीर

- आरोपी महिला, एसटीएफ के जवान ललितेश यादव की प्रेमिका बताई जा रही
- जवान ने शादी की, घर दिलवाया फिर किया हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

सरोजनी (आरोपी) | पीड़ित परिवार

दुर्ग-भिलाई के स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार की सुबह एक महिला ने घर में घुसकर धारदार हथियार से परिवार के तीन लोगों पर हमला कर दिया। इस हमले में मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि एक बेटी गंभीर रूप से घायल है। घायल बेटी का इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने हमला करने वाली महिला को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। एसटीएफ जवान ललितेश यादव के परिवार पर यह हमला हुआ। ललितेश यादव वर्तमान में बीजापुर में पदस्थ हैं और घटना के समय वह रेलवे स्टेशन गए हुए थे। हमला करने वाली महिला ललितेश की प्रेमिका सरोजनी भारद्वाज बताई जा रही है। सरोजनी दुर्ग में ही रहती थी। ललितेश के घर से बाहर जाते ही उसने उसकी पत्नी और बच्चों पर कई बार वार किए।

आईआईटी आईएसएम की ईकोपल्स तकनीक से हृदय रोगों की जांच में आएगी क्रांति

समय से पहले एआई बता देगा हार्टअटैक का खतरा आईआईटी के प्रोफेसर राव ने विकसित की तकनीक

एआई और वीआर तकनीकी से दिल को सहेजना होगा आसान

बिना किसी पूर्व डेटा के भी हृदय की पंपिंग क्षमता और छिपे हुए पैटर्न्स को तुरंत पकड़ लेती है

एजेंसी ▶▶ धनबाद

एसीएस राव

भागमभाग के दौर में हृदय रोग एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं लेकिन झारखंड के आईआईटी धनबाद के वैज्ञानिकों ने इस दिशा में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रोफेसर ए.सी.एस. राव ने इकोपल्स नामक एक क्रांतिकारी तकनीक विकसित की है। यह तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) का ऐसा संगम है जो दिल की बीमारियों की जांच को न केवल तेज बनाएगा बल्कि उसे और भी अधिक सटीक और पारदर्शी बना देगा। यह बिना किसी पूर्व डेटा के भी हृदय की पंपिंग क्षमता और छिपे हुए पैटर्न्स को तुरंत पकड़ लेती है। इसके जरिए डॉक्टर दिल की धड़कनों को वर्चुअल रियलिटी में 3डी रूप में देख सकेंगे जिससे बीमारी की गहराई को समझना आसान हो जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में जहां ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञों की भारी कमी है वहां यह तकनीक किसी वरदान से कम नहीं है। ईकोपल्स की मदद से दूरदराज के क्षेत्रों में तैनात सामान्य डॉक्टर भी विशेषज्ञ स्तर की जांच कर सकेंगे।

कैसे काम करती है ईकोपल्स तकनीक

आमतौर पर ईकोकार्डियोग्राफी की रिपोर्ट्स को समझना और उनका विश्लेषण करना काफी जटिल होता है। ईकोपल्स तकनीक इस डेटा का स्वचालित तरीके से विश्लेषण करती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसका स्व-निरीक्षित लर्निंग मॉडल है।

पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में गरजे केंद्रीय गृह मंत्री शाह, टीएमसी पर बोला करारा हमला

सत्ता से बाहर होंगी ममता, पहले चरण में ही भाजपा जीतेगी 110 सीटें, पार्टी किसी बड़े नेता को नहीं, पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता को बनाएगी सीएम

शाह ने चुनावी रैली में कहा कि पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगी। ममता सत्ता से बाहर हो जाएंगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अंतिम परिणाम आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होंगे, उन्होंने कहा-टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया, मतुआ को हम नागरिकता देंगे

एजेंसी ▶▶ पूर्व वर्धमान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में एक जनसभा में सत्ताधारी दल टीएमसी और सीएम ममता बेनर्जी पर करारा हमला बोला है। शाह ने चुनावी रैली में कहा कि पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगी। ममता सत्ता से बाहर हो जाएंगी। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अंतिम परिणाम आधिकारिक घोषणा के बाद ही स्पष्ट होंगे, लेकिन उनके अनुसार जनता का रुझान परिवर्तन की ओर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया है और बंगाल में भाजपा को सत्ता में लाने का वादा किया है ताकि मतुआ समुदाय के सभी लोगों को नागरिकता मिल सके। बंगाल में विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है और सभी प्रमुख दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं। शाह ने कहा कि राज्य में अगली सरकार भाजपा की बनेगी और मुख्यमंत्री पद किसी बड़े नेता को नहीं बल्कि पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता को दिया जाएगा।

■ समर्पित कार्यकर्ताओं पर जोर दिया

बंगाल में चुनावी माहौल गरमाया

हम भाजपा को सत्ता में लाएंगे

भ्रष्टाचार और गिरोह राज पर प्रहार

उन्होंने राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार और कथित गिरोह तंत्र पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपाकी सरकार बनने पर इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। व्यापारियों और आम नागरिकों को किसी प्रकार के अवैध दबाव या वसूली का सामना नहीं करना पड़ेगा।

ममता सरकार से जनता परेशान

शाह ने टीएमसी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब परिवर्तन चाहती है और लंबे समय से चली आ रही वर्तमान सरकार से परेशान हो चुकी है। उन्होंने यह भी कहा कि अब सत्ता किसी परिवार या विशेष वर्ग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एक सामान्य कार्यकर्ता को भी नेतृत्व का अवसर मिलेगा, जो जनता के बीच से उठकर आया हो। शाह ने महिलाओं की सुरक्षा पर कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और ऐसी स्थिति बनाई जाएगी कि महिलाएं दिन हो या रात, किसी भी समय बिना भय के बाहर निकल सकें।

घुसपैठ और तुष्टीकरण पर कड़ा रुख

शाह ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी का लक्ष्य बंगाल को घुसपैठ से मुक्त करना है और इसके लिए सीमाओं को सख्त किया जाएगा।उन्होंने तुष्टीकरण की राजनीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार का काम सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करना है, न कि किसी विशेष वर्ग को लाभ

केजरीवाल के प्रचार पर नबीन का तंज

जनता भाजपा के साथ, डूबती नाव में कौन रहना चाहेगा?

बरानगर। यहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के बंगाल में चुनाव प्रचार पर निशाना साधा। उन्होंने

कहा कि जिस नेता की छवि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हो, उसके लिए प्रचार करने का नैतिक आधार बचा नहीं है। राघव चड्ढा और आप के कुछ राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि डूबती हुई नाव में कोई सवार नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि पहले आप कमजोर हुई और अब टीएमसी भी उसी राह पर है।

शाह के बयान पर ममता नाराज

दीदी के गुंडों को उल्टा लटका कर सीधा कर देंगे, मैं तो केस करूंगी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच सियासी बयानबाजी और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने टीएमसी पर गंभीर

आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के एक निलंबित नेता को मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर मस्जिद निर्माण की अनुमति दी गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक भाजपा का एक भी कार्यकर्ता जीवित है, ऐसा निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। शाह ने घुसपैठ के मुद्दे को उठाते हुए दावा किया कि उनकी सरकार बनने पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। टीएमसी के गुंडों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे पर ममता ने मामला दर्ज कराने की बात कही है।

तमिलनाडु-बंगाल में नहीं होगा री-पोल

बहुकोणीय मुकाबले ने बढ़ाया सियासी रोमांच

विधानसभा चुनाव के तहत तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हुए मतदान के बाद पुनर्मतदान को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। चुनाव आयोग (ईसीआई) के

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के जिन मतदान केंद्रों पर वोटिंग हुई, वहां किसी भी प्रकार के री-पोल की सिफारिश नहीं की गई है।

हाई कोर्ट ने खारिज की टीएमसी की रिट

अति संवेदनशील बूथों की सुरक्षा चुनाव आयोग करे

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अति संवेदनशील बूथों पर केंद्रीय बल की तैनाती के मामले में कहा अति संवेदनशील बूथों की सुरक्षा की जिम्मेदारी चुनाव आयोग

की है। कोर्ट ने तटीएमसी की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा सीआरपीएफ की तैनाती के निर्देश को चुनौती दी गई थी।

बंगाल के रण में योगी का प्रहार

राष्ट्रवाद की हुंकार से हिला दीदी का किला

उत्तर 24 परगना। बंगाल चुनाव के रण में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने हुंकार

भरते हुए ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने बंगाल को भारत की 'आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्राणवायु' बताया। अब ममता का किला हिलने वाला है।

विकास के लिए डबल इंजन सरकार की जरूरत

यूपी के मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश के विकास मॉडल का उदाहरण देते हुए डबल इंजन सरकार की जरूरत बताई और कहा कि इससे विकास तेज होगा, सुरक्षा मजबूत होगी और रोजगार बढ़ेगा।

घुसपैठ पर बोले मुख्यमंत्री हिमंता

यह बंगाल ही नहीं देश के लिए खतरा

कोलकाता में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बांग्लादेशी घुसपैठ को

लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर यह जारी रहा तो पूरे देश की जनसंख्या संरचना पर असर पड़ेगा। बंगाल चुनाव का प्रभाव पूरे भारत पर पड़ेगा।

असम के डिटेंशन कैंपों में बंगाली हिंदू...तो इस्तीफा

सरमा ने कहा कि टीएमसी के लोग कभी-कभी कहते हैं कि असम के डिटेंशन कैंपों में कई बंगाली हिंदू हैं। कैंपों में एक भी बंगाली हिंदू नहीं है। एक भी बंगाली हिंदू वहां है, तो मैं आज ही इस्तीफ़ा देने को तैयार हूं।

खबर संक्षेप

आग से छठी मंजिल से 15 को बचाया

जयपुर। जयपुर के मुहाना थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक

अपार्टमेंट में भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। मुहाना मंडी के पास स्थित 'घर आंगन' नामक अपार्टमेंट की छठी मंजिल पर करीब 2:15 बजे एक फ्लैट में आग लगी, इससे 15 लोगों को बचा लिया गया।

मणिपुर में किया बवाल आंसू गैस छोड़नी पड़ी

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को

इंफाल में स्थायी शांति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई। सुरक्षा बलों को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रदर्शन मैतेई संगठन ने किया था।

डीके का दौरा सरकारी मई क्रांति सिर्फ अफवाह

नई दिल्ली। कर्नाटक में फिर नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज है।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के दिल्ली दौरे को लेकर बयानबाजी शुरू हो गई है। कैबिनेट मंत्री प्रियांक खरगे ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। प्रियांक ने अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें राज्य नेतृत्व परिवर्तन की बात थी।

वाराणसी से पुणे चलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी 28 अप्रैल को बरेका में जनसभा स्थल

से बनारस-पुणे अमृत भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। पहले दिन यह गैर वातानुकूलित प्रीमियम ट्रेन उद्घाटन स्पेशल बनकर जाएगी। बनारस स्टेशन पर इसका सजीव प्रसारण होगा। बोर्ड के निदेशक संजय आर. नीलम के पत्र बाद तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

पार्टी छोड़ने पर पंजाब में फूटा आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं का गुस्सा

सांसद हरभजन और राजेंद्र के घर की दीवारों पर लिख दिया गद्दार, कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते अर्थी यात्रा निकाली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/ जालंधर

आम आदमी पार्टी के 7सांसदों के भाजपा में जाने के बाद पंजाब में आप कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जालंधर में कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के प्रति अपना रोष व्यक्त करते हुए उनके आवास की दीवारों पर गद्दार लिख दिया। वहीं लुधियाना में आम आदमी को छोड़कर भाजपा में गए सांसद राजेंद्र गुप्ता के ऑफिस की दीवार पर पंजाब के गद्दार लिखा गया। आप पार्टी के नेता व कार्यकर्ता डॉ. अशोक कुमार मित्तल के भाजपा में शामिल होने से उनकी लवली यूनिवर्सिटी के बाहर धरना प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के घर के बाहर प्रदर्शन किया, बाद में भज्जी का पुतला बनाकर आप कार्यकर्ताओं ने अर्थी यात्रा निकाली। यही नहीं काली पट्टी बांधकर सड़क पर नारे भी लगाए।

इस समय पंजाब में हलचल है। आप के नेता व कार्यकर्ताओं डॉ. अशोक मित्तल के भाजपा में शामिल होने से उनकी लवली यूनिवर्सिटी के बाहर धरना प्रदर्शन किया। लोगों ने हरभजन के घर के बाहर भी प्रदर्शन किया

आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के भाजपा में जाने से बढ़ा बवाल

जालंधर में कार्यकर्ताओं ने राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के प्रति अपना रोष व्यक्त किया और गुस्सा उतारा

पंजाब की जनता के भरोसे को तोड़ दिया

आपकी पंजाब ईकाई ने एक्स पर विरोध प्रदर्शन का वीडियो शेयर किया। एक्स पर लिखा- राज्यसभा के जिन गद्दार सदस्यों ने भाजपा का दामन थामा है, उन्होंने पंजाब की जनता के भरोसे को तोड़ा है। शिरोमणि अकाली दल, कांग्रेस और भाजपा मिलकर आम आदमी पार्टी को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। आपएक जन-आंदोलन है, जिसके आगे कोई टिक नहीं सकता।

बागियों को सबक सिखाने की ठानी

सीएम मान अपने विधायकों संग करेंगे राष्ट्रपति से मुलाकात,मांगा समय

आपके 7 राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने के बाद से आप में भूचाल आ गया है। अब पार्टी हर वह कदम उठाने को तैयार है जिससे सात सांसदों की सदस्यता रद की जा सके। पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगा है। मान पंजाब के विधायकों के साथ राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे। भाजपा में शामिल हुए पंजाब के राज्यसभा मेंबरों को रिकॉल करने के लिए भगवंत मान अपना पक्ष रखेंगे। मान उनकी सदस्यता खत्म करने की मांग रखेंगे।

सदस्यता खत्म करें

स्वाति का आप से इस्तीफा

मैं पीएम मोदी के नेतृत्व पर भरोसा करके भाजपा में आई

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक इंटरव्यू में आप और अरविंद केजरीवाल पर जमकर हमला बोला है। स्वातिने कहा कि मैंने आप छोड़ दी है और भाजपा में शामिल हो गई हूं। मालीवाल ने प्रधानमंत्री को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया। मोदी और शाह ने देश के विकास के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

2 रुपए की कलम रखने वाले केजरीवाल ने कई 'शीशमहल' बनाए, पंजाब सरकार 'प्राइवेट एटीएम'

मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल ने एक समय खुद को 'आम आदमी' के रूप में पेश किया था, लेकिन तब से बहुत कुछ बदल गया है। उन्होंने कहा,एक वक्त था जब वह 2 रुपए की कलम रखते थे और सादे कपड़े पहनते थे। आज उनका रुतबा ही बदल गया है।

चड्ढा का आप पर बड़ा अटैक

शीश महल ने डुबोई लुटिया, अब 'पार्ट टू'

राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने आप पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में 'शीश महल पार्ट टू' सामने आ गया है। कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। यदि दिल्ली चुनावों में आप की हार का कोई एक बड़ा कारण था, तो वह 'शीश महल' ही था। दिल्ली चुनाव खत्म हुए अभी एक साल भी नहीं बीता है कि 'शीश महल पार्ट टू' सामने आ गया है।

12 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स ने अनफॉलो किया

चड्ढा भाजपा में शामिल हुए हैं, उनकी लोकप्रियता को जबरदस्त झटका लगा है। इंस्टाग्राम में 24 घंटे में उनके फॉलोअर्स की संख्या 12 लाख से भी कम हो गई है।

आतिशी ने आरोपों को नकारा

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री एवं आप नेता आतिशी ने तस्वीरों को झूठा करार दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा - भाजपा के मंत्री परवेश ने पूरी मीडिया को बुलाकर अरविंद केजरीवाल के तथाकथित नए घर की तस्वीरें दिखाई। लेकिन मजे की बात ये है कि ये तस्वीरें केजरीवाल के घर की नहीं, बल्कि 'पिनरेस्ट' से डाउनलोड की गई हैं।

दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने किया हमला

भाजपा ने जारी की केजरीवाल के नए बंगले की तस्वीर

भाजपा नेता और दिल्ली कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक बार फिर अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला है। वर्मा ने केजरीवाल की तुलना फिल्म 'धुरंधर' के 'रहमान डकैत' से करते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली के बाद अब पंजाब में भी दूसरा शीशमहल बना लिया है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद केजरीवाल पंजाब चले गए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल का संघ पर तंज

संस्था को राष्ट्रीय सरेंडर संघ बताया राममाधव ने वास्तविकता बता दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने संघ नेता और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय

महासचिव राम माधव द्वारा अमेरिका में दिए गए बयान पर संघ पर तीखा तंज कसा। राहुल ने कहा कि राम माधव ने केवल संघ के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया है।राम माधव ने भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव पर हैरानी जताई।

राहुल ने बोला हमला

राहुल ने संघ पर निशाना साधते हुए एक्स पर पोस्ट किया राष्ट्रीय आत्मसमर्पण संघ। नागपुर में फर्जी राष्ट्रवाद। अमेरिका में सरासर गुलामी। उन्होंने आगे लिखा कि राम माधव ने 'संघ का असली चेहरा' ही उजागर किया है। इन टिप्पणियों के चलते भाजपा- संघ को निशाना बनाया। उसे राष्ट्रीय सरेंडर संघ तक कह दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने आईसीयू की व्यवस्था पर उठाए सवाल

देशभर में समान मानक हों, राज्य 3 हफ्तों में दें प्लान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सभी राज्य, केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक व यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें

सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में गहन चिकित्सा इकाइयों की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि आईसीयू के लिए तय न्यूनतम मानकों को लागू करने सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक और यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें। शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल थे, कहा कि गहन देखभाल सेवाओं के संगठन और वितरण के लिए दिशानिर्देश तैयार कर ली गई हैं, जिन पर व्यापक सहमति है।

18 मई को अगली सुनवाई होगी

जयपुर में सीजेआई का दिखा शायराना अंदाज

जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत... रिटायर्ड जजों को बताया 'बावड़ी' की तरह

जयपुर। सीजेआई ने शनिवार को कहा न्यायपालिका व उससे जुड़ी संस्थाओं में जनता का गहरा विश्वास है और इस विश्वास को बनाए रखना हमारा दायित्व है। पूर्व न्यायाधीशों की तुलना 'बावड़ी' से करते हुए उन्हें ज्ञान का भंडार बताया जो चुनौतीपूर्ण समय में व्यवस्था का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

सारी जनता का विश्वास रहे, आप आगे बढ़ें

न्यायपालिका व उससे जुड़ी संस्थाओं पर उन्होंने मोहसिन नकवी के शेर 'जिसको तूफानों से उलझने की हो आदत, ऐसी कश्ती को समंदर भी दुआ देता है' का उल्लेख करते हुए कहा, आप भी ऐसा कुछ कीजिए सारी जनता का विश्वास आप में रहे। आगे बढ़ें।

सरकारी तेल कंपनियों ने 15 देशों में स्पॉट मार्केट से खरीदारी शुरू की

एलपीजी आपूर्ति को लेकर नहीं होगी समस्या

भारत को वर्तमान में 34,000 टन एलपीजी की जरूरत है जो अब कई देशों से आ रही है। पहले जहां 10 देशों से एलपीजी आयात किया जाता था, तो अब ऐसे देशों की संख्या बढ़कर 15 हो गई

स्पॉट मार्केट से एलपीजी कार्गो जून और जुलाई में भारत पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट युद्ध में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम चल रहा है, होर्मुज पर अमेरिका और ईरान की नाकेबंदी के चलते तेल-गैस की आपूर्ति पर संकट बरकरार है। भारत में खासतौर पर एलपीजी संकट से निपटने के लिए सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन में इजाफे के साथ ही सिर्फ खाड़ी देशों पर निर्भरता न रखकर अन्य देशों से गैस का आयात शामिल है। अब भारतीय सरकारी तेल कंपनियों ने स्पॉट मार्केट से खरीदारी भी शुरू कर दी है।

किसी भी स्थिति में देश के लोगों को आपूर्ति में कमी की दिक्कतों का सामना न करना पड़े। स्पॉट मार्केट से एलपीजी कार्गो जून और जुलाई में भारत पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें, स्पॉट मार्केट में तुरंत जरूरत के हिसाब से बाजार से खरीद की जाती है।

घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 20 फीसदी बढ़कर 46,000 टन पर पहुंचा

देश में प्रतिदिन 80,000 टन एलपीजी की जरूरत

भारत में रोजाना करीब 80,000 टन एलपीजी की जरूरत है। वहीं देश में घरेलू एलपीजी उत्पादन करीब 20 फीसदी बढ़कर अब 46,000 टन किया जा चुका है। भारत को वर्तमान में 34,000 टन एलपीजी की जरूरत है जो अब कई देशों से आ रही है। पहले जहां 10 देशों से एलपीजी आयात किया जाता था, तो अब ऐसे देशों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

जहां से मिलेगी, हम खरीदेंगे: सुजाता

बता दें, भारत अपनी एलपीजी मांग का लगभग 60% आयात करता है। एलपीजी संकट के बीच सरकार द्वारा घरेलू उत्पादन बढ़ाने के दिए गए आदेश के चलते उत्पादन में बड़ा इजाफा हुआ है और भारत की आयात पर निर्भरता कम हुई है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा है कि सरकार की प्राथमिकता घरेलू आपूर्ति को पूरा करना है और इसके लिए जहां से भी मुमकिन होगा, वहीं से कार्गो मंगाया जाएगा।

उर्वरक कमी के दावे निराधार

केंद्र सरकार ने कहा है कि उर्वरकों की कमी के हाल के दावे निराधार हैं। उर्वरक विभाग के अनुसार, अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 के बीच यूरिया की उपलब्धता 257.59 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) थी, जबकि जरूरत 196.06 एलएमटी थी। डीएपी की उपलब्धता 75.40 एलएमटी, जरूरत 53.43 एलएमटी थी। एमओपी की उपलब्धता 19.64 एलएमटी थी जरूरत 15.69 एलएमटी थी।

अमेरिका, रूस, नार्वे से हो रही खरीदारी

युद्ध से पहले भारत की जरूरत की 90% एलपीजी तमाम खाड़ी देशों से होती थी। इनमें यूएई, कतर, सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और ओमान शामिल थे। वहीं एलपीजी संकट के बीच इंपोर्ट डेस्टिनेशंस में विविधिकरण के सरकार के प्लान बी के चलते अब लेकिन अब ज्यादातर खरीदारी अमेरिका, नॉर्वे, कनाडा, अल्जीरिया और रूस जैसे देशों से हो रही है। बीते दिनों सरकार ने बताया था कि करीब 8 लाख टन एलपीजी का कार्गो पहले ही सुरक्षित कर लिया गया।

खबर संक्षेप

तुर्की में पकड़ाया ड्रग माफिया सलीम डोला

इस्तांबुल। तुर्की की सुरक्षा एजेंसियों ने इस्तांबुल में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय कुख्यात ड्रग माफिया सलीम डोला को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था। भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने इसकी पुष्टि की है। सलीम डोला का कनेक्शन ग्लोबल सिंथेटिक ड्रग नेटवर्क से था और उसका जाल कई देशों तक फैला हुआ था। इस ड्रग रैकेट के तार भारत के मोस्ट वांटेड अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के नेटवर्क से भी जुड़े बताए जा रहे हैं।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने 3.5 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर में मादक पदार्थ तस्करों से जुड़े साढ़े तीन करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की। यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस अभियान और नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान के तहत की गई। संगम पुलिस थाने ने आरोपियों की पहचान नूरबाग में क्रेशबल इलाके के निवासी शकील अहमद गनी और फारूक अहमद मीर के रूप में की है। पुलिस ने गनी के दो मंजिला आवासीय घर और उसके साथ लगी एक कनाल भूमि को कुर्क कर किया है, जिसकी कीमत दो करोड़ रुपए से अधिक है।

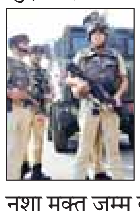

'पीडीएस' घोटाले पर ईडी की बंगाल में रेड

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कथित पीडीएस घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने शनिवार को कई ठिकानों पर छापेमारी की। मनी लॉड्रिंग की जांच के तहत कोलकाता और बर्धमान में कई स्थानों पर छापेमारी की गई। कोलकाता, बर्धमान और हाबरा में निरंजन चंद्र साहा समेत आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों के लगभग नौ परिसरों पर तलाशी अभियान जारी है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत की जा रही है।

भारत-अमेरिका साझेदारी गहरी होने से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ेगी देश की ताकत

सीडीएस अनिल चौहान ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारियों संग की अहम बैठक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। इसी कड़ी में भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारी जनरल केविन बी. श्नाइडर के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

साथ ही, क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने यह स्पष्ट किया कि वे क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय के अनुसार, इस बातचीत में द्विपक्षीय और त्रि-सेवा सहयोग को और विस्तारित करने पर भी सहमति बनी। बैठक के दौरान दोनों देशों ने इस बात को स्वीकार किया कि आधुनिक समय में तकनीक सैन्य शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया।

> बैठक के दौरान भारत और अमेरिका ने इस बात को स्वीकार किया कि आधुनिक समय में तकनीक सैन्य शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया

दोनों देश इंडो-पैसिफिक में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखेंगे

द्विपक्षीय और त्रि-सेवा सहयोग को और विस्तारित करने पर सहमत

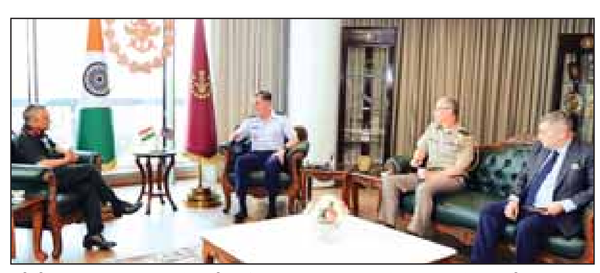

सीडीएस चौहान और अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के जनरल केविन बी. श्नाइडर

ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों से भी की मुलाकात

इससे पहले, जनरल अनिल चौहान ने ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने सर रिचर्ड नाइटन के साथ मुलाकात कर वैश्विक चुनौतियों, साइबर खतरों और व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। भारत और ब्रिटेन ने भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। ब्रिटेन दौरे के दौरान जनरल चौहान ने रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में भी संबोधन दिया, जहां उन्होंने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और वैश्विक सुरक्षा पर उसके प्रभाव को विस्तार से समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत किस तरह वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रौद्योगिकी को आधुनिक शक्ति का एक निर्णायक कारक मानते हुए, यह साझेदारी बेहतर तालमेल, क्षमता और रणनीतिक दूरदर्शिता के साथ लगातार विकसित हो रही है।

अमेरिकी सेना का बड़ा बयान

चीन पर दबाव बढ़ाने की अमेरिकी रणनीति में भारत बन रहा ताकत

अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल पापारो ने अमेरिकी सांसदों से कहा कि भारत के साथ जुड़ाव उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। पापारो ने चेतावनी दी कि चीन की सैन्य गतिविधियां, साथ ही रूस और उत्तर कोरिया के साथ उसके गहरे होते संबंध, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जटिल चुनौती पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के लिए उसके सहयोगी देश और साझेदार ही सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत हैं। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं और यह अमेरिका की सबसे सक्रिय सैन्य साझेदारियों में से एक है। दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा, खुफिया साझेदारी और अंडरवाटर डोमेन अवेयरनेस जैसे क्षेत्रों में तेजी से सहयोग बढ़ा है। उन्होंने भारत द्वारा एमक्यू-9बी ड्रोन खरीद योजना का भी जिक्र किया। यह ड्रोन लंबी दूरी की निगरानी, समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक मिशनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

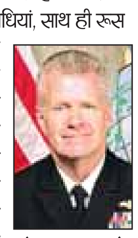

सैमुअल पापारो

भारत हिंद महासागर में मजबूत स्थिति में

पापारो के अनुसार, भारत न केवल अपने क्षेत्र में संतुलन बनाए हुए है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भी अपनी रणनीतिक उपस्थिति मजबूत कर रहा है। पापारो ने श्रीलंका में भारत के निवेश और मॉरीशस के साथ हुए समझौतों का उल्लेख किया। उनका कहना था कि इन कदमों का मकसद समुद्री सहयोग बढ़ाना और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को प्रतिकूल शक्तियों के प्रभाव से मुक्त रखना है।

क्वाड में भारत की भूमिका अहम

अमेरिकी कमांडर ने क्वाड में भारत की भूमिका को भी अहम बताया। इस समूह में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। यह मंच इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मुक्त, सुरक्षित और संतुलित व्यवस्था बनाए रखने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मालाबार सैन्य अभ्यास जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास चारों देशों के बीच तालमेल बढ़ाने, तकनीकी क्षमता साझा करने और संयुक्त सैन्य तैयारी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

गोयल ने टॉड मैक्ले का किया स्वागत

भारत-न्यूजीलैंड के बीच कल साइन होगा एफटीए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने न्यूजीलैंड के ट्रेड और इन्वेस्टमेंट मंत्री टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत किया। यह स्वागत दोनों देशों के बीच होने वाले फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर 27 अप्रैल को साइन होने से पहले किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि उन्हें टॉड मैक्ले का भारत में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है, क्योंकि इससे भारत और न्यूजीलैंड के आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।

उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल 2026 को होने वाले भारत-न्यूजीलैंड एफटीए साइनिंग से पहले यह दौरा दोनों देशों के भरोसे, साझा मूल्यों और आर्थिक विकास के एक जैसे विजन को दिखाता है। बता दें, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एफटीए पर बातचीत औपचारिक रूप से 16 मार्च 2025 को शुरू हुई थी। यह औपचारिक शुरुआत भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के बीच एक बैठक के दौरान हुई थी। भारत और न्यूजीलैंड ने पिछले वर्ष दिसंबर को व्यापार वार्ताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया था। यह 2020 के बाद से भारत का सातवां व्यापार समझौता है।

टॉड मैक्ले और पीयूष गोयल

दोनों देशों को होगा फायदा

न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने पहले ही कहा था कि इस समझौते से दोनों देशों को व्यापार बढ़ाने और बाजार तक बेहतर पहुंच मिलने में फायदा होगा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि हम सोमवार को भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन करेंगे। एक वीडियो संदेश में लक्सन ने बताया कि इस समझौते से न्यूजीलैंड के एक्सपोर्टर्स को भारतीय बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी, खासकर उन कंपनियों को जो नावों में इस्तेमाल होने वाले मरीन जेट सिस्टम बनाती हैं और जिन्हें 70 से ज्यादा देशों में भेजा जाता है।

एफटीए की ये अहम बातें

न्यूजीलैंड 100% टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्त करेगा, जबकि भारत ने संवेदनशील कृषि उत्पादों (जैसे डेयरी) के लिए सुरक्षा उपाय रखते हुए 70% टैरिफ लाइनों को खोला है। यह एफटीए 20 अध्यायों को कवर करता है, इसमे निवेश, छोटे व मध्यम उद्योग, बौद्धिक संपदा अधिकार, स्थिरता और पारंपरिक ज्ञान शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में, भारत ने न्यूजीलैंड को 711.1 मिलियन डॉलर का निर्यात किया (एविएशन फ्यूल, टेक्सटाइल, फार्मा), जबकि आयात 587.1 मिलियन डॉलर रहा (कच्चा माल, स्क्रैप मेटल, कोयला)।

बांग्लादेश में आतंकी हमले की आशंका

खुफिया एजेंसियों ने दी 'चेतावनी' पुलिस ने सुरक्षा अलर्ट किया जारी

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश पुलिस ने देश भर में महत्वपूर्ण ठिकानों पर संभावित आतंकवादी हमलों को लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इस अलर्ट में संसद परिसर, पूजा स्थलों, मनोरंजन सुविधाओं, और सैन्य व पुलिस प्रतिष्ठानों को संभावित लक्ष्यों के रूप में चिह्नित किया गया है। आर्मरियों को विशेष रूप से खतरे में बताया गया है। यह अलर्ट खुफिया रिपोर्टों के आधार पर जारी किया गया है और इसे तत्काल और गोपनीय बताया गया है। पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार, यह अलर्ट हाल ही में एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के सदस्य इस्तिक अहमद सामी उर्फ अबू बकर की गिरफ्तारी के बाद जारी किया गया है।

नौसेना पोर्ट पर योग

भारत-श्रीलंका नौसेनिकों ने साथ किया योग

कोलंबो। भारतीय नौसेना पोत (आईएनएस) निरीक्षक ऑपरेशनल संक्षिप्त पड़ाव और प्रशिक्षण यात्रा के लिए मंगलवार से श्रीलंका में है। इस दौरे का मकसद दोनों पड़ोसी देशों के बीच समुद्री सहयोग को और मजबूती देना है। प्रशिक्षण के दौरान कोलंबो बंदरगाह पर साझा समुद्री भावना को आगे बढ़ाते हुए आईएनएस निरीक्षक के क्रू सदस्यों ने श्रीलंका के नौसैनिकों के साथ योग सत्र का आयोजन किया।

रूसी विदेश मंत्री ने यूरोप पर साधा निशाना

कहा- यूक्रेन की आड़ में पश्चिम ने मॉस्को के खिलाफ छेड़ा युद्ध

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यूक्रेन की आड़ में रूस के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को मोर्चे पर आगे रखकर रूस को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। लावरोव ने यह बयान रूसी गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दिया।

उन्होंने कहा कि कीव शासन को पश्चिमी देश भाले की नोक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वह पश्चिमी हथियारों, खुफिया सूचनाओं, सैटेलाइट सिस्टम, सैन्य प्रशिक्षण और आर्थिक मदद के बिना टिक नहीं सकता। रूस के खिलाफ यह संघर्ष अब केवल परोक्ष नहीं बल्कि खुला और संगठित अभियान बन चुका है।

चीन में ऑनलाइन फूड स्कैम का खुलासा

67 हजार फर्जी दुकानें, कंपनियों पर लगाया 4400 करोड़ जुर्माना

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन में ऑनलाइन फूड डिलीवरी के नाम पर चल रहे एक बहुत बड़े घोटाले का खुलासा हुआ है। एक ग्राहक की शिकायत के बाद हुई जांच में 67,000 से ज्यादा ऐसी दुकानें मिलीं जिनका असलियत में कोई अस्तित्व ही नहीं था। इस खेल को चलते रहने के लिए अलीबाबा और पीडीडी जैसी 7 बड़ी कंपनियों पर करीब 4,400 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है। खुलासा तब हुआ जब पिछले साल गर्मियों में बीजिंग में रहने वाले लियू नाम के एक व्यक्ति ने जन्मदिन के लिए एक ऑनलाइन ऐप से केक मंगवाया था, लेकिन जब केक घर पहुंचा तो वह खराब था। उस पर सजावट के लिए जो फूल लगा था, वह खाने लायक भी नहीं था। लियू ने इसकी शिकायत स्थानीय अधिकारियों से की। जांच में ऐसी 67,000 नकली दुकानों का पता चला है, जो अब तक 36 लाख से ज्यादा केक बेच चुकी थीं।

रूस की जंग में भारत के 10 बेटों की मौत, 25 की उम्र में विधवा हुईं पत्नियां

सरकार बोली- मर्जी से गए थे, कोर्ट का आदेश 'स्टेटस रिपोर्ट' दें

- पीड़ितों के परिवारों के डीएनए सैंपल की मांग
- मामला अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने बड़ा खुलासा किया। सरकार ने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना की ओर से लड़ते हुए 10 भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है। सरकार ने कोर्ट को बताया कि इनमें से अधिकांश ने अपनी मर्जी से गए थे, जिसके चलते वे इस संघर्ष के बीच पहुंच गए। मारे गए लोगों में ज्यादातर युवा हैं और भारत में उनकी 25-26 वर्षीय पत्नी विधवा हो गई हैं। विदेश मंत्रालय ने यह जवाब उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिया, जो रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे 26 भारतीय पुरुषों के परिवारों द्वारा दायर की गई थीं।

सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले की सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने विदेश मंत्रालयको निर्देश दिया है कि वह अब तक उठाए गए कदमों पर एक विस्तृत 'स्टेटस रिपोर्ट' दाखिल करे। मामले को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया गया है।

विदेश मंत्रालय निष्क्रिय: याचिकाकर्ता

परिवारों की ओर से पेश हुए वकील ऋत्विक भनोट ने विदेश मंत्रालय पर लापरवाही और निष्क्रियता के आरोप लगाए। वकील ने स्पष्ट किया कि इन लोगों को रूस में नौकरी का झूठा झांसा देकर ठगा गया था। वहां पहुंचने पर उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और उन्हें जबरन युद्ध में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया। विदेश मंत्रालय से कई बार गुहार लगाने के बावजूद कोई त्वरित कार्रवाई नहीं हुई। मृतकों की सही पहचान और पार्थिव शरीर वापस लाने के लिए याचिकाकर्ताओं ने अदालत से निर्देश देने की मांग की कि परिवारों के डीएनए सैंपल लिए जाएं।

कुछ एजेंट नौकरी के लिए उकसा रहे

एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने सरकार का पक्ष रखते हुए कोर्ट को बताया कि 26 में से 10 भारतीयों की मौत हो चुकी है। एक व्यक्ति पर आपराधिक मामला दर्ज है, जबकि एक अन्य व्यक्ति जानबूझकर वहीं रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि ये लोग अपनी मर्जी से कॉन्ट्रैक्ट साइन कर रहे हैं और कुछ एजेंट/बिचौलिए उन्हें ऐसा करने के लिए उकसा रहे हैं। केंद्र बहुआयामी रणनीति पर काम कर रहा है और लोगों को ऐसे किसी भी कॉन्ट्रैक्ट को स्वीकार न करने की सलाह दे रहा है।

'रिटर्न ऑफ द जंगल' का टीजर जारी...

मुंबई। शाहरुख खान की आवाज में 'द लायन किंग' और श्रद्धा कपूर की आवाज में 'जूटोपिया' जैसी एनिमेटेड फिल्मों को काफी पसंद किया गया था। अब एक और एनिमेटेड फिल्म 'रिटर्न ऑफ द जंगल' आ रही है, जिसका टीजर और रिलीज तारीख जारी हो गई है। भारत का इकलौता एमी पुरस्कार विजेता एनिमेशन स्टूडियो, वैभव स्टूडियोज पंचतंत्र से प्रेरित इस फिल्म को ला रहा है। इसका निर्देशन वैभव कुमारेश ने किया है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एनिमेशन फिल्म निर्माता हैं।

लाइफStyle

प्रियंका

गोल्ड गाला में ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से होंगी सम्मानित

एजेंसी ▶▶ मुंबई

ग्लोबल आइकन बन चुकी प्रियंका चोपड़ा को उनके करियर का एक और बड़ा सम्मान मिलने वाला है। आगामी गोल्ड हाउस गोल्ड गाला 2026 अभिनेत्री को प्रतिष्ठित ग्लोबल वैंगार्ड ऑनर से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

इस समारोह का आयोजन 9 मई को लॉस एंजिल्स के डाउनटाउन स्थित 'द म्यूजिक सेंटर' में होगा। बताया जाता है कि प्रियंका को चार्ल्स मेल्टन, जेट ली, सिमु लियू और ईजेएई जैसे नामों के साथ सम्मानित किया जाएगा। गोल्ड हाउस द्वारा आयोजित गोल्ड गाला का 5वां संस्करण जल्द ही आने वाला है। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 650 से ज्यादा व्यक्ति इस साल की गोल्ड 100 सूची का जश्न मनाने के लिए शामिल होंगे। इनमें से एक नाम प्रियंका का भी है, जिन्हें बॉलीवुड और हॉलीवुड के बीच एक पुल के रूप में उनके 25 साल के सफर और एशियाई प्रशांत संस्कृति के लिए उनके अहम योगदान के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। एक अभिनेत्री होने के अलावा, प्रियंका ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी, पर्पल पेबल पिक्चर्स में एक निर्माता के तौर पर अपना दबदबा कायम किया है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी हैं, और उनका नाम टाइम 100 और फोर्ब्स की "सबसे शक्तिशाली महिलाओं" की सूची में शामिल हो चुका है। काम की बात करें, तो प्रियंका आगामी फिल्म 'वाराणसी' में व्यस्त हैं, जिसका निर्माण एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे।

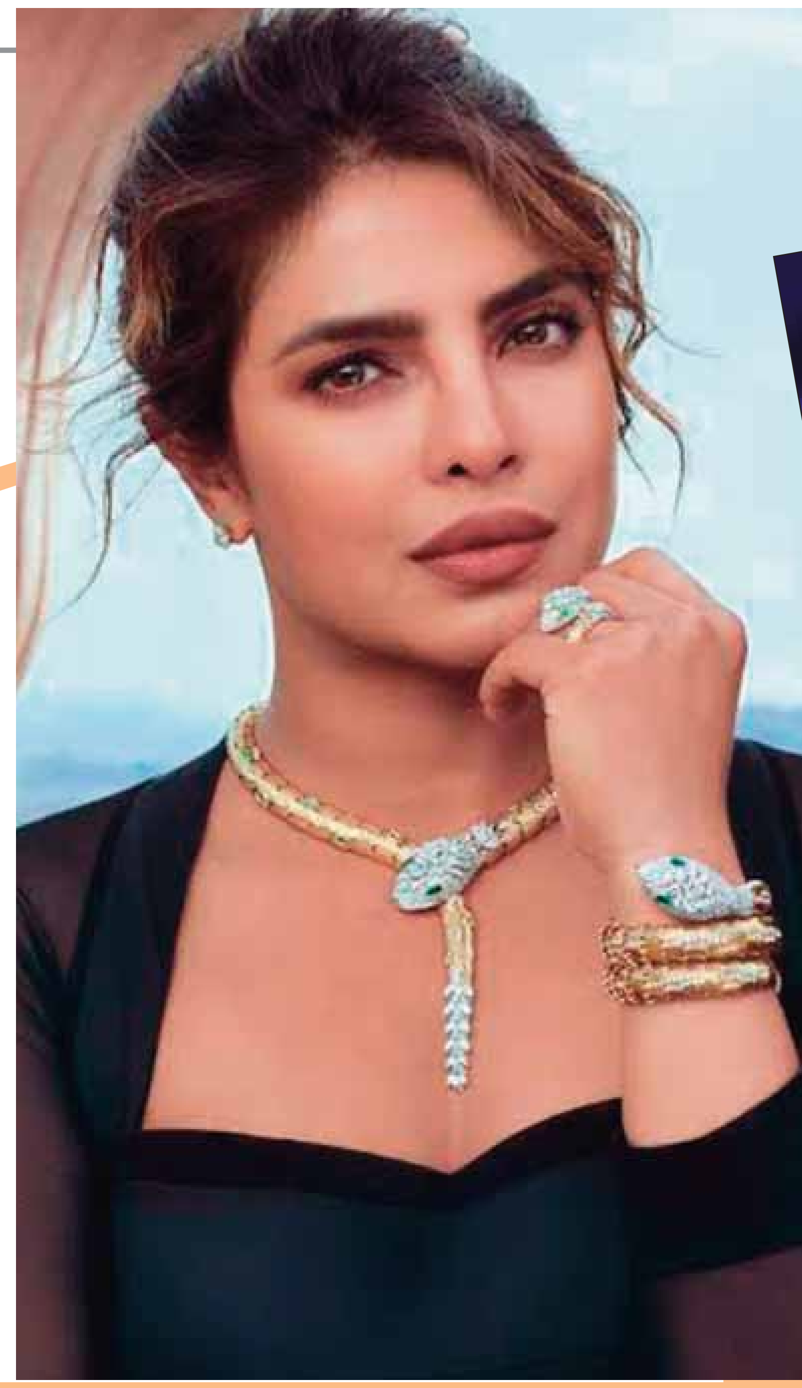

हॉलीवुड मसाला

भारत में कॉन्सर्ट पर लगाई मुहर

लॉस एंजिल्स। भारतीय फैंस को जिस पल का बेसब्री से इंतजार था, वो जल्द ही खत्म होने वाला है। मशहूर रैपर कान्ये वेस्ट ने अपने भारत दौरे की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। उनका कॉन्सर्ट दिल्ली में आयोजित होगा। पहले 'ये लाइव इन इंडिया' टूर का आयोजन 29 मार्च, 2026 को होना था, लेकिन बाद में इसे स्थगित कर दिया गया। अब रैपर ने एक आधिकारिक पोस्ट जारी करते हुए कॉन्सर्ट की तारीख और जगह का पता बता दिया है। ग्रैमी पुरस्कार विजेता कलाकार का 'ये लाइव इन इंडिया' टूर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा।

माइकल की बायोपिक का अभी अंत नहीं...

लॉस एंजिल्स। 'किंग ऑफ पॉप' के नाम से प्रख्यात माइकल जैक्सन की जिंदगी पर बायोपिक 'माइकल' बनाई गई है। 24 अप्रैल को यह सिनेमाघरों का रुख करने के लिए और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने आ चुकी है। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार, जब दर्शन बायोपिक देखने सिनेमाघर पहुंचेंगे तो उन्हें एक तोहफा मिलेगा। यह तोहफा फिल्म के सीक्वल को लेकर है, क्योंकि फिल्म के अंत में इसका संकेत दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, माइकल के जीवन के एक निर्णायक मोड़ पर फिल्म का अंत होता है। स्क्रीन पर 'उनकी कहानी जारी है' लिखा दिखाई देता है, जिससे संकेत मिलता है कि सीक्वल को जल्द लाया जाएगा। 'माइकल' की रिलीज से पहले, द हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में लायंसगेट मोशन पिक्चर ग्रुप के अध्यक्ष एडम फोगेलसन ने कहा था, पहली फिल्म माइकल जैक्सन की पूरी कहानी बताने में नाकाम रही है।

अल्लू की 'राका' में कम हुआ रोल...

मुंबई। अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' अपने ऐलान के बाद से चर्चाओं में बनी हुई है। कुछ दिन पहले निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता की पहली झलक जारी की जिसने लोगों को और उत्साहित कर दिया। हाल ही में खबरें आईं कि फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहीं दीपिका पादुकोण की भूमिका को कम किया गया है। इसका कारण उनकी प्रेग्नेंसी को बताया गया, लेकिन इन चर्चाओं पर खुद 'राका' निर्माताओं ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। निर्माताओं ने एक बयान में उन्होंने पुष्टि की, सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और शूटिंग सेट पर भरपूर जोश के साथ सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है। बता दें, दीपिका ने 19 अप्रैल को अपने पति रणवीर सिंह के साथ अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था।

'है जवानी तो इश्क...' से जारी हुआ गाना

मुंबई। वरुण धवन 24 अप्रैल, 2026 को 38 साल के पूरे हो गए हैं। इस खास अवसर पर उन्होंने फैंस को एक खास तोहफा दिया है जो उनकी आगामी फिल्म 'है जावनी तो इश्क होना है' से जुड़ा हुआ है। दरअसल फिल्म का नया गाना 'वाओ' जारी हुआ है जो जोशीले संगीत के साथ बिल्कुल पार्टी वाली वाइब देता है। गाने में वरुण, माइकल जैक्शन स्टाइल में धमाकेदार डांस कर रहे हैं। उनके साथ मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी हैं। यूट्यूब पर जारी हुए इस गाने को पंजाबी गायक हार्डी संधू ने आवाज दी है। उनका साथ किरण बाजवा ने दिया है। तनिष्क बख्शी और परम राज ने संगीत दिया है, जबकि बोल रोनी अजनाली और गिल मछराई ने लिखे हैं। 'व्याह करावादो जी' की सफलता के बाद, फिल्म का यह दूसरा गाना है जिसने आते ही फैंस का दिल जीत लिया।

टीवी मसाला

किस्मत ने ली करवट! शूटिंग देखने गईं थीं और बन गईं एक्ट्रेस...

मुंबई। जब दूरदर्शन में 'महाभारत' सीरियल शुरू हुआ था, तब इसकी लोकप्रियता ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। बहुत लोग इसकी शूटिंग देखने के लिए भी इकट्ठे हुए थे। शूटिंग देखने वाली इसी भीड़ में एक लड़की भी खड़ी थी वर्षा उसगांवकर, लेकिन उन्हें ये नहीं पता था कि शूटिंग देखना उनकी किस्मत बदलकर रख देगा। वर्षा जब शूटिंग देखने गयी थीं, तभी सीरियल में शकुनि मामा का किरदार निभाने वाले गुफी पेंटल की नजर उन पर पड़ी और वर्षा उसगांवकर के चेहरे की मासूमियत देखकर उन्होंने उन्हें महाभारत की महत्वपूर्ण पात्र 'उत्तरा' का रोल ऑफर कर दिया। वर्षा उसगांवकर की स्टोरी किसी फिल्म या परीकथा जैसी है। उनका तो एक्ट्रेस बनने का कोई इरादा भी नहीं था। हालांकि, वर्षा उसगांवकर के पिता चाहते थे कि उनकी बेटी इस ऐतिहासिक सीरियल का हिस्सा बने, लेकिन वर्षा ने इसके लिए कभी औपचारिक ऑडिशन नहीं दिया और न ही कभी कोशिश की। दिलचस्प बात यह है कि महाभारत शुरू होने के एक साल बाद, वर्षा अपने परिवार के साथ शूटिंग देखने के लिए सिर्फ एक दर्शक के तौर पर सेट पर गई थीं। उस समय वहां युवा अभिमन्यु का ट्रैक दिखाया जा रहा था। सीरियल के मेकर्स उत्तरा का किरदार निभाने के लिए एक नए चेहरे की तलाश में थे।

शकुनि मामा ने पूछा- क्या तुम किरदार निभाओगी : तभी सीरियल में मामा शकुनि का रोल निभाने वाले गुफी पेंटल की नजर दर्शक के तौर पर वहां पहुंची वर्षा पर पड़ी। गुफी ने उनसे पूछा कि क्या वह यह किरदार निभाना चाहेंगी। वर्षा के माता-पिता तो पहले से यही चाहते थे, वो तुरंत मान गए और बिना किसी स्क्रीन टेस्ट के वर्षा को यह बड़ा ब्रेक मिल गया।

रातोंरात बदल गयी किस्मत : महाभारत में 'उत्तरा' का रोल मिलने के बाद वर्षा की किस्मत रातोंरात बदल गई। वर्षा को फिल्मों में भी ऑफर मिलने लगा। उन्होंने "तिरंगा", "हनीमून" और "घर आया मेरा परदेसी" जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम किया और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बनाई।

जावेद डांस रियलिटी शो में बनेंगे जज

मुंबई। अभिनेता जावेद जाफरी एक बार फिर टीवी की दुनिया में लौट रहे हैं। सोनी टीवी ने अपने चर्चित डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' का प्रोमो जारी किया है, जिसमें अभिनेता को जज की कुर्सी संभालते देखा जाएगा। शो की थीम "इंडिया वाला डांस" होगी, जिसके जरिए प्रतियोगी देशभर की विविध नृत्य शैलियों को पेश करेंगे। जाहिर है कि जावेद 1996 में आए लोकप्रिय डांस शो 'बूगी वूगी' में जज रह चुके हैं। 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के प्रोमो में जावेद कहते हैं, कभी सोचा है कि स्टेज 30 बाय 30 के स्टेज पर, क्या 140 करोड़ लोग नाच सकते हैं? बिल्कुल नाच सकते हैं। इंडियाज बेस्ट डांसर के स्टेज पर होगा 'इंडिया वाला डांस'। ऐसे में सारा इंडिया नाचेगा। उनके साथ करिश्मा कपूर और गीता कपूर भी बतौर जज दिखेंगे। शो का प्रीमियर 9 मई को होगा।

'कैप्टन इंडिया' से देशभक्ति का संदेश देने आएंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई। कार्तिक आर्यन के फैंस के लिए साल 2027 काफी खास होने वाला है। एक तरफ करण जौहर के साथ उनकी चर्चित फिल्म 'नागजिला' वैलेंटाइन सप्ताह में दर्शकों का दिल जीतने आएगी। वहीं दूसरी तरफ अभिनेता की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कैप्टन इंडिया' पर एक बड़ी खुशखबरी आ गई है। बता दें, इस फिल्म का ऐलान 5 साल पहले किया गया था और तब से फैंस इसपर अपडेट पाने के लिए उत्साहित थे। आखिरकार निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख बता दी है।

स्वतंत्रता दिवस पर होगी रिलीज

'चक दे! इंडिया' और 'रॉकेट सिंह: सेल्समैन ऑफ द ईयर' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर शिमित अमीन ने 'कैप्टन इंडिया' के निर्देशन की जिम्मेदारी उठाई है। फिल्म की रिलीज तारीख तय हो गई है और यह 13 अगस्त, 2027 को स्वतंत्रता दिवस सप्ताहांत में रिलीज होगी। इसे टी-सीरीज और बावेजा स्टूडियो द्वारा मिडनाइट चाय फिल्म्स लिमिटेड के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है।

'रामायण' से 'वाराणसी' तक, दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने आ रहीं ये पौराणिक फिल्में

मुंबई। भारतीय सिनेमा में पौराणिक फिल्मों का हमेशा से एक विशेष महत्व रहा है। चाहे साल 1975 में बनी बेहद सफल फिल्म 'जय संतोषी मां' हो, या फिर 2023 में रिलीज प्रभास की 'आदिपुरुष' हो। इन फिल्मों के जरिए फिल्मी पर्दे पर हमेशा धार्मिक गाथाओं का चित्रण किया जाता रहा है। आने वाले समय में कई और पौराणिक फिल्में सिनेमाघरों का रुख करेंगी, जिन्होंने अभी से चर्चा बटोरनी शुरू कर दी हैं। चलिए जानें ऐसी ही कुछ फिल्मों के बारे में।

'रामायण' : रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' वर्तमान की सबसे चर्चित पौराणिक फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अभिनेता मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का किरदार निभा रहे हैं। साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं, जबकि रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखेंगे। रावण का किरदार साउथ अभिनेता यश को निभाते हुए देखा जाएगा। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 भागों में तैयार हुई है। इसकी पहली कड़ी दिवाली, 2026 में और दूसरी कड़ी दिवाली, 2027 में रिलीज होगी।

'वाराणसी' और 'जय हनुमान' : एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' 7 अप्रैल, 2027 को रिलीज होने वाली है। महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत यह फिल्म शिव भक्त के जीवन पर आधारित है। इसकी कहानी भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित बताई जाती है। 'कांतारा' जैसी ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइजी देने के बाद, ऋषभ शेट्टी 'जय हनुमान' को लेकर चर्चा में हैं, जो 2024 की सुपरहिट फिल्म 'हनु-मान' का सीक्वल है। इसका निर्माण प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स के बैनर तले किया जा रहा है।

'महावतार', 'नागबंधम' और 'कृष्णावतारम' : चिरंजीवी परशुराम पर केंद्रित फिल्म 'महावतार' भी चर्चा में हैं, जिसमें विक्की कौशल मुख्य किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म भगवान विष्णु के छठे अवतार की कहानी दर्शाएगी। दूसरी ओर दक्षिण भारतीय पौराणिक कथाओं पर आधारित 'नागबंधम' जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसकी कहानी प्राचीन रहस्यों और छिपे हुए खजानों पर केंद्रित है। मई, 2026 में 'कृष्णावतारम' भी रिलीज हो रही है, जो भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और महाभारत के युद्ध पर आधारित एक पौराणिक कहानी है।

'है जवानी तो इश्क होना है' 22 मई को सिनेमाघरों का करेगी रुख

इस साल बॉक्स ऑफिस पर टकराने के लिए तैयार हैं कई फिल्में, होगा महा-मुकाबला

मुंबई। भारतीय बॉक्स ऑफिस आने वाले दिनों में कई बड़े महाक्लैश देखने को मिलने वाले हैं। इनमें रितेश देशमुख से लेकर वरुण धवन तक कई बड़े सितारों की बहुप्रतीक्षित फिल्में शामिल हैं जो एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देंगी। दिलचस्प बात यह है कि फिल्मों के बीच का ये महा-मुकाबला अगले महीने, यानी मई से शुरू होने वाला है। चलिए डालते हैं एक नजर उन्हीं फिल्मों पर जो बॉक्स ऑफिस पर टकराने के लिए अपनी कमर को कस चुकी हैं।

'राजा शिवाजी' और 'एक दिन'

रितेश और जेनेलिया डिसूजा अपनी ड्रीम फिल्म 'राजा शिवाजी' 1 मई को लेकर आ रहे हैं। मराठा वीर योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित यह फिल्म 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। यह फिल्म इतिहास के गुजरे पलों को एक बार फिर परदे पर प्रस्तुत करेगी। इससे सामना करने जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' बॉक्स ऑफिस के मैदान में उतरेगी। आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा निर्मित यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है।

'है जवानी तो इश्क होना है' 'चांद मेरा दिल' और 'बंदर'

वरुण, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े अभिनीत रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' 22 मई को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इस फिल्म की कहानी लव ट्रायंगल पर आधारित है, जो दर्शकों का मनोरंजन करने का पूरा वादा करती है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी 'चांद मेरा दिल' भी इसी दिन रिलीज होगी। इसमें अनन्या पांडे और लक्ष्य मुख्य किरदार में हैं। इसके अलावा, बॉबी देओल की क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'बंदर' भी 22 मई को सिनेमाघरें में उतरेगी।

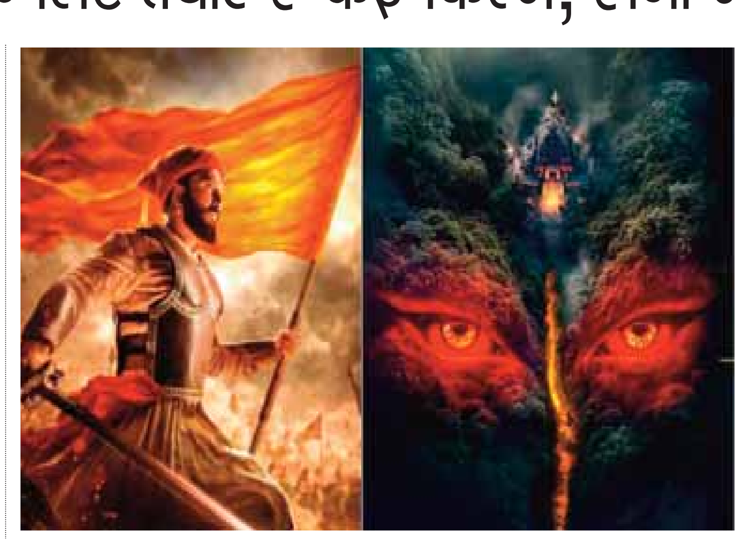

'आवारापन 2' और 'लाहौर 1947'

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आवारापन 2' भी इस साल दर्शकों का मनोरंजन करने आ रही है। फिल्म की रिलीज तारीख 14 अगस्त है, जिसका ऐलान कुछ दिन पहले ही किया गया था। इसमें इमरान के साथ दिशा पाटनी नजर आएंगी। यह 2007 में आई 'आवारापन' की सीक्वल है। इसके साथ सनी देओल की 'लाहौर 1947' टकराएगी जिसे 13 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित इस पीरियड ड्रामा में प्रीति जिंटा और शबाना आजमी भी हैं।

'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' और 'खोसला का घोसला 2'

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की चर्चित फिल्म 'वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' 28 अगस्त को रिलीज होगी। यह एक पौराणिक लोक-थ्रिलर फिल्म है, जिसकी कहानी बिहार की लोककथाओं और जंगलों के रहस्यों पर आधारित है। फिल्म का निर्माण एकता कपूर ने किया है। 2006 में आई कॉमेडी फिल्म 'खोसला का घोसला' अपने सीक्वल के साथ इसी दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, रणवीर शौरी समेत पिछले सभी पुराने चेहरे वापसी करेंगे।

पहले ही महीने में मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने स्थापित किए उत्कृष्टता के नए मानक

92.03% उपलब्धता और 80.65% लोड फैक्टर के साथ विश्वसनीयता का परिचय

नए वित्तीय वर्ष की दमदार शुरुआत: संजय गांधी ताप विद्युत गृह की यूनिट नंबर 2 ने दर्ज किया 100 दिनों का निर्बाध उत्पादन

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत एक नई ऊर्जा, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के साथ करते हुए अपने प्रदर्शन की नई इबारत लिखनी प्रारंभ कर दी है। कंपनी की उत्पादन इकाइयों ने न केवल सतत एवं विश्वसनीय विद्युत उत्पादन की प्रतिबद्धता को दोहराया है, बल्कि वित्तीय वर्ष के पहले ही महीने में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित कर यह सिद्ध कर दिया है कि कंपनी निरंतर प्रगति और रिकॉर्ड स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। इसी क्रम में संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर की 210 मेगावाट क्षमता की यूनिट नंबर 2 ने 24 अप्रैल 2026 को लगातार 100 दिनों तक निर्बाध विद्युत उत्पादन कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह इकाई 14 जनवरी 2026 से सतत संचालन में है और इस अवधि के दौरान इसके प्रदर्शन ने तकनीकी दक्षता और परिचालन उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित किए हैं।

जबलपुर। विश्वसनीयता के रिपोर्ट कार्ड में अव्वल- इस उपलब्धि के दौरान इकाई ने 92.03 प्रतिशत का प्लांट उपलब्धता कारक एवं 80.65 प्रतिशत का प्लांट लोड फैक्टर बनाए रखते हुए अव्वल स्तर की विश्वसनीयता और दक्षता का प्रदर्शन किया है। ये आंकड़े न केवल इकाई की तकनीकी सुदृढ़ता को दर्शाते हैं, बल्कि संचालन, अनुरक्षण एवं सहयोगी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय और टीमवर्क का भी सशक्त प्रमाण हैं।

उपलब्धियों से सशक्त हो रही विश्वसनीयता-कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर संपूर्ण टीम को हार्दिक बधाई देते हुए उनके समर्पण, अनुशासन और पेशेवर दक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां हमारे उद्देश्य को और अधिक सुदृढ़ बनाती हैं और राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में कंपनी की विश्वसनीयता को और अधिक सशक्त करती हैं। उन्होंने टीम को भविष्य में भी इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ नए कीर्तिमान स्थापित करने हेतु प्रेरित किया।

डायरेक्टर टेक्निकल सुबोध निगम ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह के कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) एच. के. त्रिपाठी एवं उनकी संपूर्ण टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विद्युत गृह के कार्मिकों एवं ठेका श्रमिकों की प्रतिबद्धता, मेहनत और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिससे कंपनी को गर्व की अनुभूति होती है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम माह में ही इस प्रकार की उपलब्धि यह स्पष्ट संकेत है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की कार्यप्रणाली में अब एक नई ऊर्जा का प्रवाह हो रहा है जिसका सृजन कार्मिकों की प्रतिबद्धता, काबिलियत और कर्मठता के द्वारा हो रहा है। मध्यप्रदेश पावर कंपनी आगामी समय में भी उत्पादन, विश्वसनीयता और दक्षता के नए मानक स्थापित करते हुए प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में निःसंदेह अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

हाईकोर्ट विधिक सेवा समिति का आयोजन

केंद्रीय कारागार में लगा स्वास्थ्य व विधिक साक्षरता शिविर

जबलपुर। हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष हाई कोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल के मार्गदर्शन में केंद्रीय कारागार में वृहद स्वास्थ्य व विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसी के साथ न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल ने बंदियों को विधिक सहायता संबंधी जानकारी दी गई। बेहतर स्वास्थ्य व उनके प्रकरणों के निराकरण हेतु समय पर उचित कार्यवाही करने, बंदियों को मिलने वाली माफी की जानकारी से बंदियों को अवगत कराने व नियमानुसार बंदियों को माफी का लाभ दिए जाने निर्देशित किया गया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मेडिकल कालेज से आए हुए जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, स्किन व वीडी, स्त्री रोग, ईएनटी, डेन्टल, न्यूरोलाजी, मनोरोग, अस्थिरोग, शिशुरोग, अंकोलाजी, नेफ्रोलाजी विभाग के चिकित्सको द्वारा जेल में परिरूद्ध कुल 265 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया व उनके उपचार हेतु जरूरी दवाईयों का वितरण भी किया गया। जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर, उप जेल अधीक्षक मदन कमलेश, उप जेल अधिक्षक रूपाली मिश्रा व सहायक जेल अधीक्षक अंजू मिश्रा का सहयोग रहा। संचालन सहायक जेल अधीक्षक हिमांशु तिवारी ने किया।

हाईकोर्ट का आदेश

साकेत नगर पार्क से क्रिकेट एकेडमी हटाने पर रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने साकेत नगर पार्क में स्थिति क्रिकेट एकेडमी हटाने पर रोक लगा दी। जस्टिस संजीव कालगांवकर की सिंगल बेंच ने साफ किया कि वहां सिर्फ कालोनी के बच्चे ही खेलते हैं, इसलिए उसे अतिक्रमण नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्ता साकेत नगर युवा समिति की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि नगर निगम, जबलपुर के कार्यपालन यंत्री ने अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करते हुए क्रिकेट एकेडमी संचालन, नेट सहित अन्य मटेरियल हटाने का आदेश जारी कर दिया है। पूर्व में हाई कोर्ट ने निगमायुक्त को चार सप्ताह के भीतर अभ्यावेदन निराकरण करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद आदेश की मनमानी व्याख्या कर पार्क में क्रिकेट एकेडमी संचालन को अतिक्रमण करार देकर हटाने का आदेश दे दिया। जिससे व्यथित होकर हाई कोर्ट की शरण लेनी पड़ी।

भाजपा नेता पर जानलेवा हमला करने के आरोपियों को जमानत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस जीएस आहलूवालिया की सिंगल बेंच ने भाजपा नेता पवन पटेल पर जानलेवा हमला करने के आरोपियों आशीष सिंह व सोनू सिंह की जमानत अर्जी निरस्त कर दी। नरसिंहपुर निवासी आशीष व सोनू की ओर से जमानत अर्जी दायर की गई थी। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ आवाज उठाने पर पवन पर जानलेवा हमला किया था। इससे पवन को कई फ्रेक्चर हुए थे। इस मामले में पलोहा बाड़ा थाना में दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ था। दोनों आरोपी 6 अप्रैल से जेल में हैं। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता ने कुछ देर बहस करने के बाद जमानत अर्जी वापस ले ली।

रानी दुर्गावती विवि के कर्मचारियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने की मांग

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय शैक्षणेत्तर कर्मचारी संघ द्वारा 36 सूत्रीय मांगों के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया, जिसका निराकरण किये जाने का अनुरोध किया गया है। विगत 2.5 वर्षों से कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं को विश्वविद्यालय द्वारा निराकृत नहीं किया जा रहा है जिससे विश्वविद्यालय का सर्वहारावर्ग आक्रोशित है। जिसमें कर्मचारियों की अतिमहत्वपूर्ण मांगें हैं कि शासन द्वारा निरस्त किये गये 70 पदों को पुनः बहाल किया जाये। विगत पांच वर्षों से अनुकम्पा नियुक्ति नहीं की गई है जिसे अविलम्ब की जाये। सेवानिवृत्त हुये कर्मचारियों के स्वत्वों का भुगतान तत्काल किया जाये। वर्ष 2008 में नियमित किये गये समस्त कर्मचारियों को समयमान वेतनमान के अंतर राशि का भुगतान अविलम्ब किया जाये तथा कार्यपरिषद् के निर्णय अनुसार विश्वविद्यालय के समस्त स्थाई कर्मियों को समिति की अनुशंसानुसार नियमितीकरण के अविलंब आदेश जारी किये जायें।

उपरोक्त संबंध में अध्यक्ष संजय यादव, महासचिव अंकित श्रीवास सहित वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामसजीवन सोंधिया, वीरेन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव रोहित आर्या, कोषाध्यक्ष सौरभ पटेल, कार्यकारिणी सदस्य- दीपक पाण्डेय, प्रकाश चौबे, गणेश प्रसाद उनेहा, सनी यादव, रामशंकर द्विवेदी एवं पूर्व प्रांताध्यक्ष बंशबहोर पटेल, पूर्व अध्यक्ष बैसाखू सहित अनेक कर्मचारियों ने कुलसचिव को 36 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा है जिसका निराकरण यदि 20.05.2026 तक नहीं किया जाता है, तो कर्मचारी संघ कार्य का बहिष्कार आंदोलन करने हेतु बाध्य होगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की होगी।

94 हजार 940 क्विंटल गेहूं खरीदा गया

17 हजार 416 किसानों ने कराये स्लॉट बुक

जबलपुर। जिले में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं के उपार्जन की प्रारंभ हुई प्रक्रिया के तहत अभी तक 2 हजार 477 किसानों से 94 हजार 940 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है। फिलहाल किसानों से गेहूँ का उपार्जन 60 खरीदी केंद्रों के माध्यम से किया जा रहा है। जल्दी ही दस खरीदी केन्द्र और स्थापित किये जा रहे हैं। अभी तक 17 हजार 416 पंजीकृत किसानों द्वारा स्लॉट की बुकिंग कराई जा चुकी है। प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक सीमा बौरसिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने जिले के 50 हजार 788 किसानों द्वारा 82 हजार 135 हेक्टेयर भूमि का पंजीयन कराया गया था। कुल पंजीकृत किसानों में से अभी तक 34.29 प्रतिशत किसान स्लॉट बुक करा चुके हैं। किसानों की सुविधा को देखते हुए शनिवार 25 अप्रैल को भी स्लॉट की बुकिंग और खरीदी का कार्य चालू रहा। प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक के अनुसार उपार्जन के प्रारंभिक चरण में केवल 2 हेक्टेयर एवं उससे कम कृषि भूमिधारित करने वाले छोटे कृषकों के स्लॉट बुकिंग का प्रावधान किया गया है। प्रत्येक खरीदी केंद्र की स्लॉट बुकिंग की क्षमता भी बढ़ा दी गई है। प्रत्येक केंद्र पर अब प्रतिदिन 2 हजार 250 क्विंटल की क्षमता नियत कर दी गई है, ताकि अधिक से अधिक छोटे किसानों के स्लॉ्ट बुक हो सके। छोटे किसानों की स्लॉट बुकिंग पूर्ण होने पर शीघ्र ही मध्यम एवं बड़े किसानों के भी स्लॉट बुकिंग पोर्टल पर चालू हो जायेगी।

बड़े बकायादारों पर शिकंजा, एक दिन में 17 लाख से अधिक की वसूली

हरिभूमि, जबलपुर।

25 टीमों की कार्रवाई, 157 प्रकरण निपटाए, 5-6 साल पुराने बकाया भी वसूले, 15 मई तक चलेगा अभियान

शहर में वर्षों से लंबित बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ शनिवार को बिजली विभाग ने बड़ा अभियान चलाया। खास बात यह रही कि कार्रवाई उन उपभोक्ताओं पर केंद्रित रही, जिनके कनेक्शन बकाया न चुकाने के कारण वर्षों पहले ही स्थायी रूप से विच्छेदित (पीडी) कर दिए गए थे। इसके बावजूद विभाग को उनसे राशि वसूली में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

नगर वृत्त जबलपुर के अधीक्षण अभियंता संजय अरोरा के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान के तहत शहर के पांचों संभागों में लगभग 25 टीमों का गठन किया गया। लाइन स्टाफ और आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ मिलकर इन टीमों ने दिनभर सघन कार्रवाई करते हुए 157 प्रकरणों में 17 लाख रुपये से अधिक की वसूली की।

भ्रम में रहे उपभोक्ता

एसई अरोरा के अनुसार जिन उपभोक्ताओं से वसूली की गई, उनमें कई ऐसे मामले थे जिनके मीटर 5 से 6 वर्ष पूर्व ही निकाल लिए गए थे। ऐसे उपभोक्ताओं को यह भ्रम हो गया था कि विभाग अब उनके पुराने बकाया को लेकर सक्रिय नहीं है और खाता बंद होने के बाद उनसे राशि नहीं ली जाएगी।

सुनियोजित रणनीति आई काम

एसई अरोरा ने बताया कि विभाग ने इस बार तकनीक और फील्ड नेटवर्क का उपयोग करते हुए इन बकायादारों को चिन्हित किया और सीधे संपर्क कर बकाया राशि जमा कराई। अधिकारियों के अनुसार एक साथ इतने प्रकरणों में वसूली करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन सुनियोजित रणनीति से यह संभव हो सका।

सरचार्ज में छूट से मिली राहत

अभियान के दौरान उपभोक्ताओं को राहत भी दी गई। सभी बकायादारों को शासन की समाधान योजना के अंतर्गत चिन्हित किया गया, जिसके तहत सरचार्ज में भारी छूट प्रदान की गई। इससे उपभोक्ताओं को कम राशि में अपना पुराना बकाया चुकाने का अवसर मिला।

19 करोड़ रुपये की वसूली लंबित

बिजली विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान 15 मई तक लगातार जारी रहेगा। विभाग के अनुसार अभी भी लगभग 19 करोड़ रुपये की वसूली लंबित है। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस अवधि का लाभ उठाकर बकाया जमा करें और सरचार्ज में छूट का फायदा लें।

पारा 42.6 डिग्री पर, गर्मी के तेवर तीखे

सीजन का सर्वाधिक गर्म दिन रहा शनिवार

जबलपुर। उत्तर पश्चिमी हवाओं की रफ्तार तेज होने के कारण तापमान में उछाल आई है। शनिवार को पारा 42.6 डिग्री पर पहुंच गया। जो इस सीजन का सर्वाधिक तापमान रहा। गर्मी का प्रभाव पूरी तरह से बरकरार है। चारों तरफ गर्मी का असर देखा जा रहा है। दिन में धूप असहनीय होने लगी है। रात में भी पश्चिमी हवाओं की गर्माहट बनी रहती है। सूर्योदय से सूर्यास्त तक धूप की तपन तेज गर्मी का अहसास करा रही है। खास बात यह है कि हवाओं की तेज रफ्तार के कारण दिन का तापमान औसत से ऊपर है जबकि रात का तापमान औसत से 1 डिग्री नीचे चल रहा है। लेकिन मौसम शुष्क और हवा में नमी घटने के कारण गर्मी का तीखा प्रभाव बना हुआ है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान 42.06 डिग्री सेल्सियस पर रूक गया, जो समान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 23.04 डिग्री सेल्सियस पर पहुंय गया जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। हवा मे नमी प्रातःकाल 32 प्रतिशत और सायंकाल 23 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5 बजकर 40 मिनिट पर हुआ, जबकि सूर्यास्त सायं 6 बजकर 35 मिनिट पर हुआ। उत्तर पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। मौसम कार्यालय के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान जिले का मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 41.05 डिग्री ओर न्यूनतम तापमान 22.06 डिग्री रहा। प्रदेश में सर्वाधिक 43.9 डिग्री तापमान खजुराहो जिले में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में जनगणना प्रशिक्षण

जबलपुर। नगर निगम के 16 संभागों के लिए जनगणना कार्य हेतु 860 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अप्रैल 2026 से सफलतापूर्वक शुरू हो चुका है। यह प्रशिक्षण आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आई.टी.आई.) मढोताल के 20 विभिन्न कक्षों में आयोजित किया जा रहा है, जहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में इस पूरे कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। जनगणना कार्य की बारीकियों को सिखाने के लिए मास्टर ट्रेनर्स और सहायक प्राध्यापकों की टीम तैनात की गई है। इसमें प्रो. चंद्रशेखर राजहंस, मनोज नथानी और जनगणना निदेशालय से आए विशेषज्ञ शामिल हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नगर जनगणना अधिकारी मनोज श्रीवास्तव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। कार्य की महत्ता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सख्त है। प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर तुरंत संज्ञान लिया गया है ताकि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में कोई बाधा न आए और कार्य पूरी गंभीरता से संपन्न हो। यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसके बाद प्रशिक्षित टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गणना कार्य के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

मृतक रंजीत कोरी का जीवित अवस्था का चित्र।

करंट लगने से युवक की मौत पर लाश रखकर किया प्रदर्शन

जबलपुर। अमखेरा पानी की टंकी स्थित करंट लगने से युवक की मौत होने पर शनिवार सुबह परिजनों ने लाश रखकर किया चकाजाम और प्रदर्शन।

24 घंटे में बिजली पोलों से इंटरनेट फाइबर केबिल हटाने की चेतावनी

जबलपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर के शहर वृत्त कार्यालय ने निजी दूरसंचार कंपनियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। विद्युत खंभों पर अव्यवस्थित तरीके से जाल की तरह फैली केबलों को हटाने के लिए कंपनी ने अब अंतिम चेतावनी जारी की है। अधीक्षण अभियंता नगर वृत्त संजय अरोरा द्वारा इस संबंध में रिलायंस जियो डिजिटल फाइबर प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स भारती एयरटेल लिमिटेड को पृथक-पृथक पत्र जारी कर निर्देशित किया गया है। विभाग का कहना है कि इन कंपनियों द्वारा विद्युत खंभों का उपयोग टेलीफोन और इंटरनेट सेवाओं के लिए किया जा रहा है, लेकिन इसमें सुरक्षा मानकों और कंपनी के दिशा-निर्देशों का खुला उल्लंघन हो रहा है। श्री अरोरा ने स्पष्ट किया है कि 21 अप्रैल 2026 को हुई बैठक और पूर्व में जारी विभिन्न पत्रों के बावजूद धरातल पर केबलों को व्यवस्थित करने का कोई कार्य नहीं किया गया है। अब कंपनियों को केवल 24 घंटे का समय दिया गया है। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर विद्युत खंभों पर खींची गई केबलों को तय मापदंडों के अनुसार व्यवस्थित नहीं किया गया, तो विभाग स्वयं इन केबलों को खंभों से काटकर हटाने की कार्रवाई शुरू कर देगा। इस कार्रवाई के दौरान होने वाले किसी भी वित्तीय नुकसान या सेवा में व्यवधान के लिए संबंधित निजी कंपनियां ही पूरी तरह जिम्मेदार मानी जाएंगी।

भीषण गर्मी में सावधानी जरूरी विशेषज्ञों ने जारी की अहम सलाह

जबलपुर। तेज़ गर्मी के इस मौसम में सेहत का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों के अनुसार हीट वेब के दौरान लापरवाही गंभीर समस्याओं जैसे Heatstroke (लू लगना) और डिहाइड्रेशन का कारण बन सकती है।

किन चीजों से बचाव जरूरी है?

विशेषज्ञों का कहना है कि तेज धूप, ज्यादा मसालेदार भोजन और बाहर की अस्वच्छ चीजों से परहेज करें। खासकर दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बिना जरूरत बाहर निकलने से बचें, क्योंकि इस समय धूप सबसे ज्यादा तेज होती है।

कितना पानी पीना चाहिए?

गर्मी में शरीर में पानी की कमी न होने देना सबसे महत्वपूर्ण है। एक स्वस्थ व्यक्ति को रोजाना कम से कम 8 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। यदि आप ज्यादा पसीना बहाते हैं या बाहर काम करते हैं, तो पानी की मात्रा और बढ़ा दें। इसके अलावा नींबू पानी, नारियल पानी और ताजे फलों के जूस का सेवन भी फायदेमंद है।

धूप से कितना और कैसे बचाव करें?

धूप से बचने के लिए हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें, सिर को ढंकने के लिए टोपी या कपड़ा इस्तेमाल करें और आंखों की सुरक्षा के लिए सनग्लासेस पहनें। बाहर निकलते समय सनस्क्रीन लगाना भी जरूरी है ताकि त्वचा को नुकसान से बचाया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार संभव हो तो छायादार स्थानों पर रहें और समय-समय पर पानी पीते रहें।

लक्षण दिखने पर तुरंत सावधानी

यदि किसी को चक्कर आना, तेज सिरदर्द, उल्टी या शरीर का तापमान बढ़ना महसूस हो, तो तुरंत ठंडी जगह पर ले जाएं और पानी पिलाएं। यह लक्षण Heatstroke के हो सकते हैं, इसलिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

जनता से अपील

विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में जरूरी सावधानियां अपनाएं और खासकर बच्चों व बुजुर्गों का ध्यान रखें, ताकि किसी भी तरह की परेशानी से बचा जा सके।

डॉ. अजय वाधवानी
फ़ैमिली फिज़िशियन

30 अप्रेल को निकाली जाएगी विश्व शांति धम्म यात्रा

जबलपुर। बोधिसत्व डॉ. भीमराव आम्बेडकर संयुक्त जयंती महोत्सव समिति के तत्वावधान में 30 अप्रेल को विश्वगुरु तथागत गौतम बुद्ध की 2570वीं त्रिगुण पावन पूर्णिमा एवं जयंती के अवसर पर पूर्व संध्या पर शाम 05 बजे सिविक सेंटर से विश्व शांति धम्म यात्रा डॉ. आम्बेडकर चौक तक निकाली जाएगी। समस्त बौद्ध विहारों से उपस्थिति की अपील यादव राव मेश्राम, जेपी नन्हेट, धर्मशील चाटे, दीपक मेश्राम, सिद्धार्थ उरकुडे, दीपक वानखेड़े, वीरेन्द्र बौद्ध, विजय धावर्डे, चन्द्रकला ढोके, रेखा बालके, सुनीता शेंडे सहित अन्य ने की है।

श्री चित्रगुप्त जयंती पर पूजन, हवन, भंडारा व मां नर्मदा महाआरती सम्पन्न

जबलपुर। कायस्थ महासभा श्री चित्रगुप्त महाराज सेवा व महिला परिषद् फूटाताल द्वारा फूटाताल मंदिर में पूजा-अर्चना, भंडारा व सात बजे मां नर्मदा जी महाआरती सुश्री शोभा दीदी के सानिध्य में सम्पन्न हुई कार्यक्रम में आराध्य देव जी के पूजन, कथा चालीसा पाठ भी किया। कार्यक्रम में विनय सक्सेना, अमेन्द्रनारायण श्रीवास्तव, पियूष वर्मा, संतोष श्रीवास्तव, अखिलेश ब्यौहार, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, प्रमोद विवेक श्रीवास्तव, सचिन खरे, ज्योति खरे, सरोज खरे सहित बड़ी संख्या में चित्रांश बंधुओं की उपस्थिति रही।

नवोदित प्रतिभा सीख रही आत्मरक्षा के गुर

जबलपुर। मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, शालेय शिक्षा विभाग, क्रीड़ा भारती महानगर तथा जिला जूडो संघ के संयुक्त तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन जूडो प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ हुआ। ग्रीष्मकालीन इस शिविर में नवोदित प्रतिभाएं आत्मरक्षा के गुर सीख रहीं हैं।

जिला जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि गुप्ता के अनुसार इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। शिविर के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि रत्नेश सोनकर (नगर अध्यक्ष, भाजपा) द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पंकज दुबे (नगर महामंत्री, भाजपा), शुमायला अंजुम (अंतरराष्ट्रीय जूडो मेडलिस्ट) आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मालपानी स्कूल के प्राचार्य राजकुमार मिश्रा ने की। उपस्थित अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की ओर से पौधे दे कर किया गया।

आरोह कैलेंडर का पालन : जिला संघ के सचिव व वरिष्ठ जूडो कोच आबिद हुसैन खान ने बताया कि शिविर के दौरान खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए नवाचार 'आरोह-2026' कैलेंडर का पालन किया जाएगा। इसके अंतर्गत मई और जून माह के वीकेंड्स पर विशेष सत्र आयोजित होंगे, जिनमें फिट-इंडिया मूवमेंट, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक जागरूकता और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से खिलाड़ियों को मानसिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। यह खेल गतिविधियां निर्धारित समय तक निरंतर चलती रहेंगी।

शिविर के समापन के पश्चात एक जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा जिससे नवोदित खिलाड़ियों में छिपी प्रतिभा निखर सके। समारोह में उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि जूडो सिर्फ आत्मरक्षा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह अनुशासन सिखाने वाला एक वैश्विक खेल है। उन्होंने खिलाड़ियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल में भी पूरी निष्ठा से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

सशक्त हस्ताक्षर की 47वीं काव्य गोष्ठी सम्पन्न

आनंद और शांति देता है साहित्य

जबलपुर। साहित्य के क्षेत्र में क्रियाशील संस्था सशक्त हस्ताक्षर की 47वीं मासिक काव्य गोष्ठी नूतन मराठी स्कूल गोल बाजार में संपन्न हुई। अतिथि वक्ताओं ने कहा कि सार्थक साहित्य परहित के लिए समर्पित होता है। साहित्य से ही मन में आनंद और शांति का अनुभव होता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्रलाल साहू निर्विकार थे] जिन्हें सम्मानित भी किया गया। अध्यक्षता महामहोपाध्याय डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। विशिष्ठ अतिथि आचार्य विजय तिवारी, अरुण शुक्ल, विजय नेमा, संतोष नेमा, संगम त्रिपाठी रहे। इन्द्रसिंह राजपूत, विवेक गुप्ता ने कविताओं के महत्व पर प्रकाश डाला। सारस्वत अतिथि राजेश पाठक प्रवीण ने कहा कि साहित्य की विविध विधाओं में किया गया ऐसा सृजन जो समाज को बोध देने वाला होता है, वही सृजन सशक्त सृजन बन जाता है। अतिथियों का स्वागत शेखर शर्मा, महेश स्थापक, मंजू इंगले ने किया। द्वितीय सोपान में आयोजित काव्य गोष्ठी में प्रेमकुमार पालीवाल, अखिलेश खरे, लखनलाल रजक, अमरसिंह वर्मा, शिवानी भगत, कालीदास ताम्रकार, विजय सिन्हा, जय प्रकाश श्रीवास्तव, अभय तिवारी, दीनदयाल तिवारी, उर्मिला श्रीवास्तव, केशरी प्रसाद पाण्डेय, संजय पाण्डेय ने काव्य रस वर्षा की। संचालन गणेश श्रीवास्तव प्यासा, आभार प्रदर्शन मदन श्रीवास्तव ने किया।

श्री सांवरिया पार्श्वनाथ भगवान की आकर्षक मनोहरी प्रतिमाएं स्थापित

गढ़ानगर में ऐतिहासिक क्षण : नीरज नारद

जबलपुर। बड़ा जैन मंदिर गढ़ा में चल रहे युगल वेदी प्रतिष्ठा एवं कलशारोहण समारोह में आज बेदी शुद्धिकरण के बाद नवीन भव्य युगल वेदिका में नव प्रतिष्ठित 5 फीट ऊंची पद्मासन फणयुक्त 1008 श्री सांवरिया पार्श्वनाथ भगवान की अति आकर्षक मनोहरी प्रतिमाओं का मंगल विहार भव्य उच्चासन की ओर हुआ। मीडिया प्रभारी नीरज नारद ने बताया कि आज सभी प्रतिमाओं को विराजमान करने का शुभ अवसर आया है, श्री भक्तांबर मंडल विधान एवं सभी धार्मिक अनुष्ठानों की क्रियाएं संपूर्ण विधि-विधान से संपन्न होने के उपरांत यह इतिहास रचने की शुभ घड़ी आई है, जो पीढ़ियों तक स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगी एवं सदा-सदा के लिए यह क्षण अविस्मरणीय रहेंगे। बाल ब्रह्मचारी प्रतिष्ठाचार्य नरेश भैया के दिशा निर्देशन में शुभ मुहूर्त में 108 निर्दोष सागर महाराज, 108 निर्लोभ सागर महाराज, 108 निरुपम सागर महाराज के पावन सान्निध्य में रिद्धि-सिद्धि दायक मंत्रोचार के साथ ही विशाल पाषाण जिनबिम्ब फूल की तरह सदा के लिए सर्वोच्च आसन पर विराजित हो गए। इसके पूर्व नित्य कार्यक्रम में प्रातः अभिषेक पूजन एवं महाराज श्री के प्रवचन हुए जिसमें भारी संख्या में धर्मावलंबियों ने पुण्य लाभ लिया। कार्यक्रम में राजेश मोदी, बबलू भैया का भी विशेष सहयोग रहा।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद का ग्रीष्म कालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 1 मई से

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 31 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 1 मई से रामपुर स्थित पाण्डुताल मैदान में किया गया है। इस शिविर में विद्युत कंपनियों के कार्मिकों के बच्चों के अलावा उनके आश्रित बच्चे भी भाग ले सकेंगे। शिविर में 13 खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पारम्परिक खेलों के अतिरिक्त शूटिंग व एरोबिक्स की प्रशक्षिण देने की व्यवस्था की गई है। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव महासचिव एफके मेश्राम ने जानकारी दी है कि नगर के सबसे बड़े ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने वाले इस शिविर में बालक व बालिकाओं के लिए क्रिकेट, फुटबाल, हाकी, बैडमिंटन, टेबिल टेनिस, लान टेनिस (8 से 16 वर्ष), वालीबाल (10 से 16 वर्ष), शरीर सौष्ठव एवं फिजिकल फिटनेस (12 से 16 वर्ष), स्केटिंग (8 से 14 वर्ष) एवं मार्शल आर्ट ताईक्वान-डो (16 वर्ष आयु तक) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कुश्ती में 8 से 16 वर्ष आयु तक के बालक वर्ग को प्रशक्षिण देने की व्यवस्था की गई है। शूटिंग प्रशिक्षण में 10 वर्ष से आयु से अधकि के बालक व बालिका और एरोबिक्स में 10 वर्ष से अधकि आयु की बालिकाएं प्रशक्षिण ले सकेंगी। शर्विर में योग का प्रशक्षिण देने की पृथक से व्यवस्था की गई है। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के वरिष्ठ एवं अनुभवी प्रशिक्षक अपनी सेवायें देंगे। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के इच्छुक बच्चे निर्धारित प्रपत्र पाण्डुताल मैदान के निकट मशाल परिसर स्थित केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के कार्यालय से प्रातः 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक प्राप्त कर अपनी प्रविष्टि दे सकते हैं।

महाकौशल महाविद्यालय में साहित्यिक गरिमा के साथ हुआ पुस्तक विमोचन

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकौशल महाविद्यालय, जबलपुर में पूर्व अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा जबलपुर संभाग प्रो. के.एल. जैन की द्वितीय पुस्तक "जीवन का सारांश" का गरिमामय विमोचन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रो. जैन ने अपने 42 वर्षों के समृद्ध प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अनुभव साझा करते हुए जीवन में सही निर्णय, मूल्यों की प्रासंगिकता और व्यक्तित्व निर्माण के महत्वपूर्ण आयामों पर विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. संतोष जाटव, पूर्व अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा एवं प्रो. पंजाबराव चंदेलकर, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा, जबलपुर संभाग उपस्थित रहे। स्वामी विवेकानंद कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ के संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल की उपस्थिति रही। आयोजन में प्रो. सर्वेश ताम्रकार, डॉ. प्रतिभा कुमार, डॉ. समता नायडू, डॉ. पुष्पा तनेजा, डॉ. जागेश्वर प्रजापति, डॉ. रविश तमन्ना ताजिर एवं डॉ. ज्योति जुनगरे की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में शरद चंद पालन, डॉ. संध्या जैन (श्रुति), डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, पं. राजेश दुबे, वरिष्ठ साहित्यकार राज सागरी, वरिष्ठ व्यंग्यकार सुरेश मिश्र 'विचित्र', डॉ. राजेश श्यामकुंवर, डॉ. शैलप्रभा कोष्टा, वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य उमाशंकर दुबे, अशोक जैन, राजेन्द्र मिश्र एवं चन्द्रकांत जैन की गरिमामय उपस्थिति रही। संध्या जैन एवं श्रुति द्वारा पुस्तक समीक्षा प्रस्तुत की गई, जबकि राज सागरी एवं 'विचित्र' ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। मौलिक अमित जैन ने प्रभावशाली कविता पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तृप्ति उकास, हिंदी विभाग द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. आनंद सिंह राणा ने किया। बड़ी संख्या में साहित्यकारों एवं प्राध्यापकों की उपस्थिति ने आयोजन को सफल बनाया।

सीता नवमी पर सिद्ध मंच गढ़ा में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन सम्पन्न

जबलपुर। सिद्ध मंच गढ़ा रामलीला मैदान में शनिवार, 25 अप्रैल 2026 को सीता

नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ हुआ, जिसमें सुंदरकांड पाठ एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया।

प्रातः 10 बजे से सीताराम सहस्त्र अर्चन एवं हवन-शांति कार्यक्रम का आयोजन परम पूज्य जगद्गुरु नरसिंहदेवाचार्य के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस पावन अनुष्ठान को पंडित धनेन्द्र तिवारी, संदीप तिवारी एवं आनंद मिश्रा ने विधि-विधान से संपन्न कराया। कार्यक्रम में समिति के संयोजक अशोक मनोध्याय, अध्यक्ष राकेश पाठक, महामंत्री लोकराम कोरी, निर्देशक राजेश मिश्रा सहित राजेन्द्र प्यासी, उमाशंकर मिश्रा, केदारनाथ शर्मा, विजय नेमा, कैलाश नेमा, गणपत कैष्टा, देवेन्द्र मनोध्याय, अजय तिवारी, संजय नेमा, हनुमंत सिंह रघुवंशी, प्रमोद तिवारी, विद्या केवट एवं संजय तिवारी सहित समिति के समस्त पदाधिकारी, स्थायी एवं आजीवन सदस्य उपस्थित रहे। सभी श्रद्धालुओं ने माता सीता का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा और श्रद्धालुओं में विशेष

श्री बालकृष्ण गुप्ता का निधन

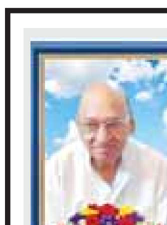

89 वर्षीय श्री बालकृष्ण गुप्ता का देहावसान 25 अप्रेल को दोपहर 2.30 बजे हो गया है। उनकी अंतिम यात्रा मकान नंबर 430 सेक्टर-15 फरीदाबाद से अजरौंदा विश्राम घाट फरीदाबाद के लिए 26 अप्रेल को पूर्वान्ह 11 बजे प्रस्थान करेगी। श्री बालकृष्ण गुप्ता अपने पीछे कमल गुप्ता पत्नी, रजत गुप्ता पुत्र, संगीता गुप्ता पुत्रवधु, डॉ. रश्मि गुप्ता पुत्री तथा पोते-पोतियां धेवते, धेवतियां अनमोल गुप्ता, पलक गुप्ता, अक्षत गुप्ता, अंशिका गुप्ता, रिया गुप्ता, अबीर गुप्ता से भरापूरा परिवार छोड़ गए।

श्रीमती सुमित्रा प्रसाद- सैनिक सोसायटी शक्तिनगर निवासी श्री ध्रुव नारायण प्रसाद की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा प्रसाद (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती संदीप कौर कोहली- जय भीम नगर पोलीपाथर निवासी श्री अंकुश कोहली की धर्मपत्नी श्रीमती संदीप कौर कोहली (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

सुश्री गुलाब बाई शुक्ला- निर्भय नगर अधारताल निवासी श्री सीताराम शुक्ला की पुत्री सुश्री गुलाब बाई शुक्ला (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री लक्ष्मण दास मोटवानी- द्वारका नगर लालमाटी निवासी श्री लक्ष्मण दास मोटवानी (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कमला पटेल- एमएलबी स्कूल के पीछे राइट टाउन निवासी श्री बाल किशन पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती कमला पटेल (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रितु ग्रोवर- इंद्रपुरी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री सतीश चंद्र ग्रोवर की धर्मपत्नी श्रीमती रितु ग्रोवर (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कपिल सोनी- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री नारायण सोनी के पुत्र श्री कपिल सोनी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री ममता राय- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री सत्य नारायण राय की पुत्री सुश्री ममता राय (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सुशीला अहिरवार- रामपुर पानी की टंकी के पास निवासी श्री छोटे लाल अहिरवार की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला अहिरवार (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती केसर बाई- संजय गांधी नगर सदर केंट निवासी श्री भुनेश्वर की धर्मपत्नी श्रीमती केसर बाई (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

श्री असीम दुबे- शक्ति विहार कॉलोनी थाने के पीछे खमरिया निवासी श्री राम प्रकाश दुबे के पुत्र श्री असीम दुबे (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री तुलसीराम चौधरी- रानी दुर्गावती नगर फेस 2, तिलहरी निवासी श्री तुलसीराम चौधरी (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

कु. खुशी अग्रवाल- हटा दमोह निवासी श्री पंकज अग्रवाल की पुत्री कु. खुशी अग्रवाल (19) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आदित्य नामदेव- किंग्सवे कैंट सदर निवासी श्री आशीष नामदेव के पुत्र श्री आदित्य नामदेव (21) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मोक्षधाम में किया गया।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 4x5 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 4x5 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 4x8 से मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303308294, 9407362100

हवन उपरांत भव्य महाआरती, दीपों की ज्योति और जयघोषों से गूंजा छोटा फुहारा

हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति, दिव्य माहौल में गूंजा "जय श्री राम", भक्ति, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम

जबलपुर। छोटा फुहारा स्थित सार्वजनिक शिव मंदिर, सूजी मोहल्ला में आयोजन समिति के संरक्षक एवं पूर्व महापौर प्रभात साहू के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित "श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव" के अंतर्गत हवन उपरांत सायंकाल भव्य महाआरती अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुई।

हवन पूर्णाहुति के पश्चात प्रारंभ हुई महाआरती में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को विशाल रूप प्रदान किया। दीपों की उज्जवल आभा, शंखनाद की गूंज और "जय श्री राम" के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर एवं आसपास का क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्जवलित कर भगवान श्री राम के समक्ष आराधना की और सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना की।

मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा एवं पुष्प सज्जा से विशेष रूप से सजाया गया था, जिसने आयोजन की दिव्यता को और अधिक बढ़ा दिया। भक्ति संगीत, मंत्रोच्चार एवं सामूहिक आरती ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से अभिभूत कर दिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक विनय सक्सेना, भाजपा उपाध्यक्ष राजेश मिश्रा, श्रीराम शुक्ला, अतुल नरेश बाजपेई, डॉ. दीपक साहू, सविता साहू, अमित राय, वीरेंद्र साहू, साहिल यादव, पंकज राय, शिवराम बैन सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने भगवान श्री राम के दरबार में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रवीण साहू ने बताया कि श्रद्धालुओं के उत्साह एवं सहयोग से महाआरती भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों एवं रामभक्तों का आभार व्यक्त करते हुए महोत्सव के अंतिम दिवस आयोजित होने वाले प्रसाद वितरण एवं समापन कार्यक्रम में भी अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की। उल्लेखनीय है कि यह चार दिवसीय "श्री राम दरबार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव" क्षेत्र में धार्मिक जागरण एवं सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है।

इस अवसर पर सविता साहू, प्रणव साहू, विप्लव साहू, वेदांत साहू, रुद्रांश साहू, महेंद्र रैकवार, राकेश चौरसिया, राजेश कोष्ठा, रोहित जायसवाल, अभिनन्दन जायसवाल, यश साहू, राजा कोष्ठा, सेलू कोष्ठा, राजेश जायसवाल एवं राहुल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

डेयरी से 26 हजार गांवों को जोड़ने और प्रतिदिन 52 लाख किग्रा दुग्ध संकलन का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन की अध्यक्षता में हुई स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक हैं। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है। किसानों को भी दूध के बेहतर दाम मिल रहे हैं। सहकार के भाव से डेयरी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है।

दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ये निर्देश मप्र स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की द्वितीय बैठक में दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेयरी सहकारी कवरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, नई डेयरी प्रसंस्करण, उत्पाद निर्माण और पशु चारा संयंत्र के आधुनिकीकरण, डेयरी वैल्यू चैन के डिजीट्लाइजेशन, पारदर्शिता और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। डेयरी विकास योजना के तहत 26 हजार गांवो को जोड़ने, प्रतिदिन दुग्ध संकलन 52 लाख किग्रा तक करने का लक्ष्य रख, गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में हुई बैठक में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल, वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अध्यक्ष नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड मीनेष शाह मौजूद थे।

खास बातें

- दुग्ध क्षेत्र में पारदर्शिता और ब्रांड सुदृढ़ीकरण पर होगा विशेष फोकस
- जिला स्तर पर कार्यक्रमों में होगा आदर्श पशुपालकों का सम्मान

हानि को कम करने मानक संचालन प्रक्रिया लागू

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में दूध की गुणवत्ता में सुधार, उत्पादन में हानि को कम करने और एक समान उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है। इंदौर में स्थापित 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र आरंभ किया जा चुका है। शिवपुरी में 20 हजार लीटर क्षमता के डेयरी संयंत्र और ग्वालियर डेयरी संयंत्र के सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है।

उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए: सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दुग्ध क्षेत्र में अनुभव का लाभ राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए। दूध और दुग्ध उत्पादों के बिक्री में सुधार के लिए ब्राण्ड सुदृढ़ीकरण और नई पैकेजिंग डिजाइन कर उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन में वद्धि और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण के लिए किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदर्श पशुपालकों को सम्मानित करने, दूधारू पशुओं की प्रदर्शनी आयोजित करने और डेयरी के संबंध में सूचना सम्प्रेषण के लिए जिला स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाए।

701 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को किया गया क्रियाशील

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा एमपी स्टेट को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन और दुग्ध संघों का कार्यअनुबंध करने के बाद वर्ष 2025-26 में 1752 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया गया तथा 701 निष्क्रिय दुग्ध समितियों को क्रियाशील किया गया। प्रदेश में प्रतिदिन 9 लाख 67 हजार किग्रा दुग्ध संकलन किया जा रहा है, साथ ही 153 नवीन बल्क मिल्क कूलर की स्थापना की गई है। दूध और दूध उत्पादों का क्रेडिट पर विक्रय बन्द कर दिया गया है। प्रदेश में दुग्ध संकलन मोबाइल एप से शुरू किया जा रहा है।

परिजनों ने लगाया प्रताड़ना और अभद्र व्यवहार का गंभीर आरोप

महिला कैदी के सुसाइड के प्रयास से सेन्ट्रल जेल में मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

राजधानी की सेंट्रल जेल में महिला बंदी द्वारा आत्महत्या की कोशिश की खबर सामने आने के बाद जेल प्रशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं। महिला कैदी आशिमा राव के हाथ की नस काटने की घटना ने जेल सुरक्षा और अंदरूनी व्यवस्थाओं को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, महिला प्रकोष्ठ में बंद कैदी ने कथित तौर पर मानसिक तनाव के बीच आत्मघाती कदम उठाया। घटना के बाद जेल प्रशासन ने उसे तत्काल उपचार उपलब्ध कराया, जहां प्राथमिक इलाज के दौरान उसके हाथ में टांके लगाए गए। घटना कुछ दिन पुरानी बताई जा रही है, लेकिन मामला सामने आने के बाद परिजनों में नाराजगी बढ़ गई है। परिवार ने जेल के भीतर प्रताड़ना और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि तलाशी और चेकिंग के दौरान महिला बंदी के साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, जिससे वह मानसिक दबाव में आ गई। परिवार ने दावा किया है कि बंदी ने चिट्ठी के जरिए जेल के भीतर हो रही प्रताड़ना की जानकारी भी दी थी। इसी के बाद परिजन जेल पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई।

जेल प्रशासन ने किया आरोपों से इंकार

इधर जेल प्रशासन ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि बंदी सुरक्षित है और स्थिति नियंत्रण में है। अधिकारियों के मुताबिक नियमों के तहत कार्रवाई की गई थी और घटना को लेकर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि संबंधित महिला पिछले करीब छह महीने से एक आपराधिक मामले में जेल में बंद है। अब इस पूरे प्रकरण में जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आत्महत्या प्रयास के पीछे वास्तविक वजह क्या थी।

नीति आयोग का पुनर्गठन लाहिड़ी वाइस चेयरमैन

नयी दिल्ली। सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन करते हुए अशोक कुमार लाहिड़ी को वाइस चेयरमैन तथा पांच पूर्णकालिक सदस्यों की नियुक्ति की है, जिनमें अर्थशास्त्री के वी राजू, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक एम श्रीनिवास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय करंदीकर शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाहिड़ी और वैज्ञानिक गोबर्धन दास और पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा सहित नए पूर्णकालिक सदस्यों को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सरकार ने नीति आयोग का पुनर्गठन किया है। मैं अशोक कुमार लाहिड़ी को उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर शुभकामनाएं देता हूं। साथ ही राजीव गौबा, के वी राजू, गोबर्धन दास, अभय करंदीकर और एम श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य बनने पर बधाई देता हूं। मैं सभी के सफल और प्रभावी कार्यकाल की कामना करता हूं।'

जापान की तकनीकी दक्षता को प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बताया महत्वपूर्ण

जापान के प्रतिनिधि मंडल ने की मुख्यमंत्री साय से मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश और औद्योगिक विस्तार को नई गति देने की दिशा में शनिवार को महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली, जब जापान के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजधानी रायपुर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर निवेश, तकनीकी सहयोग और औद्योगिक संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री निवास में हुई इस बैठक में प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल, नई औद्योगिक नीति और जापानी तकनीक के उपयोग पर विशेष फोकस रहा। बातचीत के दौरान औद्योगिक परियोजनाओं, रोजगार सृजन और तकनीकी साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उद्योगोन्मुखी नीतियों के जरिए छत्तीसगढ़ को वैश्विक निवेशकों के लिए मजबूत डेस्टिनेशन के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने जापान की तकनीकी दक्षता को प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सहयोग बढ़ने पर भरोसा जताया।

रोजगार के नए अवसर के साथ औद्योगिक आधार मजबूत होगा

बैठक में यह भी माना गया कि जापानी निवेश और तकनीकी भागीदारी से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे और औद्योगिक आधार मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने अपने जापान दौरे के अनुभवों का जिक्र करते हुए निवेश संबंधों को और मजबूत करने की बात कही। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने भी छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति और निवेश अनुकूल वातावरण की सराहना की। प्रतिनिधियों ने राज्य में उद्योग विस्तार और भविष्य में निवेश बढ़ाने की इच्छा जताई। मुलाकात के दौरान उद्योग, लॉजिस्टिक्स और खनन क्षेत्र से जुड़े कई प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक को छत्तीसगढ़ और जापान के बीच आर्थिक सहयोग की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

---

19 अप्रैल से गंगोत्री व यमुनोत्री के कपाट खुलने के साथ शुरू हुई है चारधाम यात्रा

केदारनाथ हेली सेवा बुकिंग में महाराष्ट्र सबसे आगे

90 मिनट में 'हाउसफुल' हुईं 31 हजार सीटें

एजेंसी ▸▸ रुद्रप्रयाग

हिमालय की चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है। 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद तीन दिन में ही उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ धाम पहुंचकर 93252 यात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। श्रद्धालुओं में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला है।

शनिवार को आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल से 15 जून तक के लिए उपलब्ध हेलीकॉप्टर शटल सेवा की सभी 31 हजार 450 सीटें पोर्टल खुलने के महज 90 मिनट के भीतर बुक हो गईं। अधिकारियों के अनुसार, बुकिंग प्रक्रिया 15 अप्रैल को शाम 6 बजे शुरू हुई और रात 7.28 बजे तक आखिरी टिकट जारी कर दिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आधिकारिक आईआरसीटीसी पोर्टल के जरिए कुल 10,855 टिकट जारी किए गए। यह हेलीकॉप्टर शटल सेवा तीर्थयात्रियों को बेस कैंप से हिमालयी तीर्थस्थल तक हवाई मार्ग से जोड़ती है। यह सेवा गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से संचालित होती है, ताकि 16 किमी की कठिन चढ़ाई को आसान बनाया जा सके। उत्तराखंड पर्यटन विभाग के अनुसार, हेल्पलाइन कॉल सेंटर ने इस प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए 565 रैंडम वेरिफिकेशन कॉल किए। अधिकारियों ने पाया कि इस्तेमाल किए गए 10 हजार 859 मोबाइल नंबरों में से 4 हजार 400 नंबर असली यात्रियों से मेल खाते थे। विश्लेषण से पता चला कि 51 प्रतिशत बुकिंग सीधे तीर्थयात्रियों ने की थी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बाकी 49 प्रतिशत बुकिंग अन्य अधिकृत माध्यमों से की गई थी।

यह सेवा गुप्तकाशी, फाटा और सिरसी से होती है संचालित

बुकिंग चार्ट में इन्होंने मारी बाजी

राज्यों के हिसाब से बुकिंग चार्ट में महाराष्ट्र सबसे आगे रहा, जहां 1708 सफल बुकिंग हुईं. अन्य प्रमुख बुकिंग उत्तर प्रदेश (1,243), दिल्ली (867), तेलंगाना (864), कर्नाटक (801) और गुजरात (700) से हुईं।

बुकिंग के लिए सख्त नियम

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए, राज्य सरकार ने हर यूजर के लिए बुकिंग की सीमा दो और सीटों की सीमा 12 तय की थी। एक आईपी एड्रेस से सिर्फ पांच यूजर आईडी इस्तेमाल करने की अनुमति थी, और हर बुकिंग में ज्यादा से ज्यादा 6 यात्रियों को शामिल किया जा सकता था। विभाग ने बताया कि अब तक 510 बुकिंग आईडी के तहत कुल 913 सीटें रद्द भी की जा चुकी हैं।

दोषपूर्ण कार्यों में सुधार के लिए निर्देश दिए

सड़क बनाने में लापरवाही पर सहायक यंत्री एवं उप यंत्री को नोटिस... ठेकेदार ब्लैकलिस्ट

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 22 अप्रैल को मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने विभिन्न जिलों में औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण हरदा, मंडला, ग्वालियर, इंदौर, सतना, देवास एवं पन्ना जिलों में किया गया, जिसमें कुल 35 कार्यों का रैंडम आधार पर चयन कर परीक्षण किया गया। निरीक्षित कार्यों में 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 6 कार्य पीआईयू (भवन), 7 कार्य मप्र सड़क विकास निगम तथा 1 कार्य मप्र भवन विकास निगम से संबंधित थे। निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक मप्र सड़क विकास निगम के प्रबंध संचालक भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसमें विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे।

सहायक यंत्री एवं उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी

पन्ना जिले में गुनौरगंज-चंदला मार्ग के निर्माण कार्य की गुणवत्ता असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित सहायक यंत्री एवं उपयंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा ठेकेदार मे. साई इंफ्राटेक को काली सूची में डालने के लिए निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त अन्य 31 कार्यों में आंशिक सुधार के निर्देश जारी किए गए। इंदौर जिले में आईडीसी की ओर से इंदौर-उज्जैन (एसएच-59) मार्ग के 6 लेन निर्माण कार्य को संतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार मेसर्स महाकाल हाईवे प्राइवेट लिमिटेड की प्रशंसा की गई। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निरीक्षण प्रतिवेदनों में दी गई अनुशंसाओं का पालन करते हुए आवश्यक सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण कराए जाएं।

मुख्यमंत्री से मिले भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार को भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 2025 बैच के चार प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देकर स्मृति चिन्ह भी दिए। इस अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल के संचालक मुजीबुर्रहमान ख़ान सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केसीआर की बेटी कविता ने बनाई नई पार्टी टीआरएस

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

बीआरएस को देंगी टक्कर

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कल्वाकुंतला कविता ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी 'तेलंगाना राष्ट्र सेना' (टीआरएस) लॉन्च की है। पूर्व बीआरएस सांसद और एमएलसी कलवाकुंतला कविता ने शनिवार सुबह अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र सेना की शुरुआत की। इसके साथ ही कविता ने अपने पिता के नेतृत्व वाली 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) से अपना निर्णायक और अंतिम अलगाव कर लिया है। के. कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के सुप्रीमो के चंद्रशेखर राव की बेटी हैं। कविता सात महीने पहले बीआरएस पार्टी छोड़ दी थी। कविता के बीआरएस को छोड़ने की वजह उनके अपने भाई और बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारका रामा राव के साथ उनके मतभेद थे।

पिता पर साधा निशाना : पार्टी बनाने के बाद कविता ने कहा, वह बीआरएस के वोट बैंक को लुभाने की कोशिश करेंगी। साथ ही उन्होंने अपने पिता के. चंद्रशेखर राव और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली मौजूदा कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। कविता ने कहा, 'केसीआर (राव को इसी नाम से जाना जाता है) बदल गए हैं और अब वे पहले जैसे नेता नहीं रहे। उन्होंने आगे कहा कि यह हमारे केसीआर नहीं, बल्कि एक गैर-केसीआर हैं। उन्होंने बताया कि केसीआर सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे हैं और जनता की किसी भी समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

मध्यप्रदेश शासन नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (वि./यां.) संभाग क्रमांक – 2, बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.) –482056
Email ID-eeemdv2bargidam@gmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना वास्ते प्रकाशन

निम्न कार्य की ऑन लाइन निविदा प्रतिशत दर (अपेडिक्स 2.10) ई-प्रोक्यूरमेंट सिस्टम पोर्टल www.mptenders.gov.in पर जारी की जा रही है। निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है :-

निविदा क्र.	ई. निविदा क्र	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि (रू. में)	धरोवर राशि (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदाकार की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
170/तक. 2026-27 दिनांक 21.04.2026 (द्वितीय आमंत्रण)	2026_NVDA_502474_1	बरगी नगर कालोनी के पम्प हाउस क्र.3 बरगी नगर में लगे 40 एच.पी. किर्लोस्कर मोटर पम्प का सुधार का कार्य।	88,096.00 (रुपए अठासी हजार छियानवे) मात्र	1762.00 (रू. एक हजार सात सौ बासठ) मात्र	1000.00 (रु. एक हजार) मात्र	प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
182/तक. 2026-27 दिनांक 21.04.2026 (द्वितीय आमंत्रण)	2026_NVDA_502489_1	रा.अ.बा.लो.सा.परि. परियोजना के रेडियल गेटों के सामने फ्लड लाईट लगाने का कार्य।	16,88,599.00 (रुपए सोलह लाख अठासी हजार पांच सौ निन्यानवे) मात्र	33772.00 (रू. तेंतीस हजार सात सौ बहत्तर) मात्र	2000.00 (रु. दो हजार) मात्र	1. प्रमुख अभियंता (लो.नि.वि.) भोपाल में पंजीकृत 2. म.प्र. मुख्य विद्युत निरिक्षक द्वारा जारी 'अ' श्रेणी का लाइसेंस।	30 दिन (अनुबंध की तिथि से)
		कुल योग रू.	17,76,695.00				

निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि अंतिम : 13/05/2026, 17:30 तक (केवल आनलाइन)
प्राइज बीड जमा करने की तिथि अंतिम : 13/05/2026, 17:30 तक (केवल आनलाइन)
निविदा की धरोहर राशि खुलने की तिथि : 15/05/2026, 10:30 से 15/05/2026 17:30 तक (केवल आनलाइन)
प्राइज बीड खुलने की तिथि : 15/05/2026, 10:31 से 15/05/2026, 17:30 तक (केवल आनलाइन)
निविदा प्रपत्र को उपरोक्त वेबसाइट पर केवल ऑन लाइन क्रय किया जा सकता कऑन लाइन पर भुगतान डेबिट/कैश कार्ड या इन्टरनेट बैंकिंग अकाउण्ट्स के माध्यम से किया जा सकता हैं। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

(शैलेन्द्र राठौर) कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास (वि./याँ.) संभाग क्रमांक-2
बरगीनगर, जबलपुर (म. प्र.)

G-12029/26 "पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार"

पश्चिम मध्य रेल
संकेत एवं दूरसंचार विभाग
खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्न लिखित कार्यो हेतु निर्धारित ई निविदा. आमंत्रित करते है। **क्र. सं. 1 निविदा सूचना कमांक** :रू जबल–एन–सिग,–टेण्डर–2026–16, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन के सतना–रीवा खंड में टर्नआउट नवीनीकरण से संबंधित संकेत एवं दूरसंचार कार्य (सिग्नलिंग कार्य), **निविदा का अनुमानित मूल्य (रु. में) :** रु 16702739.59, **निविदा फार्म की कीमत (रुपये) :** रु 00/–, **कार्यालय का पता :** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, 'जबलपुर, **बयाना राशि रुपये :** रु 334100/–, **समापन अवधि (माह) :** 11 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 22.05.2026 को 15. 00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। **क्र. सं. 2 निविदा सूचना कमांक :** जबल–एन–सिग,–टेण्डर–2026–17, **कार्य का नाम लोकेशन सहित :** पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन के मझगवां स्टेशन पर लाइनों के सीएसएल/सीएसआर को बढ़ाने के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार कार्य, **निविदा का अनुमानित मूल्य (रु. में) :** रु 4444180.06, **निविदा फार्म की कीमत (रुपये) :** रु 00/–, **कार्यालय का पता :** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर, **बयाना राशि रुपये :** रु 88900/–, **समापन अवधि (माह) :** 11 माह, **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय :** दिनांक 22.05.2026 को 15. 00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे बेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक. (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त बेबसाइट से ओनलाईन आवेदन की जा सकती है।

हस्ता.
मंडल रेल प्रबंधक(संकेत एवं दूरसंचार)
पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

भारत मजबूत घरेलू विकास के दम पर बेशक दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसमें कमजोरियां भी हैं। एक ओर अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है। वहीं, दूसरी ओर कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत से खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ गया है। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। कह सकते हैं कि यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

कमजोर मानसून व युद्ध के कॉकटेल से बढ़ा खतरा

विश्लेषण
सेंट्रल डेस्क

मजबूत घरेलू विकास के दम पर भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें कमजोरियां नहीं हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध ने उद्योगों में आपूर्ति बाधाओं, तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रतिबंध और कच्चे तेल व कच्चे माल की ऊंची कीमतों के कारण आयातित महंगाई का डर बढ़ा दिया है।

इसके बावजूद अर्थशास्त्रियों का कहना है कि भारत की घरेलू खपत की कहानी अभी भी मजबूत बनी हुई है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इस वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.5% कर दिया है, जबकि अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के अनुमान घटाए गए हैं। हालांकि भारत के सामने एक नया खतरा सामान्य से कम मानसून का भी है। सवाल यह है कि क्या इससे महंगाई और बढ़ेगी और भारत की विकास गति पर असर पड़ेगा? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अल नीनो जैसी स्थितियों की आशंका जताई है।

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति शृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं। यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है।

खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी होगी

भारत में मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के लगभग 92% रहने का अनुमान है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार यह 2002 के बाद सबसे कम अनुमान है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कमजोर मानसून पहले से ही ऊंचे कच्चे तेल के दाम और उर्वरक आपूर्ति में बाधाओं के असर को और बढ़ा सकता है। मध्य पूर्व के संघर्ष का असर उसकी अवधि पर निर्भर करेगा, लेकिन आपूर्ति शृंखला की समस्याएं तुरंत खत्म नहीं होंगी, भले ही अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने पर सहमत हो जाएं।

यदि कमजोर मानसून से फसल उत्पादन प्रभावित होता है तो खाद्य कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी होगी, जो महंगाई को और बढ़ा सकती है। बता दें कि अल नीनो समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि की एक प्रक्रिया है, जो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समय-समय पर होती है। इससे वैश्विक मौसम पैटर्न प्रभावित होते हैं। भारत में इसका असर दक्षिण-पश्चिम मानसून को कमजोर करने के रूप में दिखता है, जिससे कम वर्षा और कभी-कभी सूखे की स्थिति पैदा हो सकती है।

गुणवत्ता और उत्पादन पर प्रभाव

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार अल नीनो के दौरान भारत का मानसून सामान्य से कमजोर रहता है। 1950 के बाद 16 अल नीनो वर्षों में से 7 बार मानसून सामान्य से कम रहा। अर्थशास्त्री युविका सिंघल के अनुसार अगस्त के आसपास अल नीनो होने पर मानसून की शुरुआत सामान्य रह सकती है और खरीफ बुवाई भी ठीक हो सकती है, लेकिन अगस्त-सितंबर में बारिश की कमी से फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों प्रभावित हो सकते हैं। मध्य पूर्व संकट के कारण उर्वरकों की कमी इस स्थिति को और खराब कर सकती है, जिससे इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य कीमतें, खासकर दालें, तिलहन और जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं महंगी हो सकती हैं। सरकार द्वारा खुले बाजार में चावल और गेहूं के भंडार जारी करने से अनाज की कीमतों पर कुछ नियंत्रण रह सकता है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार अल नीनो के कारण टमाटर की कीमतों में तेज बढ़ोतरी हो सकती है, जबकि आलू की कीमतों पर असर नहीं होगा। प्याज की कीमतें सामान्य वर्षों में भी आम लोगों को परेशान करती हैं।

महंगाई और जीडीपी पर असर

एलएंडटी के मुख्य अर्थशास्त्री सचिदानंद शुक्ला के अनुसार घरेलू फसलों के अलावा कोको, कॉफी, चीनी और पाम ऑयल जैसी वैश्विक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। ऊंचे कच्चे तेल के दाम ईंधन, उर्वरक और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ाकर अतिरिक्त दबाव डालते हैं।

कच्चे तेल, गैस, उर्वरक और संभावित रूप से फसलों की आपूर्ति झटकों के कारण महंगाई अपेक्षा से ज्यादा हो सकती है और जीडीपी वृद्धि दर कम हो सकती है। एसबीआई रिसर्च के अनुसार केवल अल नीनो का असर सीमित हो सकता है, लेकिन अल नीनो और सूखे की स्थिति में जीडीपी में 0.20% से 0.65% तक की गिरावट संभव है। पीडब्लूसी इंडिया के रणेन बनर्जी के अनुसार यदि मानसून में 8-10% की कमी होती है और जलाशयों का स्तर पहले से ही कम है, तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है और इसका असर खरीफ के साथ-साथ रबी फसलों पर भी पड़ सकता है। उनके अनुसार हेडलाइन महंगाई 5% से ऊपर जा सकती है, लेकिन आरबीआई की 6% की सीमा के भीतर रह सकती है। यदि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 5 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी होती है, तो सीपीआई महंगाई में 0.20-0.25% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल सरकार ने कीमत बढ़ाने की कोई योजना नहीं बताई है।

आगे का अनुमान

अगर कच्चा तेल 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहता है और मानसून सामान्य से कम होता है, तो 2026-27 में सीपीआई महंगाई 4.5% और जीडीपी वृद्धि 6.6% रह सकती है। कमजोर मानसून से ज्यादा खतरा लंबे समय तक ऊंचे कच्चे तेल के दाम से है, क्योंकि इससे व्यापक महंगाई बढ़ सकती है। कमजोर मानसून और ऊंचे कच्चे तेल की कीमतों का संयोजन लोगों की आय और खपत पर दबाव डाल सकता है।

अल नीनो से जोखिम

वित्त वर्ष की पहली छमाही में वृद्धि थोड़ी धीमी हो सकती है। फिर भी, एसबीआई रिसर्च के अनुसार भारत 6.8% से 7.1% की दर से वृद्धि बनाए रख सकता है, जो वैश्विक औसत से बेहतर है। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश और सेवाओं का क्षेत्र इसकी ताकत बने हुए हैं, जबकि भू-राजनीतिक तनाव, तेल की कीमतें, आपूर्ति बाधाएं और अल नीनो जोखिम बने हुए हैं।इसके अलावा, सरकार की पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर निरंतर जोर अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। निजी क्षेत्र का निवेश भी धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। कुल मिलाकर, बाहरी जोखिमों के बावजूद भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है और मध्यम अवधि में स्थिर वृद्धि की उम्मीद कायम है।

किसानों के लिए चलाएं जागरूकता अभियान

उम्मीद
योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

जैसे ही कृषि से संबंधित किसी भी घटना का प्रभाव माना जाता है तो हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्यों की ही बात होती है। चूंकि नॉर्थ इंडिया में यह वो राज्य हैं जो लगभग अनाज की आपूर्ति के लिए पर्याप्त माने जाते हैं। जब कमजोर मानसून आता है तो इससे इन राज्यों के किसानों के मन में एक निराशा सी छा जाती है व आपूर्ति पर भी प्रभाव पड़ता है, लेकिन अब सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है? तकनीकी व पुरानी घटनाओं के आधार पर विशेषज्ञों के अनुसार कुछ ऐसी बातें हैं जिससे फसल बच सकती है। सबसे पहले बारिश के बाद गेहूं की फसल को सबसे ज्यादा खतरा खेत में ठहरे हुए पानी से माना जाता है क्योंकि अगर फसल की जड़ों में ज्यादा देर तक पानी जमा रहा तो जड़ें गलने लगेंगी, साथ ही नमी की वजह से दाने काले पड़ सकते हैं व फंगस लग जाएगी। इसलिए जैसे ही बारिश रुक जाए तो सबसे पहला काम यह करें कि खेत के निचले हिस्सों में फावड़े से छोटी-छोटी नालियां बना दें।

सवाल यह है कि बीते कई वर्षों से हम कई बार फसल की बर्बादी देख चुके, जिससे आर्थिक नुकसान के अलावा किसानों की जानें तक भी चली जा जाती हैं। जब हम इस दृश्य को कई बार खुली आंखों से देख चुके हैं तो क्या अब इसके लिए किसानों के पास कोई समाधान है?

बारिश के बीच या ठीक बाद काटी गई फसल में नमी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। यदि भीगे हुए गेहूं को बोरियों में भर देंगे तो वह कुछ ही समय में सड़ने लगेगा व बदबू मारेगी। इसलिए कटाई के बाद फसल को किसी ऊंचे स्थान या पक्के फर्श पर फैला कर दानों को बार-बार ऊपर-नीचे करते रहें ताकि धूप और हवा हर दाने तक पहुंचे। अक्सर देखा जाता है कि तेज हवा और बारिश की वजह से गेहूं की फसल खेत में बिछ जाती है। यदि फसल गिर जाती है तो उसे ज्यादा दिनों तक जमीन पर न रहने दें। चूंकि मिट्टी की नमी गिरी हुई बालियों को जल्दी खराब कर देती है जिससे पैदावार में भारी गिरावट आ जाती है। ऐसी स्थिति में धूप निकलते ही जितनी जल्दी हो सके गिरी हुई फसल की कटाई शुरू कर दें। कई बार लगातार बारिश और नमी की वजह से बालियों में लगे हुए दाने खेत में ही अंकुरित होने लगते हैं। यदि बालियों में हल्का भी अंकुरण दिखाई दे तो इसे फसल के लिए बडा खतरा समझें और एक मिनट भी बर्बाद न करें, क्योंकि अंकुरित गेहूं न तो मंडी में अच्छे भाव बिकता है और न ही खाने लायक बचता है। इसके अलावा बहुत सारे ऐसे नुस्खे जिससे फसलों की बर्बादी बचाई जा सकती है। वहीं, यदि इन सब उपायों के बाद भी फसल नहीं बचती अथवा बड़ी प्राकृतिक आपदा आ जाती है तो फसल बर्बादी होने पर सरकार मुख्य रूप से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत वित्तीय सहायता देती है।

इसमें ओलावृष्टि, बाढ़, सूखे या कीटों के हमले से नुकसान पर मुआवजा मिलता है, लेकिन किसान बीमा दावा पाने के लिए किसानों को 72 घंटे में नुकसान की सूचना देनी होती है। इसके अलावा राज्य सरकारें अलग से राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत मदद करती हैं। लेकिन इसके लिए किसान को भी जागरूक होना आवश्यक है। चूंकि अब सारे कार्य एप से होते हैं और सब कुछ ऑनलाइन है। यह सब होने से सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि किसानों और सरकारों के बीच की दलाली प्रथा भी खत्म हो गई। किसानों के लिए सरकारों के तत्वावधान में हमेशा सार्थक कदम उठाए जाते रहे हैं। यदि इस प्रणाली में किसानों को एप चलाने की जानकारी और दे दी जाए तो किसानों को योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलेगा।

जैसा कि हम जानते हैं कि नॉर्थ इंडिया का मुख्य अनाज मुख्यतः गेहूं पर ही आधारित है और इसके लिए सबसे ज्यादा भरपाई हरियाणा,पंजाब, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उत्तर प्रदेश जैसे राज्य करते हैं तो इसलिए यहां किसानों के लिए एक विशेष टीम को गठित करते हुए किसानों को जागरूक किया जाए और उनकी सभी योजनाओं का लाभ देने में मदद की जाए। हमारे देश में किसानों को अन्नदाता का दर्जा दिया गया है। किसानों की जमीन गरीब व मुफलिसी के चलते न बिके व उनकी हर सही जरूरत का ध्यान रखा जाए, जिससे हमारे देश को मिला कृषि प्रधान देश का तमगा हमेशा बना रहे।

खेती की लागत और उत्पादन पर होगा असर

चुनौती
रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

कमजोर मानसून के शुरुआती संकेत और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने खेती की लागत और उत्पादन दोनों पर खतरा बढ़ा दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि कम बारिश फसल उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण आय पर असर डाल सकती है, खासकर तब, जब ग्रामीण बाजार हाल में ही लंबी सुस्ती के बाद सुधार दिखा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपने पहले दीर्घकालिक पूर्वानुमान में वर्षा को लॉन्ग पीरियड एवरेज (एलपीए) का 92 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो सामान्य से कम है। यह पिछले लगभग 25 वर्षों में सबसे कमजोर शुरुआती अनुमान माना जा रहा है और 2024-25 में दर्ज सामान्य से अधिक बारिश के रुझान के उलट है। ऐसे में खरीफ सीजन की फसलों पर इसका सीधा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जिससे कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग दोनों प्रभावित हो सकते हैं। यह स्थिति देश के लगभग 60 प्रतिशत किसानों के लिए गंभीर चिंता का विषय हो सकती है, जो खरीफ फसल के लिए पूरी तरह मानसूनी वर्षा पर निर्भर रहते हैं। कई क्षेत्रों के लिए यह दोहरी मार जैसी स्थिति है, क्योंकि वे पहले ही 2026 के प्री-मानसून मौसम में ओलावृष्टि और बाढ़ के कारण नुकसान झेल चुके हैं। बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है। हालांकि पर्याप्त बफर स्टॉक के कारण सरकार को धान उत्पादन को लेकर ज्यादा चिंता नहीं होगी, लेकिन अन्य फसलों के उत्पादन में गिरावट से इनकी कीमतों में होने वाली बढ़ोतरी खाद्य महंगाई पर दबाव बढ़ा सकती है। अलनीनो या सुपर अलनीनो की आशंका से अर्थशास्त्री इसलिए भी चिंतित हैं, क्योंकि इससे पहले भी अल नीनो के कारण अनियमित वर्षा पैटर्न से 2023-24 फसल वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन 6.1 फीसदी तक घट गया था। 1980 के बाद के लगभग 70 फीसदी अल नीनो वर्षों में देश में कम वर्षा दर्ज की गई है। अगर ऐसा हुआ तो आने वाले महीनों में न सिर्फ गर्मी नया रिकॉर्ड बनाएगी, बल्कि देश के कुछ इलाकों को सूखे का सामना भी करना पड़ सकता है। बहरहाल, मानसून को लेकर आईएमडी का यह पूर्वानुमान मौसम ही नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी एक चेतावनी भरा संकेत है, क्योंकि कमजोर मानसून का असर आम तौर पर खाद्य मुद्रास्फीति, ग्रामीण आय और विवेकाधीन खर्च के जरिए व्यापक अर्थव्यवस्था तक पहुंचता है। इससे एफएमसीजी, ट्रैक्टर, दोपहिया और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की मांग पर दबाव बन सकता है, हालांकि विभिन्न क्षेत्रों और उत्पाद श्रेणियों पर असर एक जैसा नहीं होता।

बारिश कम होने से खेती की लागत और भी बढ़ सकती है, जिससे दलहन और तिलहन की फसलों के दाम बढ़ सकते हैं, जिससे देश में खाद्य महंगाई में इजाफा हो सकता है।

खैर, पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव (ईरान युद्ध) के कारण यह चिंता और भी बढ़ गई है, क्योंकि युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति शृंखला (सप्लाई चेन) को बाधित किया है। इसके कारण उर्वरक और ऊर्जा की लागत बढ़ने से कृषि के खर्च (इनपुट कॉस्ट) को पहले ही बढ़ा दिया है। साफ है, अगर हालात बिगड़ते हैं तो कच्चे तेल के दाम बढ़ सकते हैं। भारत में तेल महंगा होने का मतलब है ट्रांसपोर्ट और खेती की लागत बढ़ना। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ता है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर दो खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है और कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा के जरिए ही हासिल होता है। अगर मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सामान्य से ऊपर मानसून रहने पर कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी होती है, जिससे ग्रामीण बाज़ारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है। अच्छी बारिश न सिर्फ कृषि क्षेत्र के लिए जरूरी है, बल्कि इससे उद्योग जगत में भी बहार आती है। मालूम हो कि खेत से लेकर खाने की टेबल तक एक बड़ी चेन जुड़ी होती है। ऐसे में कमजोर मानसून पूरी वैल्यू चेन को बिगाड़ सकता है। इससे पूरी आर्थिक एक्टिविटी गड़बड़ा जाती है। अब आने वाले समय में मानसून कैसा रहता है, अल नीनो कितना असर डालता है और दुनिया के हालात कैसे रहते हैं, इन सब फैक्टर्स पर आगे महंगाई दर निर्भर करेगी। आने वाले कुछ महीने इस लिहाज से बहुत अहम रहने वाले हैं।

ग्रामीण क्रयशक्ति घटने से मांग पर होगा असर

चिंतन
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

मानसून को लेकर मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान अगर सही रहा तो तय है कि आने वाले दिनों में खेती-किसानी को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। स्वाभाविक है कि इससे देश के समूचे आर्थिक तंत्र और चक्र पर खराब असर पड़ेगा। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के 'सामान्य से कम' यानी करीब 92 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। माना जा रहा है कि इससे अल नीनो की स्थिति उत्पन्न होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गिरावट आ सकती है। भारत की तकरीबन 45 फीसद खेती चूंकि मानसूनी बारिश पर निर्भर है, लिहाजा कमजोर मानसून की वजह से फसल की पैदावार कम हो सकती है।

इससे ग्रामीण क्रयशक्ति में कमी हो सकती है। इससे उपभोक्ता मांग भी प्रभावित होगी। हकीकत यह है कि मानसून भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। मानसून आधारित कृषि देश के समूचे कार्यबल के करीब आधे हिस्से को रोजगार देती है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए का कहना है कि कम वर्षा से खरीफ फसलों की बुवाई पर असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन तो कम होगा ही, किसानों की आय घटेगी और खाद्य पदार्थों की कीमतों बढ़ोत्तरी होगी। आशंका है कि वित्त वर्ष 2027 में खाद्य मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। फसलों की पैदावार कम होने की आशंका के चलते, अनाज और दालों की कीमतों में बढ़ोतरी होना तय है, जिसका सीधा असर आम आदमी पर पड़ेगा। कमजोर मानसून से कृषि श्रमिकों की मजदूरी पर भी असर पड़ सकता है। निश्चित तौर पर इसका असर देश की विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी और मुद्रास्फीति पर असर पड़ सकता है। इसके लिए अभी से ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंत्रालय का कहना है कि औसत से कम मानसून रहता है तो उससे फसल पैदावार में आने वाली गिरावट और अर्थव्यवस्था के नुकसान को कम करने की वह कोशिश कर रहा है। हालांकि मंत्रालय का मानना है कि देश के जलाशयों का मौजूदा जल स्तर सामान्य स्तर से 127.01 प्रतिशत ज्यादा है, लिहाजा सिंचाई के लिए पर्याप्त जल भंडार उपलब्ध हैं। इस वजह से मंत्रालय को लगता है कि आशंका की बजाय कृषि पर अपेक्षाकृत कम असर रहेगा। सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है। इसलिए मंत्रालय ऐसी कोशिशें तेज कर चुका है। इसे ही ध्यान में रखते हुए कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों को सूखा-प्रतिरोधी बीज की किस्मों को बढ़ावा देने और ㅈविलंबित बुवाईㅈ रणनीति को बढ़ावा देने का आदेश दिया है। अगर खरीफ की फसलों की उपज कम रही तो देश के पास उपलब्ध रिकॉर्ड 380 लाख मीट्रिक टन चावल के भंडार का मुंह खोलकर सरकार देश में खाद्यान्न की कमी और उसकी वजह से होने वाली खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने की कोशिश कर सकती है। मानसून के पूर्वानुमान और उससे कृषि उपज, ग्रामीण आय और खाद्य कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर विश्लेषकों की राय अलग-अलग हैं। विश्लेषकों ने मौजूदा चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि देश में 380 लाख मीट्रिक टन का पर्याप्त चावल भंडार मौजूद है। उनका तर्क है कि जरूरी नहीं कि खाद्य मुद्रास्फीति वर्षा की मात्रा पर निर्भर ही रहे। उनके मुताबिक, यह देखना होगा कि बारिश किस इलाके में कितना होती है। किसी इलाके में बेहतर बारिश होगी तो वहां का स्थानीय अन्न उत्पादन बेहतर होगा, बनिस्बत जहां कम बारिश होगी। इससे हो सकता है कि अन्न उत्पादन में राष्ट्रीय स्तर पर उतनी कमी ना दिखे, जैसी आशंका जताई जा रही है। देखा गया है कि अपेक्षाकृत अच्छी बारिश वाले वर्षों में भी खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही है, जैसे वित्त वर्ष 2009 में 98 प्रतिशत बारिश के साथ 8.43 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2011 में 102 प्रतिशत बारिश के साथ 15.2 प्रतिशत खाद्य मुद्रास्फीति रही। वहीं, कम बारिश वाले वर्षों, जैसे वित्त वर्ष 2013 में 93 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2019 में 91 प्रतिशत बारिश के साथ खाद्य मुद्रास्फीति क्रमशः 6.33 प्रतिशत और 0.09 फीसद रही। रिजर्व बैंक की एमपीसी ने इन हालात का ध्यान रखते हुए ब्याज दरों में कोई कटौती नहीं करने का फैसला लिया है। हालांकि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा का कहना है कि अगर मानसून की स्थिति खराब होती है या फिर पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा की कीमतें बढ़ती हैं, तो वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में मौद्रिक नीति को सख्त किया जा सकता है।

सूक्ष्म सिंचाई की तकनीक, वैज्ञानिक सलाह और फसलों के विविधीकरण को बढ़ावा देकर आशंकित संकट को कम किया जा सकता है।

नीति निर्धारण नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन आवश्यक

दृष्टिकोण
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र स्तंभकार

भारतीय कृषि वर्तमान में एक अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही है। प्रकृति की प्रतिकूलता तथा वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता ने मिलकर एक दोहरी मार की स्थिति उत्पन्न कर दी है। कम व असंतुलित मानसून के कारण जलभराव तथा सिंचाई की अनिश्चितता ने बुवाई चक्र को प्रभावित किया है, वहीं खाड़ी युद्ध की विभीषिका ने उर्वरक उत्पादन को बाधित किया है। देश में उर्वरक उत्पादन में 25 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है, जो प्रत्यक्ष रूप में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इस संकट की तीव्रता को होर्मुज के गतिरोध ने अधिक जटिल बना दिया है। कतर तथा ओमान जैसे प्रमुख उर्वरक निर्यातक देशों से होने वाला आयात लगभग बंद है, जिससे आपूर्ति पूरी तरह छिन्न-भिन्न है। ऐसे कठिन समय में, जब कृषक पहले से ही प्रतिकूल जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहे हैं, उर्वरकों की कमी तथा इनके बढ़ते मूल्यों ने उनकी आजीविका को असुरक्षित कर दिया है। इन परिस्थितियों में, कृषि मंत्रालय की भूमिका केवल एक नियामक की न होकर, एक संकट प्रबंधक की होनी चाहिए। मंत्रालय को अब तात्कालिक राहत तथा दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता के बीच संतुलन साधने के लिए कुछ असाधारण कार्य करने की आवश्यकता है। इसमें न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक मार्गों से वैकल्पिक आपूर्ति स्त्रोतों की खोज सम्मिलित है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर 'नैनो यूरिया अर्थात सूक्ष्म तरल उर्वरक' जैसे विकल्पों को प्रोत्साहन देना तथा वितरण प्रणाली में स्थायी पारदर्शिता लाना भी अनिवार्य है। भारत जैसी कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था के लिए उर्वरक केवल एक आयात आधारित आगत नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि का महत्वपूर्ण कारक भी है। इस संदर्भ में यह आशंका विचारणीय है कि यदि समय रहते कठोर तथा नवीन कृषि नीतिक कार्य संपन्न नहीं किए गए तो उर्वरक संकट को व्यापक खाद्य संकट में परिवर्तित होने में समय नहीं लगेगा। होर्मुज बाधा द्वारा रुकी हुई उर्वरक आपूर्ति के लिए मंत्रालय को विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर वार्ता करनी चाहिए। इनके अतिरिक्त रूस, मोरक्को तथा कनाडा जैसे वैकल्पिक उर्वरक उत्पादक देशों के साथ दीर्घकालिक आयात-अनुबंध करने होंगे। साथ ही, इनकी बाधामुक्त आपूर्ति के लिए समुद्री मार्गों के स्थान पर, यदि संभव हो तो, सुरक्षित थल मार्गों अथवा अन्य सागर तटों के उपयोग की संभावनाओं को तत्काल खोजना होगा। नैनो अर्थात सूक्ष्म तरलीकृत उर्वरकों तथा इनके जैविक विकल्पों को युद्धस्तर पर बढ़ावा देना। पारंपरिक यूरिया तथा डीएपी की कमी दूर करने के लिए नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी के प्रयोग को एक राष्ट्रीय अभियान बनाना अनिवार्य है। इसके लिए इनका प्रसार होना चाहिए। अतः कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को नैनो उर्वरकों के लाभ बताने होंगे। शासन को जैव-उर्वरकों तथा वर्मी-कम्पोस्ट पर प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करनी होगी, ताकि अखिल भारतीय कृषकों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। वितरण प्रणाली की सूक्ष्म निगरानी तथा कालाबाजारी पर रोक के अभियान को शासकीय निष्ठा के साथ संपन्न करना होगा। खाद की आपूर्ति कम होने पर इसके व्यापारियों द्वारा जमाखोरी तथा कालाबाजारी की संभावना बढ़ जाती है। मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए। इस हेतु डिजिटल सूचना-पट तैयार करना होगा, ताकि राज्य स्तर पर उर्वरक की उपलब्धता की पारदर्शी निगरानी संभव हो सके। संकट के समय में उर्वरकों का अपव्यय रोकना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। कृषकों को मृदा स्वास्थ्य पत्र के आधार पर केवल आवश्यक मात्रा में ही पोषक तत्व डालने के लिए प्रेरित किया जाए। इससे न केवल उर्वरक की बचत होगी, बल्कि खेती की लागत में भी कमी आएगी। भारत में उर्वरक का कच्चा माल (जैसे रॉक फास्फेट तथा प्राकृतिक गैस) की कमी है। इसीलिए इसके लिए हम आयात पर निर्भर हैं। देश में अपशिष्ट से कृषिधन प्रतिरूप अपनाकर गोबर व कृषि अवशेषों से बड़े स्तर पर 'कंपोस्ट' तथा 'तरल जैव-उर्वरक' का उत्पादन किया जा सकता है। साथ ही, हरित हाइड्रोजन आधारित अमोनिया संयंत्र लगाकर विदेशी कच्चे माल तथा गैस पर निर्भरता समाप्त की जा सकती है। यह समय कृषि मंत्रालय के लिए केवल नीति निर्धारण का नहीं, बल्कि त्वरित क्रियान्वयन का है।

मंत्रालय को देशभर के 'उर्वरक विक्रय स्थानों' का मशीन आधारित आंकड़ा बनाकर उसका वास्तविक समय में विश्लेषण करना चाहिए।

सोना-चांदी या मल्टी-एसेट फंड? निवेश से पहले जानें पूरा गणित

शेयर बाजार और फिक्स्ड डिपॉजिट से आगे बढ़ते हुए अब निवेशक सोना, चांदी, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड और अन्य कमोडिटी विकल्पों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। महंगाई, वैश्विक अनिश्चितता और बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ये एसेट क्लास पोर्टफोलियो को संतुलन देने का काम करते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब निवेशक अलग-अलग विकल्पों कमोडिटी फंड, गोल्ड-सिल्वर ईटीएएफ और मल्टी-एसेट फंड को एक जैसा मान लेते हैं। यही भ्रम कई बार गलत निवेश फैसलों और नुकसान की वजह बनता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते। ये फंड उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी होती हैं। यानी इनका प्रदर्शन केवल कमोडिटी की कीमत पर नहीं, बल्कि उन कंपनियों के बिजनेस, मैनेजमेंट और मार्केट कंडीशन पर भी निर्भर करता है। इस कारण ये फंड तकनीकी रूप से इक्विटी फंड की श्रेणी में आते हैं और इनमें जोखिम भी उसी के अनुरूप अधिक होता है।

- उच्च रिटर्न के लालच में न करें गलती, जोखिम और रिटर्न का संतुलन ही समझदारी
- बाजार की चाल, जोखिम और लक्ष्य के हिसाब से चुनें सही विकल्प, वरना होगा नुकसान
- गोल्ड ईटीएफ, कमोडिटी फंड और मल्टी-एसेट फंड के फर्क को समझना बेहद जरूरी
- कमोडिटी फंड्स वास्तव में सीधे सोने या चांदी में निवेश नहीं करते
- ये उन कंपनियों के शेयरों में पैसा लगाते हैं जो माइनिंग, मेटल या एनर्जी सेक्टर से जुड़ी

कमोडिटी फंड : हाई रिस्क, साइकिल पर निर्भर रिटर्न

कमोडिटी फंड्स का प्रदर्शन "कमोडिटी साइकिल" पर आधारित होता है। जब मेटल या एनर्जी सेक्टर में तेजी आती है, तो ये फंड अच्छा रिटर्न दे सकते हैं, लेकिन गिरावट के समय इनका प्रदर्शन तेजी से नीचे भी आ सकता है। यही वजह है कि विशेषज्ञ इन्हें लॉन्ग टर्म कोर इन्वेस्टमेंट के रूप में नहीं देखते। आमतौर पर 1 से 3 साल के लिए, किसी खास सेक्टर में तेजी का फायदा उठाने के लिए ही इनका उपयोग किया जाता है। निवेश सलाहकारों के अनुसार, पोर्टफोलियो में इनका हिस्सा 5% से 10% से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अधिक निवेश जोखिम को बढ़ा सकता है। साथ ही, इनमें निवेश करने से पहले बाजार की स्थिति और सेक्टर ट्रेंड को समझना बेहद जरूरी है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएएफ कीमत से जुड़ा निवेश

अगर आपका उद्देश्य सीधे सोने या चांदी की कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ उठाना है, तो गोल्ड ईटीएएफ और सिल्वर ईटीएएफ बेहतर विकल्प हैं। ये फंड फिजिकल गोल्ड या सिल्वर की कीमत को ट्रैक करते हैं, यानी इनका रिटर्न सीधे धातु की कीमत पर निर्भर करता है। इनका सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको फिजिकल गोल्ड खरीदने, स्टोर करने या उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं करनी पड़ती। साथ ही, इनकी पारदर्शिता और लिक्विडिटी भी अधिक होती है, क्योंकि इन्हें शेयर बाजार में आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है। हालांकि, इनका रिटर्न आमतौर पर स्थिर और सीमित होता है। ये तेजी से मल्टीबैगर रिटर्न देने के बजाय पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का काम करते हैं। इसलिए इन्हें "सेफ हेवन" या हेजिंग टूल के रूप में देखा जाता है।

मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड : संतुलित निवेश का विकल्प

दूसरी ओर, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं, जो एक ही निवेश में विविधता (डाइवर्सिफिकेशन) चाहते हैं। ये फंड इक्विटी, डेट और कमोडिटी तीनों एसेट क्लास में निवेश करते हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि जब एक एसेट क्लास कमजोर प्रदर्शन करता है, तो दूसरा उसे संतुलित कर देता है। उदाहरण के लिए, शेयर बाजार में गिरावट के दौरान सोना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है, जिससे कुल पोर्टफोलियो पर असर कम होता है।

पिछले आंकड़ों पर न जाएं

बाजार में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे कई कमोडिटी या मल्टी-एसेट फंड्स उपलब्ध हैं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में 20-22% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि केवल पिछले प्रदर्शन के आधार पर निवेश का फैसला लेना गलत हो सकता है। कमोडिटी सेक्टर स्वभाव से ही अस्थिर होता है। इसलिए इसमें औसतन 10-12% सीएजीआर की उम्मीद रखना ज्यादा व्यावहारिक है।

समझदारी से करें संतुलन

निवेश का कोई एक "सही" विकल्प नहीं होता। यह पूरी तरह आपके लक्ष्य, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। गोल्ड ईटीएफ और मल्टी-एसेट फंड्स आम निवेशकों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं, जबकि कमोडिटी फंड्स केवल समझदार और अनुभवी निवेशकों के लिए ही उपयुक्त हैं। अंततः, एक संतुलित पोर्टफोलियो ही लंबे समय में बेहतर रिटर्न और कम जोखिम सुनिश्चित करता है। इसलिए निवेश से पहले जरूरतें समझें, जल्दबाजी से बचें और जहां जरूरी हो, वित्तीय सलाहकार की मदद लें ताकि आपका पैसा सही दिशा में काम कर सके।

स्मॉलकैप एक माह में 10% उछला
जोखिम भी उतना ही बढ़ा

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पिछले एक महीने में स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। औसतन 10% तक का रिटर्न देकर इस सेगमेंट ने लार्ज और मिडकैप फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल उठ रहा है क्या यह तेजी लंबे समय के बुल रन की शुरुआत है या फिर यह सिर्फ गिरावट के बाद आई एक अस्थायी रिकवरी? विशेषज्ञों का मानना है कि इस तेजी को समझदारी से देखना जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान भी करा सकता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स ने पिछले एक महीने में औसतन करीब 10% रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स ने तो इससे भी ज्यादा प्रदर्शन किया है, जिससे निवेशकों का भरोसा इस सेगमेंट में फिर से बढ़ा है। हालांकि, सभी फंड्स का प्रदर्शन एक जैसा नहीं रहा। जहां कुछ फंड्स ने दो अंकों का रिटर्न दिया, वहीं कुछ ने नेगेटिव रिटर्न भी दिखाया। इससे साफ है कि यह तेजी पूरे सेगमेंट में समान रूप से नहीं फैली है।

तेजी की वजह: लिक्विडिटी और एसआईपी का सहारा

विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉलकैप फंड्स में आई इस तेजी के पीछे कई कारण हैं। बाजार में बढ़ती लिक्विडिटी, निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में सुधार और लगातार आने वाला एसआईपी निवेश इस उछाल को सपोर्ट कर रहा है। जब बाजार में नकदी ज्यादा होती है, तो उसका असर छोटे शेयरों पर जल्दी दिखाई देता है। इसी वजह से स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अक्सर तेज और अचानक होती है।

क्या यह स्थायी बुल रन है या शॉर्ट टर्म रिकवरी?

यहीं सबसे बड़ा सवाल खड़ा होता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल यह तेजी एक शॉर्ट टर्म रिकवरी ज्यादा लगती है, न कि लंबी अवधि की स्थायी तेजी। स्मॉलकैप सेगमेंट में उतार-चढ़ाव ज्यादा होता है। गिरावट के बाद तेज उछाल आना आम बात है। इसलिए केवल एक महीने के रिटर्न के आधार पर निवेश का फैसला लेना जोखिम भरा हो सकता है।

वैल्यूएशन बनी चिंता

हालिया तेजी के बाद स्मॉलकैप शेयरों की वैल्यूएशन फिर से ऊंची नजर आने लगी है। उदाहरण के तौर पर, निफ्टी स्मॉलकैप 100 का फॉरवर्ड पी/ई अपने लंबे औसत से ऊपर चल रहा है। इसका मतलब है कि शेयरों की कीमतें उनकी कमाई के मुकाबले ज्यादा हो चुकी हैं। ऐसे में आगे रिटर्न सीमित हो सकता है या फिर बाजार में करेक्शन देखने को मिल सकता है।

हर निवेशक के लिए सही नहीं

स्मॉलकैप फंड्स हाई रिस्क कैटेगरी में आते हैं। इनमें तेजी के साथ-साथ गिरावट भी उतनी ही तेज होती है। इसलिए यह हर निवेशक के लिए उपयुक्त नहीं हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अगर आपका निवेश समय 7 से 10 साल या उससे ज्यादा है, तभी इस सेगमेंट में निवेश करना चाहिए।

एसआईपी और एसटीपी से एंट्री

स्मॉलकैप में एकमुश्त निवेश करने के बजाय एसआईपी या एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करना बेहतर रणनीति मानी जाती है। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और आप अलग-अलग स्तरों पर निवेश कर पाते हैं, जिससे औसत लागत संतुलित रहती है।

पोर्टफोलियो में सीमित हिस्सा

एक संतुलित निवेश रणनीति के तहत स्मॉलकैप फंड्स का हिस्सा पोर्टफोलियो में सीमित रखना चाहिए। आमतौर पर 10% से 20% तक का एक्सपोजर पर्याप्त माना जाता है, जो जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन बनाए रखता है। इसके अलावा, फ्लेक्सी कैप और मल्टीकैप फंड्स जैसे विकल्प भी बेहतर संतुलन प्रदान कर सकते हैं।

पीछे भागना क्यों खतरनाक

अक्सर निवेशक हालिया प्रदर्शन देखकर आकर्षित हो जाते हैं और तेजी से निवेश कर देते हैं। लेकिन 10% जैसे अल्पकालिक रिटर्न का पीछा करना सही रणनीति नहीं है। बाजार में ऐसे मूवमेंट अस्थायी होते हैं और समय के साथ संतुलित हो जाते हैं। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश करना नुकसान का कारण बन सकता है।

अवसर है, पर अलर्ट रहें

स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड्स में हालिया तेजी निश्चित रूप से ध्यान देने योग्य है, लेकिन इसे "पैसे छापने का मौका" मानना जल्दबाजी होगी। लंबी अवधि के निवेशक एसआईपी के जरिए इसमें धीरे-धीरे निवेश कर सकते हैं, लेकिन पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

एमएफ के नाम में छिपा पूरा खेल : 'डायरेक्ट रेगूलर और ग्रोथ' का सही मतलब समझें

म्यूचुअल फंड में निवेश करना आजकल बहुत आसान हो गया है, लेकिन सही फंड का चुनाव करना आज भी कई लोगों के लिए बड़ी चुनौती है। बता दें कि जब आप किसी ऐप या वेबसाइट पर फंड सर्च करते हैं, तो एक ही नाम के कई ऑप्शन नजर आते हैं। दरअसल, इन नामों में निवेश की पूरी रणनीति छिपी होती है। अगर आप इन बेसिक शब्दों का मतलब समझ लेते हैं, तो आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार सही फंड का चुनाव कर सकते हैं।

निवेश की कैटेगरी को पहचानें

म्यूचुअल फंड के नाम की शुरुआत एएमसी से होती है, जैसे एसबीआई, अक्षम या आईसीआईसीआई प्रूडेंटियल। यह वो संस्था है जो आपके पैसे को मैनेज करती है। नाम के अगले हिस्से में फंड की कैटेगरी होती है। जैसे लार्ज कैप का अर्थ है कि पैसा देश की टॉप 100 सुरक्षित कंपनियों में लगेगा। वहीं, स्मॉल कैप या मिड कैप में पैसा उन कंपनियों में लगाया जाता है जो तेजी से बढ़ रही हैं, हालांकि इनमें जोखिम थोड़ा ज्यादा होता है।

खर्च और मुनाफे का अंतर

फंड के नाम में डायरेक्ट और रेगूलर सबसे अहम शब्द हैं। डायरेक्ट का मतलब है कि आप सीधे फंड हाउस के साथ निवेश कर रहे हैं। इसमें कोई एजेंट नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम होता है और आपका मुनाफा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, रेगूलर प्लान किसी बैंक या ब्रोकर के जरिए लिया जाता है, जहां आपको दी जाने वाली सुविधाओं के बदले कंपनी एजेंट को कमीशन देती है, जिससे आपका शुद्ध मुनाफा थोड़ा कम हो जाता है।

रिटर्न पाने का तरीका चुनें

नाम के आखिरी हिस्से में आपको ग्रोथ या आईडीडब्ल्यूसी लिखा मिलेगा। बता दें कि अगर आप लंबे समय के लिए पैसा जोड़ना चाहते हैं, ग्रोथ ऑप्शन चुनें क्योंकि इसमें मुनाफे पर कंपाउंडिंग का लाभ मिलता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपको निवेश के बीच-बीच में कुछ कमाई मिलती रहे, तो आईडीडब्ल्यूसी प्लान लिया जा सकता है।

स्मार्ट निवेशक बनने के लिए जरूरी टिप्स

म्यूचुअल फंड चुनते समय सिर्फ पिछले रिटर्न को ना देखें, बल्कि इन चारों यानी एएमसी, कैटेगरी, प्लान टाइप और रिटर्न मोड को परखें। अपनी रिस्क लेने की क्षमता और समय सीमा के आधार पर ही सही ऑप्शन का चुनाव करें। हमेशा कोशिश करें कि डायरेक्ट और ग्रोथ ऑप्संश पर गौर करें जिससे लंबी समय में आपकी जमा पूंजी पर कमीशन का बोझ न पड़े और आपको अधिकतम लाभ मिल सके। म्यूचुअल फंड का नाम भले ही जटिल लगे, लेकिन इसमें निवेश का पूरा ब्लूप्रिंट छिपा होता है। म्यूचुअल फंड में सफल होने के लिए जरूरी है कि आप इन बुनियादी शब्दों को समझें और सोच-समझकर फैसला लें। सही जानकारी के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में संपत्ति निर्माण का मजबूत आधार बनता है।

बिजनेस डेस्क

अब आईटीआर में गलती की तो पड़ सकती है भारी

गलत इनकम बताई तो 200% तक जुर्माना

- छोटी चूक भी बन सकती है बड़ी सजा का कारण
- जानबूझकर जानकारी छिपाने पर दोगुना तक जुर्माना
- लेट फाइलिंग व दस्तावेजों में कमी पर भी कड़ा प्रावधान

बिजनेस डेस्क

आयकर रिटर्न यानी आईटीआर भरना अब केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी तरह जिम्मेदारी और सतर्कता का काम बन चुका है। आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2026–27 के लिए नया पेनल्टी फ्रेमवर्क लागू किया है, जिसमें गलत जानकारी देने वाले टैक्सपेयर्स पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस नए सिस्टम का मकसद साफ है। टैक्स अनुपालन को सख्ती से लागू करना और किसी भी तरह की लापरवाही या हेरफेर को हतोत्साहित करना।

गलत इनकम दिखाना पड़ सकता है भारी

नए नियमों के तहत यदि कोई टैक्सपेयर्स अपनी वास्तविक आय से कम इनकम दिखाता है, तो उसे देय टैक्स पर 50 प्रतिशत तक जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह जुर्माना उन मामलों में लागू होता है जहां गलती को अनजाने में हुई चूक माना जाता है। लेकिन अगर जांच में यह साबित हो जाता है कि इनकम को जानबूझकर छिपाया गया है या गलत जानकारी दी गई है, तो सजा और भी कड़ी हो जाती है। ऐसे मामलों में पेनल्टी बढ़ाकर 200 प्रतिशत तक की जा सकती है। यानी जितना टैक्स बचाने की कोशिश की गई, उसका दोगुना तक जुर्माना देना पड़ सकता है।

जानबूझकर गलती और सामान्य चूक में फर्क

सरकार ने इस बार नियमों में यह स्पष्ट किया है कि जानबूझकर की गई गलती और सामान्य त्रुटि में अंतर किया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने भूलवश कोई इनकम जोड़ना रह गया, तो उसे उतनी सख्ती से नहीं देखा जाएगा जितना कि किसी ऐसे मामले को जहां दस्तावेज छिपाए गए हों या फर्जी एंट्री की गई हो। यह अंतर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ईमानदार टैक्सपेयर्स को राहत मिलती है, जबकि धोखाधड़ी करने वालों पर सख्ती बढ़ती है।

लेट आईटीआर पर भी सख्त नियम

समय पर आईटीआर फाइल न करने पर भी अब जुर्माने का प्रावधान पहले से स्पष्ट और कड़ा कर दिया गया है। यदि कोई व्यक्ति तय समय सीमा के बाद आईटीआर भरता है, तो उसे अधिकतम 5000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। हालांकि, जिन टैक्सपेयर्स की सालाना आय 5 लाख रुपये तक है, उनके लिए राहत देते हुए जुर्माना 1000 रुपये तक सीमित रखा गया है। इसका उद्देश्य छोटे करदाताओं को अनावश्यक बोझ से बचाना है, लेकिन समय पर फाइलिंग की जिम्मेदारी से छूट नहीं दी गई है।

टीडीएस और अन्य दस्तावेजों में देरी भी महंगी

सिर्फ आईटीआर ही नहीं, बल्कि टीडीएस और अन्य जरूरी स्टेटमेंट समय पर जमा न करने पर भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में 200 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जा सकता है, जो समय के साथ बड़ी राशि में बदल सकता है। इससे साफ है कि टैक्स सिस्टम अब पूरी तरह समयबद्ध और अनुशासित हो चुका है, जहां हर देरी की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

टैक्स बकाया रखने पर भी कार्रवाई

यदि कोई व्यक्ति अपना सेल्फ-असेसमेंट टैक्स समय पर नहीं चुकाता है, तो उस पर भी पेनल्टी लग सकती है। यह पेनल्टी असेसिंग ऑफिसर द्वारा तय की जाती है और कई मामलों में बकाया टैक्स के बराबर तक हो सकती है। गंभीर मामलों में, खासकर जब जांच के दौरान छिपी हुई आय सामने आती है, तो 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि गलती कितनी गंभीर है और उसे कब उजागर किया गया।

अन्य उल्लंघनों पर कड़ी नजर

नए नियम केवल इनकम छिपाने तक सीमित नहीं हैं। यदि कोई व्यक्ति अपने अकाउंट बुक्स ठीक से नहीं रखता, जरूरी ऑडिट नहीं कराता, दस्तावेज समय पर जमा नहीं करता या कैश ट्रांजेक्शन के नियमों का उल्लंघन करता है, तो उस पर भी जुर्माना लगाया जा सकता है। कुछ मामलों में यह जुर्माना लेन-देन की पूरी राशि के बराबर तक हो सकता है, जो किसी भी व्यवसाय या व्यक्ति के लिए बड़ा वित्तीय झटका साबित हो सकता है।

राहत के प्रावधान भी मौजूद

हालांकि सख्ती के बीच सरकार ने कुछ राहत के विकल्प भी दिए हैं। यदि कोई टैक्सपेयर्स यह साबित कर देता है कि उससे हुई गलती किसी वाजिब कारण से हुई थी, जैसे तकनीकी समस्या या वास्तविक भूल, तो उस पर पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी। इसके अलावा, कुछ मामलों में अपील और स्पष्टीकरण के आधार पर भी जुर्माने में राहत मिल सकती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ईमानदार करदाता अनावश्यक रूप से परेशान न हों।

सतर्कता ही बचाव का सबसे बड़ा तरीका

इन नए नियमों के बाद यह साफ हो गया है कि आईटीआर भरते समय लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है। हर जानकारी को सही दस्तावेजों के साथ जांचकर ही भरना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि टैक्स फाइलिंग को लेकर किसी भी तरह का संदेह हो, तो पेशेवर सलाह लेना बेहतर है। छोटी सी गलती भी बड़े जुर्माने में बदल सकती है, इसलिए सतर्क रहना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है।

आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश

नए पेनल्टी नियम यह संकेत देते हैं कि टैक्स सिस्टम अब ज्यादा पारदर्शी और सख्त हो चुका है। आयकर विभाग का स्पष्ट संदेश है ईमानदारी से टैक्स भरें या भारी जुर्माने के लिए तैयार रहें। ऐसे में समझदारी इसी में है कि जल्दबाजी या लापरवाही से बचते हुए पूरी सावधानी के साथ आईटीआर फाइल किया जाए, क्योंकि अब छोटी गलती भी बड़ी सजा में बदल सकती है।

25,000 की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड ही काफी

छोटी एसआईपी में बंटवारे से कंपाउंडिंग पर पड़ता है असर

म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में भीड़ बढ़ाना पड़ सकता है भारी, घट सकता है रिटर्न

बिजनेस डेस्क

अक्सर निवेशक यह मान लेते हैं कि ज्यादा म्यूचुअल फंड्स में पैसा लगाने से जोखिम कम हो जाता है और रिटर्न बेहतर मिलता है। इसी सोच के चलते कई लोग 10 से 12 या उससे भी ज्यादा फंड्स में एसआईपी शुरू कर देते हैं। लेकिन हकीकत इससे उलट है। जरूरत से ज्यादा फंड्स रखने से न तो जोखिम कम होता है और न ही रिटर्न बढ़ता है, बल्कि आपका पोर्टफोलियो उलझ जाता है और मुनाफा कम हो सकता है। खासतौर पर अगर आपकी मासिक एसआईपी 25,000 रुपये के आसपास है, तो 3 से 5 अच्छे फंड्स का चयन ही बेहतर रणनीति मानी जाती है।

ज्यादा फंड्स रखना क्यों नुकसान का सौदा

म्यूचुअल फंड निवेश का मूल सिद्धांत है। विविधता, लेकिन कई निवेशक इस सिद्धांत को गलत तरीके से समझ लेते हैं। वे सोचते हैं कि अलग-अलग (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) के ज्यादा फंड्स खरीदना ही विविधता है, जबकि ऐसा नहीं है। अगर आपके पास 10–12 फंड्स हैं, तो संभव है कि उनमें से कई एक ही सेक्टर या एक जैसे शेयरों में निवेश कर रहे हों। ऐसे में आपका पोर्टफोलियो देखने में तो बड़ा लगता है, लेकिन असल में वह विविध नहीं होता। विशेषज्ञ मानते हैं कि सीमित और चुने हुए फंड्स के जरिए बेहतर नियंत्रण और संतुलन बनाना ज्यादा आसान होता है। इससे निवेश की दिशा स्पष्ट रहती है और अनावश्यक जटिलता से बचाव होता है।

अलग नाम, लेकिन निवेश वही

जब आप कई फंड्स में निवेश करते हैं, तो एक बड़ी समस्या होती है—पोर्टफोलियो ओवरलैप। मान लीजिए आपने दो या तीन लार्ज-कैप फंड्स ले रखे हैं। इनमें से हर फंड में रिलायंस, इन्फोसिस या एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े शेयर टॉप होल्डिंग में हो सकते हैं। इसका मतलब है कि आप अलग-अलग फंड्स के जरिए एक ही कंपनियों में बार-बार निवेश कर रहे हैं।

इससे दो नुकसान होते हैं

जोखिम कम होने की बजाय बढ़ सकता है, क्योंकि बाजार गिरने पर सभी फंड्स एक साथ प्रभावित होते हैं। आप हर फंड का अलग-अलग एक्सपेंस रेशियो (खर्च) भी देते हैं, जिससे कुल रिटर्न घटता है। इस तरह, ज्यादा फंड्स रखने से निवेश में विविधता का भ्रम तो बनता है, लेकिन असल फायदा नहीं मिलता।

छोटी एसआईपी से कंपाउंडिंग कमजोर

यदि 25,000 की मासिक एसआईपी को आप 8 या 10 फंड्स में बांटते हैं, तो हर फंड में बहुत कम राशि जाती है। उदाहरण के तौर पर 8 फंड्स में निवेश करने पर हर फंड में सिर्फ 3,125 ही जाएंगे। इतनी छोटी राशि में कंपाउंडिंग का प्रभाव कमजोर पड़ जाता है। लंबे समय में बड़ा कॉर्पस बनाने के लिए जरूरी है कि हर फंड में पर्याप्त निवेश हो, ताकि उसका ग्रोथ प्रभावी तरीके से दिखाई दे। अगर यही 25,000 रुपये आप 3 या 4 फंड्स में लगाते हैं, तो हर फंड में 6,000 से 8,000 रुपये तक का निवेश होगा, जिससे रिटर्न बेहतर तरीके से बढ़ सकता है।

ट्रैकिंग और मैनेजमेंट बन जाता है मुश्किल

ज्यादा फंड्स का एक और बड़ा नुकसान है—उन्हें ट्रैक करना कठिन हो जाता है। हर फंड का प्रदर्शन अलग होता है। कुछ अच्छा रिटर्न देते हैं, तो कुछ कमजोर प्रदर्शन करते हैं। अगर आपके पास बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो यह समझना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा फंड अच्छा कर रहा है और किसे बदलने की जरूरत है। इसके अलावा, कमजोर फंड्स आपके पूरे पोर्टफोलियो के रिटर्न को नीचे खींच लेते हैं। इसे "डाइल्यूशन" कहा जाता है। यानी अच्छे फंड्स का फायदा भी पूरी तरह नहीं मिल पाता।

आदर्श पोर्टफोलियो कैसा हो

विशेषज्ञों के अनुसार 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 फंड्स का पोर्टफोलियो पर्याप्त होता है। इससे निवेश में संतुलन बना रहता है और जोखिम भी नियंत्रित रहता है। एक संतुलित पोर्टफोलियो के लिए आप इन कैटेगरी पर विचार कर सकते हैं।

- लार्ज-कैप या इंडेक्स फंड
  स्थिरता के लिए
- लार्ज एंड मिड-कैप फंड
  ग्रोथ और स्थिरता का मिश्रण
- मल्टी-कैप या फ्लेक्सी-कैप फंड
  अलग-अलग मार्केट कैप में निवेश
- एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
  इक्विटी और डेट का संतुलन
- ईएलएसएस फंड (टैक्स सेविंग)
  टैक्स बचत के साथ निवेश
- हर निवेशक अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय अवधि के अनुसार इन कैटेगरी में 3–5 फंड्स चुन सकता है।

कैसे सुधारें अपना मौजूदा पोर्टफोलियो

अगर आपके पोर्टफोलियो में पहले से ही बहुत ज्यादा फंड्स हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। आप इसे धीरे-धीरे सुधार सकते हैं। सबसे पहले, ओवरलैप चेक करें। इसके लिए कई ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध हैं, जो बताते हैं कि आपके फंड्स में कितनी समानता है। इसके बाद उन फंड्स को पहचानें जो लगातार 2–3 साल से अपने बेंचमार्क से कमजोर प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे फंड्स को धीरे-धीरे बाहर निकालें। ध्यान रखें कि एक ही कैटेगरी के कई फंड्स रखने से बचें। हर कैटेगरी से एक अच्छा और भरोसेमंद फंड चुनना बेहतर होता है। साथ ही, पोर्टफोलियो में बदलाव एकदम से न करें, बल्कि चरणबद्ध तरीके से करें ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम पड़े।

विविधता का सही मतलब समझें

असली विविधता का मतलब यह नहीं है कि आप ज्यादा से ज्यादा फंड्स खरीद लें। बल्कि इसका मतलब है कि आप अलग-अलग एसेट क्लास और कैटेगरी में निवेश करें। अगर आपने अलग-अलग कैटेगरी के 3–5 फंड्स चुने हैं, तो यह पर्याप्त विविधता देता है। इसके विपरीत, एक ही कैटेगरी के 8–10 फंड्स रखना सिर्फ जटिलता बढ़ाता है। इसलिए निवेश करते समय "कम लेकिन बेहतर" की रणनीति अपनाना ज्यादा समझदारी भरा कदम है।

यह रखें ध्यान

म्यूचुअल फंड निवेश में संख्या नहीं, गुणवत्ता मायने रखती है। ज्यादा फंड्स रखने से पोर्टफोलियो मजबूत नहीं होता, बल्कि उलझन बढ़ती है और रिटर्न पर असर पड़ता है। 25,000 रुपये की एसआईपी के लिए 3 से 5 अच्छी तरह चुने गए फंड्स ही पर्याप्त हैं। इससे न केवल कंपाउंडिंग का फायदा बेहतर मिलता है, बल्कि निवेश को समझना और मैनेज करना भी आसान रहता है। अंततः, सफल निवेश वही है जो सरल, संतुलित और आपके लक्ष्यों के अनुरूप हो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जनगोष्ठी संपन्न

हम संगठित रहें इसलिए संघ की स्थापना हुई संघ की कार्य पद्धति प्रचार प्रसार की नहीं

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रमुख जन गोष्ठी का आयोजन संस्कृतिक थिएटर कल्चरल स्ट्रीट भंवरताल जबलपुर में 25 अप्रैल 2026 शनिवार शाम 5:30 बजे किया गया। जबलपुर के स्कूल, कोचिंग संचालक, अध्यापक व मीडिया श्रेणी के प्रमुख जन इसमें आमंत्रित रहे। मुख्य अतिथि रजनीश कुमार सिंघाई केंद्रीय विद्यालय जीसीएफ-1 के प्राध्यापक ने अपने उद्बोधन में बच्चों के मन में देशप्रेम जाग्रत करने का ऊर्जावान विचार रखा। डॉ. प्रदीप दुबे प्रांत संघचालक, महाकौशल प्रांत का सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. संजय पाठक अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षण मंडल ने अपने बौद्धिक उद्बोधन में संघ शताब्दी वर्ष में हिंदू सम्मेलन व प्रमुख जन गोष्ठी के आयोजन का औचित्य बताया कि संघ को लेकर समाज के मन में जिज्ञासा व भ्रांतियां हैं, उन भ्रांतियों को दूर करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित है। 100 वर्षों में एक शाखा से आज नित्य 60 हजार से अधिक शाखाएं लगती हैं। हम संगठित रहें इसलिए संघ की स्थापना हुई। संघ की कार्य पद्धति प्रचार प्रसार की नहीं है, स्वयंसेवकों की संख्या लगातार बढ़ने के डर से कुछ राजनीतिक दल झूठे नरेटिव लाने के कारणवश भी समाज में संघ को लेकर भ्रांतियां हैं जिनको अब दूर करने संघ को समाज के बीच समझाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बिना डॉ. हेडगेवार को जाने आप संघ को नहीं जान पाएंगे, क्योंकि उनकी संरचना से ही संघ बना। डॉ. हेडगेवार के बचपन के देशभक्ति के विचार बताये गए, डॉ. हेडगेवार का विचार था कि बाहरी आक्रांताओं से देश की हार का कारण असंगठित समाज ही है और इसी विचार के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की।

संघ हिंदुओं का संगठन करता है, हिंदू धर्म एक जीवन पद्धति है जो समाज केंद्रित है ईश्वर केंद्रित नहीं जिसे वेद व कठोपनिषद के उदाहरण देकर समझाया।

राजा हरिसिंह से 'गुरुजी' संघ के दूसरे संघचालक, सरदार पटेल के साथ मिले उसके अगले दिन कश्मीर का भारत में विलय हुआ। स्वयंसेवकों ने देश की हर विपदा में सहायता की है व संघ हर हिंदू को संघमय बनाना चाहता है, संगठित करना चाहता है, संकोच व अहंकार को तोड़ना व राष्ट्र कार्य से जोड़ना चाहता है। हर व्यक्ति को देश के लिए समय निकालना ही चाहिए, परेशानियां तो आती जाती रहेंगी ही जीवन में, पर उसमें ही समय निकालना होगा।

समापन में शेर-लोमड़ी और गधे की कहानी से सेकुलर हिंदुओं को समझाने का प्रयास किया गया कि इतनी बड़ी-बड़ी घटनाओं के बाद भी नहीं समझे तो कब समझेंगे? प्रश्नोत्तर में सवालों के उत्तर दिए गए, जैसे प्रश्न- हिंदू संगठन में युवाओं को कैसे जोड़ें में उत्तर दिया गया कि समय से साथ होगा बहुत जल्दी मैकाले पद्धति नहीं जाएगी। प्रश्न- पाठ्यक्रम सुधार, उत्तर- शोध हो रहे हैं व साहित्य स्थानीय भाषाओं में किया जा रहा है।

तहसील कार्यालय में हुई बैठक

किसानों की समस्या का तत्काल होगा निराकरण: परस्ते

सिहोरा-तहसील कार्यालय के सभागार में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती ज्योती परस्ते की अध्यक्षता में किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रमेश पटेल के नेतृत्व में किसानों की बैठक का आयोजन किया गया इसमें किसानों ने खेतों की बिजली खाद,उपार्जन को लेकर हो रही दिक्कत से अधिकारी को अवगत कराया बैठक में विधुत, कृषि उपार्जन से संबंधित अधिकारियों ने किसानों की समस्या सुनने के बाद त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया.

झूलती विद्युत लाइन का खामियाजा उठा रहा किसान

बैठक में सर्वाधिक आक्रोश किसानों ने विधुत वितरण व्यवस्था के प्रति व्यक्ति करते हुऐ कहा कि घोषित के साथ की जाने वाली अघोषित विधुत कटौती के चलते किसानों को आठ घण्टे भी बिजली नहीं मिल पा रही है मेंटेंनेंस के नाम पर विभाग केवल पेड़ों की डालियां वो भी किसानों की मदद से काटकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेता है जबकी झूलती विद्युत लाइनों का रखरखाव न किये जाने से किसानों को गुणवत्तायुक्त विद्युत तो प्राप्त हो ही नहीं रही साथ ही झूलती लाईन दुर्घटना को अंजाम दे रही है इसी प्रकार ओवर लोड टांसफार्मर का भी विभाग द्वारा कोई निराकरण नहीं किया जा रहा।किसानों की समस्या का शीघ निराकरण का आश्वाशन अधिकारियों द्वारा दिया गया।

खाद के संकट से कब मिलेगी निजात

राजस्व एंव कृषि विभाग के पास बोनी के रकवे के साथ किसानों की सारी जानकारी उपलब्ध होने के वावजूद प्रतिवर्ष किसानों को खाद के संकट से जुझना पड़ता है जबकि प्रशासन चाह ले तो पहले से खाद की व्यवस्था कर सकता है किसानों की समस्या का निराकरण करते हुऐ वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एस राठौर ने बताया की वर्तमान में शासन द्वारा प्रति एकड़ एक बोरी डीएपी तथा दो बोरी यूरिया का प्रावधान रखा है इसके साथ ही एक माह में एक किसान को अधिकतम पचास बेग वितरण का प्रावधान रखा है आगे भी शाशन से प्राप्त निर्देशों के तहत किसानो की समस्या का निराकरण किया जायेगा।

गेहूं उपार्जन बने लूट का जरिया

किसानों की आय बढ़ाने वाली गई उपार्जन निति लूट का जरिया बन गई है। गेहूं उपार्जन केन्द्रों में अधिक तौल के साथ गिनती पल्लेदारी के पैसे किसानो को पल्ले से जा रहे हैं।बडे किसानों के स्लाट बुकिंग बिलिंग में सर्वर की गंभीर समस्या से किसानों को जुझना पड़ रहा है।कनिष्ठ आपूर्ती अधिकारी ने बताया की सिहोरा मझौली में 10 तथा सिहोरा में 11 उपार्जन केंद्र बनाये गये है।सर्वर की समस्या के कारण स्लाट बुकिंग एंव बिलिंग की समस्या आ रही है शनिवार की शाम सात बजे से दो हैक्टेयर से बडे किसानों की भी स्लाट बुकिंग चालू हो गई है तौल में कटौती और अवैध वसूली के आरोप लगाते हुए किसानों ने आक्रोश व्यक्त किया।

ये रहे उपस्थित

बैठक में किसान विनय पटेल,अनिल पटेल, चंद्रजीत पटेल,सुरेंद्र पटेल,जितेंद्र पटेल,लक्ष्मी पटेल,ओम प्रकाश पटेल,वीरेंद्र पटेल और श्याम यादव,बंटी ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

सीएम राइज स्कूल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

जनगणना अधिकारी ने प्रगणकों, पर्यवेक्षकों को बारीकियों से कराया अवगत

सिहोरा। सीएम राइज पंडित विष्णु दत्त स्कुल में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षको का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रूपेश्वरी कुंजाम तहसीलदार सिहोरा के निर्देशन में आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण में 239 प्रगणक एवं 38 सुपरवाइजरों ने भाग लिया गया। फील्ड ट्रेनर प्राचार्य अशोक उपाध्याय, बी.एस.परस्ते,जे.एल.खाण्डे, जगदीश बागरी एवं बी एल बागरी के द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को डेटा संकलन की प्रक्रियाओं और फील्ड में आने वाली चुनौतियों से अवगत कराया गया आगे कहा हम स्वतंत्र भारत की आठवीं जनगणना करने जा रहे है भारत सरकार ने हमें इस कार्य के लिए चुना गया है साथ ही हम अपना कार्य पूरी ईमानदारी से करेंगे इससे प्राप्त आकड़ों से देश की सरकार को विभिन्न वर्ग और क्षेत्र के लिए योजना बनाने में मदद मिलेगी। त्रिस्तरीय प्रशिक्षण का समापन चार्ज अधिकारी रूपेश्वरी कुंजाम ने कहा मकानों की गणना करने के साथ अगर इस कार्य कोई भी समस्या आती है तो तत्काल अवगत कराये जिसका निराकरण करने करने की पूर्ण कोशिश की जायेगी तथा फील्ड ट्रनरों का जनगणना चार्ज अधिकारी ने फूल मालाओं से स्वागत किया तथा प्रशिक्षण में प्रगणको एव पर्यवेक्षको को जनगणना की एक-एक बारीकियों से अवगत कराया।इस अवसर पर जनगणना लिपिक अखिलेश नामदेव, शिक्षक सुरेन्द्र महोबिया,अनिल कुमार विश्वकर्मा, रोशनी निगवाल,दीपांशु पाठक,शिवम परौहा, गोविन्द,आदित्य दुबे,सुरेन्द्र कोल,सुरेश बैगा,आयुष मेहरा आदि उपस्थित रहे।

माँ विंध्यवासनी की हुई प्राण प्रतिष्ठा

जबलपुर। गौरीघाट से तिलहरी मार्ग स्थित ग्राम छिवला वीरांगना अवंती बाई वार्ड क्रमांक 67 में सार्वजनिक मां विंध्यवासनी मंदिर की स्थापना एवं प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम 21 से 24 अप्रेल तक आयोजित किया गया। माता विंध्यवासनी प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व कलश यात्रा, शोभायात्रा निकाली गई। हवन, पूजन, अर्चन पश्चात माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई, तत्पश्चात कन्या पूजन एवं भंडारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मंदिर के स्थापक सेवक पुजारी पं. गोपाल तिवारी ने पूजन अर्चन कराया। आयोजन में पं. मुन्ना पांडेय, पं. वशिष्ठ नारायण तिवारी, पं. विपिन मिश्रा, पं. राजेन्द्र पांडेय, भोला पांडेय, विद्याकांति पांडेय, अंजना पांडेय, रंजना तिवारी, रीता शुक्ला, कविता तिवारी, मनोज तिवारी का विशेष सहयोग रहा।

लियोनार्ड इंटरैक्ट इको क्लब ने किया पौधारोपण

जबलपुर। लेनार्ड एच.एस. स्कूल के छात्रों के एक समूह ने कुछ व्यावसायिक और फल देने वाले पौधे लगाने के लिए बरहा गांव के कृषि क्षेत्रों का दौरा किया। यह आयोजन पर्यावरण को बेहतर बनाने और हमारे आसपास के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाने के लिए अपना कर्तव्य निभाने के विचार और उद्देश्य से किया गया था। इस अवसर पर इंटरैक्ट इको क्लब सदस्यों द्वारा कई वाणिज्यिक और फल देने वाले पौधे लगाए गए, जिसमें उन्होंने गहरी रुचि ली और वृक्षारोपण समारोह में भाग लिया। प्रिंसिपल एलजी लोबो ने पौधे लगाने की इस गतिविधि के महत्व और वनों की कटाई, प्रदूषण और वैश्विक तपन के हानिकारक प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित इंटरेक्ट इको क्लब के सदस्यों से आग्रह किया कि वे आसपास की कॉलोनियों में न केवल पौधे लगाएं, बल्कि उसकी देखभाल भी सुनिश्चित करें। उन्होंने छात्रों को बताया कि जन्मदिन और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों और त्योहारों पर बच्चों और उनके रिश्तेदारों द्वारा पौधारोपण किया जा सकता है। उपस्थित इंटरेक्ट सदस्यों ने गड्ढे खोदने, खाद मिलाने और पौधे रोपने में गहरी रुचि ली। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों द्वारा बांस, पपीता, अशोक के पौधे एवं फलदार पौधे लगाये गये। वृक्षारोपण में सक्रिय भाग लेने वाले छात्रों में जिया, अनुष्का, वंशिका, श्रुति, त्रिशिका, नैना, लवली, आर्यन, दक्ष, अनित, अनमोल, जॉयसन, रोहित, अनिवेश, एलेक्स, अरविंद, अर्पित शामिल थे। बच्चों के साथ इंट्रेक्ट इको क्लब प्रभारी मिस हर्षिता मैम और समारा एन मैम उपस्थित थीं। स्कूल लौटने से पहले बच्चों ने फार्म हाउस में हल्के जलपान का आनंद लिया।

फायर एनओसी की जांच लगभग ठप पड़ी

दोषियों पर नहीं हो रही कार्यवाही

जबलपुर।

विशेष जांच दल गठित हो: उपभोक्ता मंच

जबलपुर में फायर सेफ्टी प्लान तथा फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट्स की जांच लगभग ठप पड़ी है। दोषियों पर कार्यवाही तो दूर, नोटिस तक जारी नहीं हो रहे हैं, आखिरी नोटिस 01 अप्रेल को जारी हुआ है। उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधियों ने फायर अधिकारियों कुशाग्र ठाकुर तथा गजेन्द्र पटेल से जब इस संबंध में चर्चा की तो फायर अधिकारियों ने बताया कि स्टाफ की कमी के कारण फायर एनओसी आदि की चेकिंग के कार्य में सुस्ती आई है।

राज्य सरकार का पत्र

डॉ. पीजी नाजपांडे ने बातया कि एक वर्ष पूर्व 17 जनवरी 2025 को आयुक्त नगरीय प्रशासन मप्र शासन ने फायर सेफ्टी प्लान तथा फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट संबंधी पत्र जारी कर कार्यवाही के निर्देश जारी किए थे, लेकिन न तो जिला प्रशासन, न ही नगर निगम ने कोई गंभीरता दिखाई है। जबलपुर में रहवासी क्षेत्रों में ज्वलनशील सामग्री के गोदाम तथा कारखाने स्थापित किए गए हैं, इनसे भारी बड़े हादसे हो सकते हैं, अतः विशेष जांच दल तत्काल गठित कर कार्यवाही की जाना चाहिए। इस संदर्भ में उपभोक्ता मंच ने महापौर, नगर निगम आयुक्त तथा कलेक्टर को पत्र प्रेषित किया है। चर्चा में डीआर लखेरा, टीके रायघटक भी शामिल थे।

झारिया समाज का सम्मेलन आज

जबलपुर

झारिया कल्याण संघ जबलपुर के तत्वावधान में समाज का वार्षिक सम्मेलन 26 अप्रैल 2026 को मानस भवन जबलपुर में प्रातः 10 बजे से आयोजित किया जायेगा। सम्मेलन के दौरान विवाह योग्य युवक-युवतियों द्वारा मंच से परिचय दिया जायेगा। कक्षा 10वीं एवं इससे उच्च कक्षाओं की बोर्ड परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान किया जायेगा। निःशुल्क दहेज रहित 11 आदर्श विवाह सम्पन्न कराये जायेंगे। समाज की विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया जायेगा। संघ के डॉ. एन.पी. झारिया, गणेश सिंह झारिया, पुष्पा झारिया, अजय झारिया, संतोष झारिया, बलराम झारिया, अमित मेहरा, रामेश्वर प्रसाद मेहरा, चंद्रप्रकाश झारिया, अशोक झारिया, दुर्गा झारिया, हरि मेहरा इत्यादि पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वजातीय बंधुओं से सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

ए.पी. नर्मदा महाविद्यालय में विश्व रचनात्मकता और नवाचार दिवस मनाया

जबलपुर। वन-एमपी बटालियन जबलपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नितिन शर्मा के मार्गदर्शन में बटालियन की एनसीसी सब यूनिट ए.पी. नर्मदा महाविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स के द्वारा विश्व रचनात्मक और नवाचार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स के द्वारा आर्टिफीशियल इंटेलीजेंसी शीर्षक के ऊपर सामूहिक चर्चा की गई। कैडेट्स के द्वारा एआई के उपयोग एवं दुरुपयोग के बारे में अपने विचार रखे गए। इस कार्यक्रम को एक मॉक पार्लियामेंट का रूप दिया गया जिसमें कैडेट्स को मंत्री एवं पूर्व एनसीसी कैडेट एवं यूथ आइकन ऋषिता पटेल को सभा का स्पीकर बनाया गया। इस कार्यक्रम का मंतव्य भी रहा कि कैडेट्स सार्वजनिक तौर पर मंच पर आकर अपने विचार रखकर अपनी झिझक खोलें। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य एवं एनसीसी पेट्रोन डॉ. सोनल खरे कैडेट्स के जजमेंट हेतु उपस्थित रहीं, वही कार्यक्रम का समन्वयन महाविद्यालय की एनसीसी अधिकारी लेफ्टि. डॉ. दिव्या पाराशर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के सफल संचालन पर महाविद्यालय के चेयरमेन सर्वेश्वर चमन श्रीवास्तव ने हर्ष व्यक्त किया एवं कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन एवं मार्गदर्शन के लिए बटालियन के कमान अधिकारी का आभार। साथ ही कहा कि ऐसी गतिविधियां कैडेट्स के अंदर आत्मविश्वास जागती हैं। महाविद्यालय के कुलसचिव मानवेंद्र सिंह एवं एनसीसी अधिकारी एवं समस्त एनसीसी की टीम को कार्यक्रम के लिए बधाई ज्ञापित की गई।

केंद्र सरकार की अमृत महोत्सव योजना तोड़ रही दम

8 माह से नहीं हो रही पेमेंट मजदूर दर-दर भटक रहे

भेड़ाघाट।

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अमृत 2.0 के अंतर्गत वृक्षारोपण वाटर सप्लाई महिलाओं सशक्तिकरण योजना के साथ ही केंद्र सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं का अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत काम तो कर लिया जाता है पेमेंट में सालों साल लग रहे हैं भेड़ाघाट नगर परिषद के अंतर्गत 2000 वृक्ष रोपण का लक्ष्य रखा गया था जिसमें पंचवटी, लम्हेटाघाट ,गोपालपुर, मैं वृक्षारोपण किया गया है और महिलाएं लगातार काम कर रही हैं उनको 8 से 10 मा का वेतन नहीं मिलने से अधिकारियों के चक्कर काट रही हैं अधिकारियों का कहना है कि हमारे द्वारा बिल भोपाल भेज दिया गया है भोपाल से आपके खातों में पैसा डाल दिया जाएगा अभी फंड केंद्र सरकार से आ नहीं रहा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी योजना अमृत महोत्सव योजना को अधिकारी कैसे पलीता लगाते हैं यह देखा जा सकता है जबलपुर संभाग में 29 नगर परिषद में यही हाल है कई कर्मचारियों ने बताया कि केंद्र सरकार की योजना होने के कारण हम लोगों से कार्यक्रम हेतु अन्य जरूरत की की वस्तुओं का क्रय तो कर लिया जाता हैं पेमेंट की जब बात आती है तो अधिकारी कहते हैं कि हमने बिल भोपाल भेज दिया है वहां से ऑनलाइन पेमेंट आपके खातों में आयेंगी। एक साल के लगभग देखा जा रहा है कि हमेशा फंड का रोना रोए जा रहा है आखिर केंद्र सरकार की योजना को राज्य सरकार के अधिकारी मिट्टी पलीत करने पर उतारू है और लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना को जनता के कैसे लाभ मिलेगा यह कह पाना असंभव सा लग रहा है बड़ी सोचनीय बात है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी और मध्य प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है इसके बाद भी केंद्र सरकार की योजना को कैसे विफल किया जाता हैं यह मध्य प्रदेश सरकार में बैठे मठाधीश अधिकारियों से सीखा जा सकता हैं मजदूर का पेमेंट और अन्य कार्यक्रम होते हैं उसमें नगर परिषद के कर्मचारियों से कार्यक्रम सफल बनाने हेतु समान मंगा लिया जाता है और बिल में सालों से नगर परिषद भेड़ाघाट के चक्कर लगाते रहते हैं अमृत महोत्सव योजना 2.0 मैं कर्मचारी कैसे काम कर रहे हैं मध्य प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बदनाम करने की साजिश तो नहीं चल रही ऐसा लग रहा है कि अधिकारियों द्वारा एक तीर से दो निशाना साधे जा रहे हैं जिसमें केंद्र सरकार की योजना को विफल साबित किया जा सके मध्य प्रदेश सरकार द्वारा फंड रोके जाने से मजदूरों की पेमेंट और अन्य सामग्रियों की पेमेंट ना होने से केंद्र और राज्य सरकार की किरकिरी कर रहे हैं काम की समय तो बड़ी-बड़ी बातें करके काम कर लिया जा रहा है और अब पेमेंट के लिए दर-दर भटकाया जा रहा है एक कर्मचारी ने बताया कि हम लोगों कोअपनी पेमेंट से मतलब है जनता परेशान हो हमें क्या करना हम तो दो चार महिलाओं को इकट्ठा करके फोटो व्हाट्सएप पर डाल देते हैं और हमारी खाना पूर्ति हो जाती हैं संभाग आयुक्त स्तर पर इस योजना का मॉनिटरिंग नहीं होने से केंद्र सरकार की योजना को मिट्टी पलीत करने पर अधिकारी उतारू हैं और राज्य सरकार के द्वारा पेमेंट न करने का आरोप लगाया जा रहा है वल्लभ भवन में बैठे अधिकारियों को अपने संज्ञान में लेना चाहिए नहीं तो माहौल नहीं तो भारतीय जनता पार्टी का माहौल खराब करने पर अधिकारी और कर्मचारियों की करतूतो से लगता है कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सरकार विफल है।

इनका कहना

जब अधिकारियों से चर्चा की गई तो मजदूरों की मजदूरी 8 माह से न मिलने की बात कही गई तो कहा गया कि आप कहीं भी शिकायत करें हम लोगों का काम है बिल भेजना राज्य सरकार द्वारा फंड का रोना रोए जा रहा हैं

अमित दांगी
डेवलपमेंट अधिकारी जबलपुर

डिजिटल प्रस्तुति में झलकी दक्षता : प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन के साथ कंप्यूटर प्रशिक्षण का समापन

जबलपुर। प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, जबलपुर में आयोजित हैंड्स-ऑन कंप्यूटर प्रशिक्षण के तृतीय बैच का समापन विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कंप्यूटर असाइनमेंट एवं प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन के साथ एक भव्य समारोह में हुआ। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने अपने अर्जित ज्ञान और डिजिटल कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए प्रशिक्षण की गुणवत्ता को प्रमाणित किया। यह संपूर्ण कार्यक्रम प्रशिक्षण संस्थान की प्राचार्य एफ. इक्का के मार्गदर्शन में तथा आईसीटी प्रभारी डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव की सतत प्रेरणा में संचालित किया गया, जिनके सतत प्रोत्साहन और नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण ने इस कार्यक्रम को एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित किया।

प्रशिक्षणार्थियों के फीडबैक ने कार्यक्रम को और भी सार्थक बना दिया। रीता ठाकुर ने अपने फीडबैक में कहा कि "इस प्रशिक्षण ने कंप्यूटर के प्रति मेरी समझ को व्यावहारिक रूप से विकसित किया और अब मैं इसे अपने शिक्षण कार्य में आत्मविश्वास के साथ उपयोग कर सकती हूँ।" आगे उन्होंने कहा कि पूरे प्रशिक्षण समय पर डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव का उपस्थित रहकर समय-समय पर हर छोटी समस्या का समाधान सरल तरीके से समझाया गया, जिससे काफी प्रेरणा मिली।यामिनी ठाकरे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि "डॉ. श्रीवास्तव के सतत मार्गदर्शन में दोनों प्रशिक्षकों राज शर्मा तथा जितेश गुप्ता का प्रशिक्षण देने का तरीका बहुत ही स्पष्ट और व्यावहारिक है। उन्होंने हमें आत्मविश्वास के साथ कंप्यूटर का उपयोग करना सिखाया।"

सर्जना हल्दकार ने कहा कि "इस प्रशिक्षण में डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा दिए गए व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने हमारी समझ को गहराई दी। यह कार्यशाला वास्तव में एक उत्कृष्ट नवाचार है।" सभी प्रतिभागियों ने संस्थान के इस प्रयास को सराहते हुए आईसीटी प्रभारी डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। समापन अवसर पर डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव ने कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा एवं जितेश गुप्ता का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "उनके अनुभव और सरल प्रशिक्षण शैली ने इस कार्यशाला को अत्यंत प्रभावी बनाया।" साथ ही उन्होंने सभी प्रशिक्षणार्थियों के सकारात्मक सीखने के दृष्टिकोण की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा ने कहा कि "यदि सीखने की जिज्ञासा बनी रहे, तो कंप्यूटर कौशल प्राप्त करना अत्यंत सरल हो जाता है। यहां के प्रतिभागियों में सीखने का उत्साह सराहनीय है।" जितेश गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि "व्यावहारिक प्रशिक्षण ही वास्तविक ज्ञान देता है और इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने इसे सिद्ध किया है।"

प्राचार्य प्रतिनिधि जी.पी. यादव ने कहा कि "ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नई तकनीकों से जोड़कर शिक्षा को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाते हैं।" यह समापन समारोह केवल प्रशिक्षण का अंत नहीं, बल्कि प्राचार्या एफ. इक्का का नेतृत्व तथा डॉ. श्रीवास्तव के नवाचारों की सफल परिणिति है। यह डिजिटल दक्षता और नवाचार आधारित शिक्षण की एक नई दिशा का सशक्त संकेत है, जो आने वाले समय में शिक्षा की गुणवत्ता को और सुदृढ़ करेगा। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों- नेहा रजक, श्रेया दुबे, श्रेयांश रहांगडाले, सुरप्रीत कौर, यजुवेन्द्र सिंह एवं विशाखा खोब्रागड़े को आकर्षक प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रतिनिधि जी.पी. यादव, ICT प्रभारी एवं कार्यक्रम संचालक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, कंप्यूटर विशेषज्ञ राज शर्मा एवं जितेश गुप्ता, सुरेन्द्र चौधरी, श्री रहमान, सुदेश राहंगडाले सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

15 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत-जर्मनी के शिक्षाविदों के बीच शिक्षा प्रणाली और नवाचार पर होगा मंथन

जर्मनी के ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में शामिल होंगे डॉ. अनुराग

जबलपुर। जबलपुर के अंतरराष्ट्रीय प्रेरक डॉ. अनुराग सोनी जर्मनी में आयोजित प्रतिष्ठित ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में शिरकत करेंगे। 15 दिवसीय इस कार्यक्रम में भारत और जर्मनी के शिक्षाविद एवं शिक्षा अधिकारी भाग लेकर वैश्विक शिक्षा के नए आयामों पर विचार-विमर्श करेंगे।

जर्मनी में आयोजित इस लीडरशिप प्रोग्राम के दौरान प्रतिभागी विश्व की प्राचीनतम विश्वविद्यालयों में से एक में उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली को करीब से समझेंगे। कार्यक्रम में दोनों देशों के शिक्षाविद एक-दूसरे की शिक्षा पद्धतियों का अध्ययन करेंगे और रचनात्मक व नवाचार आधारित शिक्षण विधियों को अपनाने पर चर्चा करेंगे।

जर्मनी में आयोजित ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम में भाग लेने जा रहे अंतरराष्ट्रीय प्रेरक डॉ. अनुराग सोनी।

कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों से संवाद के साथ-साथ जर्मनी की स्कूली शिक्षा प्रणाली का भी गहन अध्ययन किया जाएगा। इसमें कक्षा अभ्यास, नेटवर्किंग एवं सहयोग, व्यावसायिक शिक्षा, शोध कार्यक्रम और शिक्षा नीति जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहेंगे। विशेष रूप से बच्चों में उद्यमिता कौशल विकसित करने वाली शिक्षा पर फोकस किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि यह विश्वविद्यालय वर्ष 1386 में स्थापित हुआ था और इससे 26 नोबेल पुरस्कार विजेता जुड़े रहे हैं। यहां 130 देशों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जो इसे वैश्विक शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाता है। जबलपुर के लिए यह गर्व का विषय है कि डॉ. अनुराग सोनी इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर न केवल सहभागिता करेंगे, बल्कि वहां की शिक्षा प्रणाली पर शोध भी करेंगे।

कार्यक्रमः ग्लोबल लीडरशिप प्रोग्राम

अवधिः 15 दिन
स्थानः जर्मनी
प्रतिभागीः भारत एवं जर्मनी के शिक्षाविद
विश्वविद्यालय स्थापनाः 1386
नोबेल पुरस्कार विजेताः 26
विद्यार्थीः 130 देशों से

अनुराग सोनी

ब्रिटिश संसद एवं नॉर्वे की संसद में सम्मानित किए गए साथ ही। ऑक्सफोर्ड एवं कैम्ब्रिज के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता कर चुके है। इन्होंने अनेक देशों के विद्यार्थियों को प्रेरित किया है।

आसना एम ने ऑल इंडिया गर्ल्स कैटेगरी में हासिल की पहली रैंक

नारायणा कोचिंग का जेईई मेन्स 2026 में शानदार प्रदर्शन

जबलपुर। नारायणा कोचिंग ने जेईई मेन्स 2026 के परिणाम में ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है। ऑल इंडिया गर्ल्स कैटेगरी में नारायणा की छात्रा आसना एम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। वहीं विभिन्न विषयों में 60 छात्रों ने 100 परसेंटाइल हासिल की है। ऑल इंडिया रैंक 100 में ओपन कैटेगरी के 29 छात्र शामिल हैं, जबकि AIR 1000 में ओपन कैटेगरी के 171 छात्र अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। नारायणा कोचिंग सेंटर जबलपुर के 19 छात्रों ने जेईई मेन्स 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसमें देव कुंदनानी 98.77, अथर्व श्रीवास्तव 98.22, नयन लखेरा 97.64, श्रृष्टि शुक्ला 96.52 और आशी सिंह 95.63, विश्वरूप शर्मा 94.26 परसेंटाइल प्रमुख रहे। नारायणा का यह प्रदर्शन उनकी अनस्टॉपेबल कंसिस्टेंसी अटूट निरंतरता को दर्शाता है। संस्थान के सेन्टर हेड श्री रीतेश कुमार ने कहा कि यह छात्रों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है और एडवांस में भी इसी प्रकार का शानदार प्रदर्शन जारी रहेगा।

ब्रांच मैनेजर सत्य प्रकाश पांडे ने बताया की हम जेईई मेन्स 2026 में अपने छात्रों की शानदार सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उनकी मेहनत और संकल्प, नारायणा की गुणवत्तापूर्ण कोचिंग के साथ मिलकर इन बेहतरीन परिणामों को संभव बना पाया है। नारायणा में हम ऐसे पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने में मदद करते हैं। हम सभी सफल छात्रों को बधाई देते हैं और उनके भविष्य के अगले चरणों के लिए उन्हें शुभकामनाएँ देते हैं।

सिरूपुरा में पेयजल की समस्या का निवारण, त्वरित बहाल हुई पेयजल व्यवस्था, मंत्री उइके ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने नर्मदापुरम के सिवनी मालवा के ग्राम सिरूपुरा में पेयजल समस्या की जानकारी मिलते ही तत्काल संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में विभागीय अमला तुरंत सक्रिय हुआ और मौके पर पहुंचकर आवश्यक सुधार कार्य प्रारंभ किया गया। निरीक्षण के दौरान तकनीकी कारणों एवं जल स्तर में कमी के चलते प्रभावित हैंडपंपों को प्राथमिकता से दुरुस्त किया गया। सभी बंद पड़े हैंडपंपों का सुधार कार्य पूर्ण कर उन्हें पुनः चालू कराया गया। साथ ही नलकूप में आवश्यक पाइप बढ़ाकर नलजल योजना को भी पुनः क्रियाशील किया गया।

सभी घरों तक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए

नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील के ग्राम सिरूपुरा में जल जीवन मिशन अंतर्गत 14.13 लाख रुपए की लागत से रेट्रोफिटिंग नलजल योजना के अंतर्गत पुराने नलकूप में मोटर पंप स्थापित कर 1064 मीटर पाइपलाइन के माध्यम से सभी घरों तक घरेलू नल कनेक्शन प्रदान किए गए। योजना के समस्त कार्य पूर्ण कर इसे ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किया गया है, जिसका संचालन एवं संधारण किया जा रहा है। हाल ही में मोटर पंप में आई तकनीकी समस्या एवं जल स्तर में कमी के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई थी, जिसे आवश्यक सुधार कार्य एवं पाइप बढ़ाने की कार्रवाई के माध्यम से पुनः सुचारू कर दिया गया है।

डॉ. यादव ने जनता को दिया संदेश: किसान कल्याण वर्ष में मप्र को कृषि के क्षेत्र में ले जाएंगे नई ऊंचाइयों तक

किसानों से जो वादा किया, वह पूरा करके भी दिखाया कृषकों की समृद्धि ही मप्र की है असली ताकतः सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र का समृद्ध किसान ही विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सच्चा वादा और पक्का काम, यही हमारी सरकार का संकल्प है। हमने किसानों से जो वादा किया, वह पूरा करके भी दिखाया है। जब हमारे खेतों से लेकर कारखाने तक समृद्धि आएगी। तभी तो हमारे किसान भी समृद्ध और खुशहाल होंगे। मैं प्रदेश के सभी किसान भाइयों-बहनों को आश्वस्त करता हूं कि उनकी मेहनत, पसीना और आपका भविष्य हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को प्रदेश की जनता के नाम यह संदेश दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि मैं अपने आपको सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे मप्र की सेवा का अवसर मिला है और उसी सेवा भाव से मैं अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा हूं। जब से मैंने मुख्यमंत्री के रूप में इस महत्वपूर्ण पद की शपथ ली है, तब से पूरा मप्र ही मेरा परिवार है, प्रदेशवासियों का सुख ही मेरा सुख है और उनका दुख ही मेरा दुख है। इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित किया गया है।

सच्चा वादा और पक्का काम, यही मप्र सरकार का है संकल्प

फाइल फोटो

गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 100 लाख मीट्रिक टन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेशवासियों से यह साझा करना चाहता हूं कि प्रदेश में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन को देखते हुए हमने केंद्र सरकार से खरीदी की सीमा बढ़ाने का आग्रह किया था। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि किसानों के हित को सर्वोपरि रखते हुए गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। यह 22 लाख मीट्रिक टन की अभूतपूर्व वृद्धि न केवल हमारे किसानों की मेहनत का सम्मान है।

हर परिस्थिति में आखिरी दम तक रहेंगे अन्नदाताओं के साथः सीएम

प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की दिशा में निरंतर नवाचार

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की दिशा में हम निरंतर नवाचारों के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमने दुग्ध उत्पादन से लेकर संकलन बढ़ाने के भी प्रयास किए हैं और 1752 नई दुग्ध समितियों का गठन किया है। हमारा प्रतिदिन का दूध संकलन 10 लाख किलोग्राम से अधिक पुहंच गया है और दुग्ध उत्पादक किसानों को 1600 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है। किसानों को अब दूध का दाम प्रतिकिलो 8 से 10 रुपए बढ़कर मिल रहा है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि प्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल युद्ध की स्थिति के बावजूद प्रदेश में यूरिया की उपलब्धता 5.90 लाख मीट्रिक टन है, जो पिछले साल से भी अधिक है। इसी प्रकार अन्य उर्वरक के भी पर्याप्त भंडारण किए गए हैं।

गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग पूरी तरह से खोली जा चुकी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मुझे यह बताते हुए भी अत्यंत प्रसन्नता है कि आज से पूरे प्रदेश के छोटे-बड़े सभी किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग पूरी तरह से खोली जा चुकी है। गेहूं उपार्जन अब सप्ताह में 6 दिन होगा और शनिवार को अवकाश नहीं रहेगा। साथ ही 30 अप्रैल तक होने वाली स्लॉट बुकिंग को अब 9 मई तक बढ़ा दिया गया है। सरकार ने भू-अर्जन को भी लेकर एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब किसानों को उनकी भूमि के बदले 4 गुना तक मुआवजा दिया जाएगा।

अब किसानों को रात के बदले दिन में ही सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उड़द को तय समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। किसानों को तय समर्थन मूल्य के अतिरिक्त खरीदी गई उड़द पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस राशि भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरसों का दाम एमएसपी से भी अधिक मिल रहा है। किसानों को मात्र पांच रुपए में कृषि पंप कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, हमारी योजना है कि अब हमारे किसानों को रात के बदले दिन में ही सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिलेगी।

जिला अधिवक्ता संघ में सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त

भोपाल। जिला अधिवक्ता संघ के मुख्य चुनाव अधिकारी इंद्रजीत सिंह राजपूत ने गुरुवार को जिला अधिवक्ता संघ के कार्यालय में मुख्य चुनाव अधिकारी का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मुख्य चुनाव अधिकारी इंद्रजीत सिंह राजपूत ने चुनाव के सुचारू रूप से संचालन के लिए शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व महापौर दीपचंद यादव तथा उमेश निगम को संरक्षक मंडल में नियुक्त करते हुए 40 सहायक चुनाव अधिकारियों को नियुक्त किया है। इनमें मो.लईक खान, हाशिम अली, पुरुषोत्तम पंजवानी, पुरुषोत्तम मालपानी, प्रदीप कुमार त्रिवेदी, रोहित पी श्रोति, मनीष कुमार द्विवेदी, आकाश तेलंग, अजय सिंह भाटी, सुनील सेवलानी, अनिल कुमार शुक्ला, नीतू शर्मा, खालिद कुरैशी, अब्दाल हुसैन, राजेश सिंह और सपना तिवारी सहित अन्य अधिवक्ता शामिल हैं।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए- कछवाहा (काछी) DOB 03/03/1995 हाइट 5'2" MSc., BEd., PGDCA शासकीय सेवारत कन्या हेतु वर चाहिए। शासकीय अशासकीय स्वयं का व्यवसाय सभी मान्य। सम्पर्क करें- 8305392398, 83490 78433 (1362)

वधु चाहिए

वधु चाहिए- श्री धीरेन्द्र सिंह ठाकुर (आयु 47), स्वस्थ, जिम्मेदार एवं पारिवारिक प्रवृत्ति के वर हेतु सुशील, सुसंस्कृत एवं समझदार वधु चाहिए। जाति बन्धन नहीं। सम्पर्क करें- +91 94255 82641 (630)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार)
17/09/82 हाइट 5'-11"
एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्राइवेट क्लीनिक मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दू उच्च जाति मान्य। मैरिज ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें
9131453175

राशिफल

मेष आज आपका दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा। नौकरी या व्यवसाय में कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा।

वृष घरेलू जीवन सुखमय रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ छोटी-मोटी बात पर संवाद जरूरी है। नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन आज बौद्धिक कार्यों में आपका दिमाग तेज चलेगा। कम्युनिकेशन स्किल्स का पूरा फायदा उठाएँ। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं।

कर्क परिवार और माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल मिलेगा, लेकिन जल्दबाजी से बचें। प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

सिंह आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन करने का अच्छा दिन है। कार्यक्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है।

कन्या आज व्यवस्था और अनुशासन आपकी सफलता का आधार बनेगा। नौकरी या व्यापार में बाधाएँ दूर होंगी छात्रों को पढ़ाई में एकाग्रता मिलेगी।

तुला आज रिश्तों और साझेदारी पर जोर रहेगा। जीवनसाथी या पार्टनर का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में टीम वर्क से सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आज गहन चिंतन और रहस्यमयी ऊर्जा आपको घेरेगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें, खासकर कमर और जोड़ों का।

धनु आज साहस और उत्साह से भरा दिन रहेगा। लंबी यात्रा या नया प्रोजेक्ट शुरू करने का शुभ समय है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में रोमांस बढ़ेगा।

मकर आर्थिक मामलों में सुधार होगा। परिवार में माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा। छात्रों के लिए दिन अच्छा है, लक्ष्य स्पष्ट रखें। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कुंभ कार्यक्षेत्र में बदलाव फायदेमंद साबित होगा। आर्थिक लाभ के योग हैं। परिवार के साथ समय बिताना सुखद रहेगा। नकारात्मक लोगों से दूरी बनाए रखें।

मीन कलात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नींद पूरी लें। प्रेम संबंध गहरे होंगे। कार्यक्षेत्र में पुरानी समस्याएँ हल होंगी।

अफवाहों के बीच खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने स्पष्ट की स्थिति

राज्य में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं

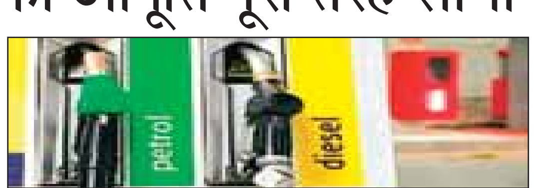

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल-डीजल की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्य में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक घबराहट से बचें। विभाग के अनुसार पश्चिम एशिया में बने हालात को देखते हुए राज्य सरकार लगातार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के संपर्क में है, ताकि प्रदेश में ईंधन आपूर्ति निर्बाध बनी रहे। अधिकारियों ने बताया कि एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडारण मौजूद है और आपूर्ति की नियमित साप्ताहिक समीक्षा की जा रही है। राज्य में संचालित 2516 पेट्रोल पंपों और प्रमुख ऑयल कंपनियों के डिपो में पर्याप्त ईंधन उपलब्ध है। मार्च में पेट्रोल की जरूरत के मुकाबले 126 प्रतिशत और डीजल की 183 प्रतिशत आपूर्ति दर्ज की गई, जबकि अप्रैल में भी मांग के अनुरूप सप्लाई जारी है।

राज्य और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष सक्रिय

खाद्य विभाग के मुताबिक फिलहाल प्रदेश में लगभग 22 दिनों की जरूरत के बराबर पेट्रोल और 15 दिनों की खपत के लिए डीजल उपलब्ध है। विभाग ने कहा कि किसी भी तरह के संकट की स्थिति नहीं है और उपभोक्ताओं को घबराने की जरूरत नहीं है। जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक के लिए जिलों में आकस्मिक निरीक्षण और छापेमारी भी जारी है। राज्य और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष सक्रिय हैं, वहीं शिकायतों के लिए विभागीय कॉल सेंटर भी संचालित किया जा रहा है। हाल ही में तीनों ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा रिटेल आउटलेट से डीजल खरीदने से अस्थायी दबाव बनने की बात सामने आई, जिस पर कंपनियों को मांग के अनुरूप सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शब्द पहेली - 6207

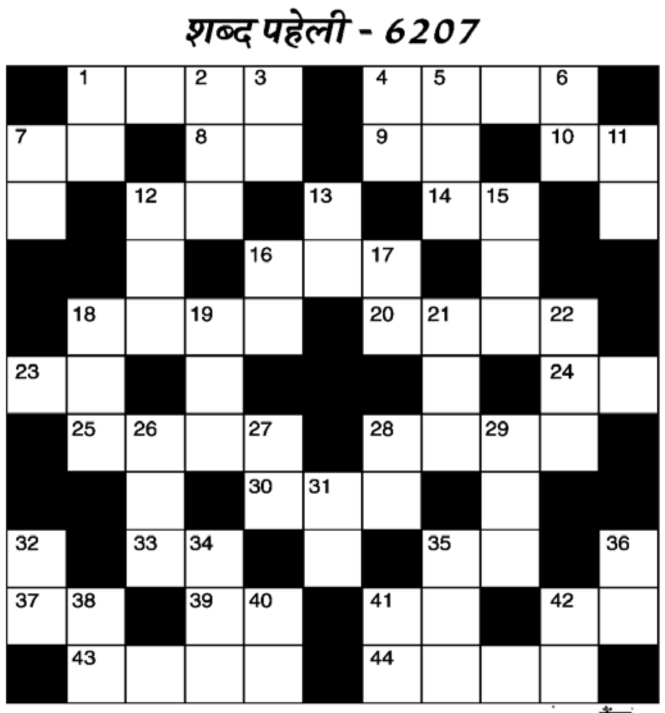

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -6206 का हल

सूडोकू नवताल - 6217

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6216 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

विशेषः अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस 29 अप्रैल

आवरण कथा / प्रस्तुतिः रेणु खंतवाल

नृत्य ऐसी कला है, जो जीवन को उमंगित कर देती है। जिनके जीवन में नृत्य शामिल होता है, वे हर पल संतुलित, आनंदित महसूस करते हैं। नृत्य दिवस के अवसर पर यहां अलग-अलग शैली के नर्तक और नृत्यांगनाएं बता रहे हैं नृत्य का उनके जीवन में क्या महत्व है? यानी, नृत्य ने उनके जीवन को किस-किस स्तर पर बदला, उसे अलग दिशा प्रदान की? जब नृत्य के दौरान वे उसमें पूरी तरह खो जाते हैं तो उस समय किस तरह की अनुभूति होती है? और शारीरिक-मानसिक सेहत बेहतर करने में नृत्य की भूमिका को कितना महत्वपूर्ण मानते हैं?

जीवन की सरगम पर तन-मन की थिरकन

नृत्य से जीवन में निखार आता है

कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना

नृत्य मेरे लिए जीवन है और मेरे जीवन में नृत्य है। मैं ऐसा महसूस करती हूं कि अगर मेरे जीवन में नृत्य नहीं होता तो मेरे जीवन का कोई अस्तित्व भी नहीं होता। नृत्य ने समय-समय पर मेरे जीवन को बदला, स्थापित किया। मुझे अलग-अलग स्तर पर पहचान दी, आगे बढ़ाया। इसी की वजह से मुझे कॉलेज में स्कॉलरशिप मिली और देश दुनिया में अपनी कला दिखाने का अवसर मिला। मैं दृढ़ विश्वास से आगे बढ़ पाई। सन 2013 में मुझे ओडिसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। इस पुरस्कार का भी मेरे जीवन में बहुत महत्व रहा है। नृत्य के माध्यम से मैंने खुद को खोजा, समझा कि मुझमें क्या अच्छाई है, क्या कमी? जब भी मैं नृत्य करती हूं, उसमें खो जाती हूं। उसके बाद मैं नृत्य के शिखर बिंदु पर पहुंच जाती हूं। वहां तो मुझे अपनी कोई सुधबुध नहीं रहती। पूर्ण समर्पण के साथ मैं नृत्य में डूबी होती हूं। उस दौरान एक दिव्य शक्ति को महसूस करती हूं। जब मैं अपनी प्रस्तुति पूरी करती हूं, उसके बाद मुझसे कुछ बोला ही नहीं जाता, मैं चुप हो जाती हूं। कभी महसूस करती हूं कि अब मुझे एकांत चाहिए। जिस शक्ति के साथ मैं नृत्य कर रही थी, उसी शक्ति के साथ मैं कुछ वक्त बिताऊं। नृत्य से मुझे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है। हर व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में नृत्य को शामिल करना चाहिए। नृत्य से जीवन में निखार आता है। नृत्य के माध्यम से आप समाज में अलग पहचान, महत्व बनाते हैं। बहुत त्याग और तपस्या से मैंने नृत्य के माध्यम से देश-दुनिया में एक अलग पहचान बनाई है। *

तन-मन-जीवन के लिए जरूरी है नृत्य

श्रुति सिन्हा, कथक नृत्यांगना

नृत्य मेरे जीवन का महत्वपूर्ण, बहुआयामी हिस्सा है। नृत्य ने मुझे जीने का सकारात्मक नजरिया दिया। मेरा शरीर, मन और आत्मा पूरे तरीके से नृत्य में डूबे रहते हैं। मैं नृत्य के जरिए खुद को बहुत मजबूत महसूस करती हूं। जीवन में जितने भी उतार-चढ़ाव आते हैं, उससे उबरने में नृत्य मेरी बहुत सहायता करता है। व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और पेशेवर स्तर पर नृत्य का मुझ पर बहुत प्रभाव रहा। आज नृत्य के कारण ही सामाजिक स्तर पर मुझे इतना मान-सम्मान मिलता है। नृत्यांगना, नृत्य शिक्षिका और कोरियोग्राफर के रूप में मेरी पहचान है। नृत्य ने ही मुझे सकारात्मक, ऊर्जावान बनाया। आत्म खोज व अनुशासन के साथ लक्ष्य की ओर बढ़ना सिखाया। रचनात्मक नई सोच और कल्पनाशक्ति प्रदान की। इस तरह नृत्य ने मुझे जीवन में बहुत कुछ दिया है। कई बार नृत्य करते हुए मैं जब उसमें पूरी तरह खो जाती हूं, उस समय जो अनुभूति होती है उसे शब्दों में बताना मुश्किल है। उस अनुभूति को सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उस समय मैं सिर्फ अपने आप में लीन होकर नृत्य में डूबी होती हूं। शायद इसे ही नृत्य के जरिए मनुष्यतत्व का देवतत्व तक पहुंचना कहते हैं। नृत्य बहुत अच्छा व्यायाम भी है, जिससे शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। नृत्य आत्मविश्वास बढ़ाता है, तनाव, चिंता व अवसाद कम करता है। नृत्य, संगीत और ताल के साथ जुड़कर मन को खुशी व शांति देता है। मन को संतुलित करने के साथ-साथ पूरे व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाता है। इस तरह नृत्य शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए बहुत लाभकारी होता है। मेरा मानना है कि नृत्य को अपने डेली रूटीन में शामिल करने से सकारात्मक सोच बढ़ती है। आलस नहीं रहता। शरीर बीमारियों से दूर रहता है। अतः हम किसी भी उम्र के हों, नृत्य जरूर करना चाहिए। *

नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है

बीके अतुल गोस्वामी, कंटेंपरेरी डांसर-कोरियोग्राफर

मेरे लिए नृत्य केवल एक कला नहीं बल्कि मेरी पहचान है। नृत्य ने मेरे शरीर को शक्ति, मन को शांति और मेरी आत्मा को मुझसे जोड़ा है। जहां शब्द रुक जाते हैं, वहां से मेरा नृत्य शुरू होता है यानी नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। जब मैं नृत्य करता हूं और पीक पर पहुंच जाता हूं, उस समय मुझे यह महसूस होता है कि मैं डांस नहीं कर रहा हूं बल्कि मेरी आत्मा मेरे शरीर से डांस करवा रही है। उसके बाद हर बीट दिल की धड़कन बन जाती है और दुनिया कुछ पलों के लिए ठहर सी जाती है। डांस करते हुए मैं इस पीक को हमेशा महसूस करता हूं क्योंकि उन पलों में मैं खो जाता हूं। नृत्य केवल शरीर की ही नहीं बल्कि मन की थेरेपी भी होती है। नृत्य वो ताकत है, जो तनाव को भी ऊर्जा में बदल देता है। जैसे ही आप डांस करना शुरू करते हैं, शरीर में जितनी भी नकारात्मकता है, वह अपने आप रिलीज होने लगती है और आप बहुत हल्का महसूस करते हैं। अगर आप रूटीन में अपनी पसंद का कोई भी डांस शामिल करें तो यह आपको फ्रीडम का एहसास कराएगा। डांस के हर बीट पर आप अपने तनाव को कम करते जाते हैं। यह आपको शारीरिक रूप से तो फिट रखता ही है, साथ ही सोच व विचारों को सकारात्मक भी बनाता है। जब भी मैं तनाव महसूस करता हूं तो डांस करके खुद को हल्का और खुश महसूस करता हूं। इसलिए मैं तो यही सबसे कहता हूं कि हर इंसान को डांस जरूर करना चाहिए। *

नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के करीब ले जाता है

ऐश्वर्य हरीश, भरतनाट्यम नृत्यांगना

मेरे लिए नृत्य केवल जीवन का हिस्सा नहीं है बल्कि मेरा जीवन ही है। मैं अपने परिवार की पांचवीं पीढ़ी से हूं, जो नृत्य कला से जुड़ी है। नृत्य मेरे खून में रचा-बसा है। बचपन से मैं देखती आ रही हूं कि यह मेरे साथ इस तरह जुड़ गया कि कभी लगा ही नहीं कि मैं कुछ अलग काम कर रही हूं। नृत्य ने मुझे अनुशासन और धैर्य सिखाया। खुद को समझना सिखाया। जैसे-जैसे मैं नृत्य करती गई यह मेरे लिए केवल नृत्य नहीं रहा बल्कि साधना बन गया। नृत्य हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। नृत्य अध्यात्म से जोड़ता है और ईश्वर के और करीब ले जाता है। कई बार लगता है कि जो मैं शब्दों में नहीं कह पाती, वह नृत्य अपने आप कह देता है। नृत्य में जो पीक स्टेज होती है, उसे शब्दों में कह पाना मुश्किल होता है। क्योंकि उस समय आप नृत्य कर नहीं रहे होते बल्कि नृत्य बन जाते हो। एक अलग ही स्थिति होती है, जहां अहंकार धीरे-धीरे मिट जाता है। उस समय न तो समय का, न दर्शकों का और न ही मंच का बोध रहता है। बस लय भाव और एक प्रवाह रह जाता है। कभी लगता है कि बाहर और भीतर का भेद ही मिट गया है और जो कुछ भी हो रहा है, वह अपने आप हो रहा है और आप उसका आनंद ले रहे होते हैं। अगर आप कृष्ण और यशोदा का संवाद दिखा रहे हैं तो आप ही कृष्ण, आप ही यशोदा हो जाते हैं। यह बहुत गहरा आनंद होता है। यह वह पल होता है, जहां कला साधना और अध्यात्म, तीनों एक हो जाते हैं। नृत्य शरीर का संतुलन अभ्यास भी है। इससे स्ट्रैंथ और स्टैमिना बढ़ता है। नृत्य की मुद्राएं शरीर में एक संतुलन उत्पन्न करती हैं और धीरे-धीरे यही संतुलन आपके जीवन जीने के तरीके और व्यवहार में भी आता है। जब आप नियमित रूप से नृत्य करते हैं तो एकाग्रता अपने आप बढ़ने लगती है। मन स्थिर हो जाता है। जीवन में तनाव भी कम होने लगता है। मेरा मानना है कि कला इंसान को सकारात्मक बनाती है। जब आप संगीत के साथ थोड़ी देर लय ताल में थिरकते हैं तो आपकी ऊर्जा अपने आप बदलने लगती है। *

मोबाइल स्क्रीन पर सिमटता सिनेमा माइक्रो-सीरीज का चढ़ता सूरज!

न्यू ट्रेंड / गौरव द्विवेदी

फिल्म, टीवी सीरियल, वेब-सीरीज और शॉर्ट फिल्म्स के बाद अब माइक्रो-सीरीज का ट्रेंड तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसके पॉपुलर होने की क्या वजहें हैं। यह किस तरह से एंटरटेनमेंट स्टाइल को पूरी तरह बदल रहा है, इस पर एक नजर।

भारत में मनोरंजन की दुनिया एक दिलचस्प मोड़ पर है। सिनेमा अब बड़े पर्दे से निकलकर मोबाइल स्क्रीन में सिमट रहा है। इस बदलाव का सबसे बड़ा चेहरा है माइक्रो-सीरीज और वर्टिकल वीडियो। यह केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक वैश्विक बदलाव है। अनुमान है कि 2025 तक दुनिया के कुल इंटरनेट ट्रैफिक का लगभग 82% वीडियो कंटेंट का रहा, जिसमें शॉर्ट, वर्टिकल वीडियो का दबदबा सबसे ज्यादा था।

बढ़ रहा शॉर्ट वीडियो मार्केटः इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने देखने की आदत को पूरी तरह बदल दिया है। अब दर्शक 'देखता' नहीं, बल्कि 'स्क्रॉल' करता है, और हर स्क्रॉल में कहानी फिट होनी चाहिए। भारत में इस बदलाव की गति और भी तेज है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक दर्शक पहले ही माइक्रो-ड्रामा कंटेंट देख रहे हैं। यानी यह अब मनोरंजन की मुख्यधारा बन चुका है। वैश्विक स्तर पर शॉर्ट वीडियो मार्केट का आकार 2026 में लगभग 59 अरब डॉलर आंका जा रहा है, जो 2033 तक बढ़कर 118 अरब डॉलर से ज्यादा का हो सकता है। सिर्फ वर्टिकल वीडियो सेगमेंट ही 2025 में लगभग 67% हिस्सेदारी तक पहुंच चुका है, जो इस फॉर्मेट की ताकत को दर्शाता है।

घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिकाः भारत में इस उभार के पीछे घरेलू प्लेटफॉर्म्स की बड़ी भूमिका है। 'कुकु टीवी' जैसे प्लेटफॉर्म ने वर्टिकल माइक्रो-ड्रामा को एक नई पहचान दी है। इसके 1.2 करोड़ (12.7 मिलियन) से अधिक डाउनलोड्स हो चुके हैं, जबकि इसके ऑडियो प्लेटफॉर्म 'कुकु एफएम' ने 1 करोड़ से अधिक पेड सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी तरह 'मोज' और 'जोश' जैसे भारतीय शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स ने मिलकर 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक यूजर इकोसिस्टम तैयार कर लिया है। नई श्रेणी के प्लेटफॉर्म जैसे 'क्विक टीवी', 'टुकटुकी', 'कटिंग' भी 2–5 मिनट के एपिसोड्स के साथ तेजी से उभर रहे हैं, और कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार हाल के महीनों में ही 150 मिलियन व्यूअर्स ने माइक्रो-सीरीज कंटेंट देखा, जबकि रोजाना एपिसोड व्यूज 100 मिलियन तक पहुंच गए।

अन्य देशों में भी बढ़ रही पॉपुलैरिटीः चीन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां 'डुआंजू' (माइक्रो ड्रामा) इंडस्ट्री तेजी से एक समानांतर फिल्म उद्योग बन चुकी है। वहीं अमेरिका में भी 'ड्रामा बॉक्स' जैसे प्लेटफॉर्म्स करोड़ों यूजर्स के साथ पारंपरिक ओटीटी को चुनौती दे रहे हैं। इतना ही नहीं, यू-ट्यूब शॉर्ट्स पर रोजाना दो सौ अरब व्यूज तक का आंकड़ा सामने आता है, जो इस बदलाव की गति को दर्शाता है।

तेजी से बढ़ रहा ट्रेंडः भारत में यह ट्रेंड और तेजी से बढ़ रहा है। सस्ते डेटा, 5जी और स्मार्टफोन के प्रसार ने इसे जन-आंदोलन बना दिया है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में युवा दर्शक अब माइक्रो-सीरीज को न केवल देख रहे हैं, बल्कि बना भी रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से भी यह मॉडल बेहद आकर्षक है। जहां एक

पारंपरिक टीवी शो के एक एपिसोड पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं, वहीं एक वर्टिकल सीरीज का पूरा सीजन कुछ लाख में बन सकता है। हालांकि, इस तेजी के साथ कुछ खतरे भी हैं। जैसे-कहानियों की गहराई कम हो रही है और एल्गोरिदम यह तय कर रहा है कि क्या चलेगा? फिर भी, यह मानना होगा कि यह बदलाव अस्थायी नहीं है। यह भारतीय मनोरंजन उद्योग के नए ढांचे की नींव है। आने वाले समय में बड़ी फिल्में और वेब-सीरीज पहले माइक्रो-फॉर्मेट में अपनी लोकप्रियता साबित करेंगी। अब सिनेमा देखा नहीं जाता, स्क्रॉल किया जाता है। और जो स्क्रॉल में फिट हो जाए, वही नया सिनेमा है। *

(लेखक फिल्म पॉलिसी के जानकार हैं)

गीत / कृष्ण बिहारी

सबकी अपनी सीमाएं हैं

कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं,
हर कोई रीता-रीता है
कहने को सभी अघाए हैं।
अतृप्त जिंदगी छूंछी-सी
ऊपर से दिखती सजी-धजी
गर पास बुलाकर बैठा लो
तो लगती कितनी बुझी-बुझी
भ्रम के साए में सभी यहां
मुरदा पहचान बनाए हैं।
पेट काट जो तन ढंकती थी
वही भरे पेट अब नंगी है
नाच-नाचकर कहे सभ्यता
दुनिया यह रंग-बिरंगी है
रंग-रोगन से पुते हुए सब
भीतर-भीतर मुरझाए हैं।
जब देह में मन अनुपस्थित हो
औ' रूप जिए केवल पीड़ा
मेले में भी तनहाई हो
औ' प्राण हीन हो हर क्रीड़ा
तो बात समझनी क्या मुश्किल
अपनों से भेद छिपाए हैं।
कोई साथ कहां तक देगा
सबकी अपनी सीमाएं हैं।

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

शातिर अंतरात्मा गब्बर की

गब्बर की अंतरात्मा ने झकझोरते हुए कहा, 'तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब वही धंधा शहर में रह कर भी किया जा सकता है, तो बीहड़ में छिपकर क्यों रहा जाए?' एक रोज गब्बर की शातिर अंतरात्मा से आवाज आई, 'रे मूर्ख, परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है। तू देखता ही होगा कि राजनेता आए दिन अपनी दलीय निष्ठाएं बदलते रहते हैं। बयानवीर अपने बयान बदल लेते हैं। सरकार में मंत्रियों के विभाग बदल जाते हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले होते रहते हैं। जिनका स्थानांतरण किया जाता है, वे जब दूसरी जगहों पर तैनाती पाते हैं तो क्या उनके गुण-धर्म बदल जाते हैं? भ्रष्टाचारी को कहीं भी भेज दो, वह भ्रष्टाचारी ही रहेगा। उसे सदाचारियों की भीड़ के बीच बैठा दो, तब भी वह स्वयं तो सुधरेगा नहीं, वहां के लोगों को अपने जैसा जरूर बना लेगा। यह काम तो तू भी कर सकता है। तू स्वभाव से डकैत है, डकैत ही रहेगा। इसलिए स्थान-परिवर्तन कर ले और अपने कर्म-परिवर्तन को यथावत बना रहने दे। चल, सम्मानित जिंदगी जीने की राह पकड़ ले!'

जब गब्बर की अंतरात्मा से यह आवाज बार-बार उठने लग गई, तब उसने एक शाम अपने गैंग के सदस्यों का एक पैनल बनाया और स्वयं एंकर की भूमिका में रहते हुए एक धुआंधार बहस की। एक बहसबाज दस्यु ने कहा, 'डकैती डालना घृणित कार्य है। अब हमें वैकल्पिक रोजगार की तलाश करनी चाहिए।' यह सुनकर दूसरे दुर्दांत बहसबाज ने घोर आपत्ति की, 'तुम बकवास कर रहे हो। डकैती तो हमारा पवित्र धर्म है। कोई हमारे धर्म को लेकर ऐसी बात कहेगा, तो मैं उसका सिर कलम कर दूंगा।' तीसरे बहसबाज डकैत ने कहा, 'अब डकैती के धंधे में पहले जैसी बरकत नहीं रही। मैं कल सरदार के आदेश पर एक गांव में गया था। वहां पर पहले हमारे जाते ही लोग अपने घरों से अनाज की बोरियां लाकर हमारे चरणों में धर दिया करते थे। इस बार मुझे पता चला कि सभी लोग खुद खाली थैले लेकर पांच किलो अनाज पाने के लिए सरकारी गल्ले की दुकानों पर गए हुए थे।' चौथे बहसबाज डाकू ने कहा, 'सरदार, अब आप ही बताइए, आपका निर्णय ही हमें दिशा दिखला सकता है।'

गब्बर ने बहस का समापन करते हुए कहा, 'मैंने तुम सबकी बातें ध्यानपूर्वक सुनी हैं और इस निर्णय पर पहुंचा हूं कि हमें अपना यह डकैती वाला धंधा छोड़ देना चाहिए और दूसरे वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। हम इस घटाटोप जंगल में अड्डे बदलते-बदलते आजिज आ चुके हैं। ऊपर से हमेशा पुलिस का डर बना रहता है। साथ में मुखबिरी के खतरे तो हैं ही। क्या पता, अपने ही गैंग का कौन बंदा कब दगा दे जाए और हम सब एक दिन किसी एनकाउंटर में मार दिए जाएं! क्यों कालिया?' तब कालिया कहने लगा, 'सरदार, मैंने आपका नमक खाया है। घोर महंगाई में आपने हमें नीबू भी खिलाए हैं। आपकी कृपा बनी रहेगी तो हम आपके फार्म हाउस में बैठकर कल पिज्जा-बर्गर भी खाएंगे। वैसे भी यह कोई हमारा पुश्तैनी धंधा तो है नहीं कि इसे छोड़ देने में डकैतों की बिरादरी में हमारी नाक कट जाएगी। हम बीहड़ की जगह शहर में रहकर भी वहां के सम्मानित डकैतों जैसी शानदार जिंदगी जी सकते हैं।' उन सभी की बातें सुनकर गब्बर ने खैनी मलते हुए पूछा, 'अरे ओ सांभा, तू क्यों चुप है? तू भी तो बता कि हमें क्या करना चाहिए?' सांभा बोला, 'सरदार, आपने जो फैसला लिया है, वही सही है।'

इसके बाद उस इलाके में अपने बर्बर आतंक के चलते कुख्यात हो चुका गब्बर अब एक शरीफ डकैत बन चुका है। यूं भी कुख्यात और विख्यात होने में कोई खास अंतर नहीं होता है। मात्र जंगल और नगर का फर्क होता है। तो गब्बर और उसका गैंग अब सम्मानित डकैत बन चुके हैं। अब उस पर सरकारें इनाम नहीं घोषित करतीं हैं। अब वह खुद सरकारों को मदद-इमदाद करता है। अब पुलिस भी उसे ठोकने की फिराक में नहीं रहती, अलबत्ता वह उसे ही सलाम ठोंकती है। लेकिन कल गब्बर के साथ एक बुरी बात हो गई। उसके घर पर सीबीआई और ईडी का छापा पड़ गया। उसकी हवेली पर बुलडोजर चल गया। गब्बर अपने पूरे गैंग के साथ जेल में है और अपनी शातिर अंतरात्मा को तलाश रहा है। वह मिल जाए तो उसे गोली मार देगा। लेकिन गब्बर यह बात नहीं जानता है कि उसकी अंतरात्मा तो डकैती के धंधे में आते ही मर चुकी थी। यह उसका आंतरिक भय था, जिसको वह गलती से अपनी शातिर अंतरात्मा समझ बैठा था। *

लघुकथा / शीला श्रीवास्तव

एहसास

सड़क पर दूर से ही पुलिस वालों की चेकिंग होती देख कमलेश ने अपनी मोटरसाइकिल वापस घुमा ली। 'क्या हुआ, गाड़ी क्यों वापस घुमा रहे हो?' पीछे बैठे दोस्त ने पूछा। 'आगे चेकिंग चल रही है। इन पुलिस वालों को कोई काम धंधा है नहीं। जब देखो चौराहे पर खड़े होकर चेकिंग करना शुरू कर देते हैं। हेलमेट क्यों नहीं पहना? लाइसेंस कहां है? बिना नंबर की गाड़ी कैसे चला रहे हो? ढेरों सवाल पूछने लगते हैं। उनको तो बस लोगों को तंग करना होता है और कुछ नहीं।' कमलेश झुंझलाते हुए बोला। 'ऐसा क्यों बोल रहे हो? वो तो बेचारे अपनी ड्यूटी करते हैं।' दोस्त ने कमलेश को समझाने की कोशिश की। 'अरे, काहे की ड्यूटी! इनको तो बस अपनी जेब भरनी होती है और कुछ नहीं।' कमलेश खीझ भरे स्वर में बोला।

इस घटना के कुछ दिनों बाद कमलेश के बेटे का एक्सीडेंट हो गया। बिना नंबर वाली गाड़ी चला रहे किसी टेंपो ड्राइवर ने पीछे से उनके बेटे की बाइक पर जोरदार टक्कर मार दी थी। हेलमेट न पहनने की वजह से उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोट लग गई थी। 'ये पुलिस वाले आखिर करते क्या हैं? बिना लाइसेंस, नंबर वाले अवैध वाहनों के खिलाफ, चेकिंग करके उन पर नियंत्रण क्यों नहीं करते?' कमलेश की पत्नी बिलखते हुए अपने पति से पूछ रही थी। आज कमलेश को अपनी उस दिन की गलती का एहसास हुआ। अब उसे पुलिस वालों की चेकिंग का महत्व समझ में आ गया था। *

पुस्तक चर्चा / कुलदीप सिंह भाटी

ग्लैमर की दुनिया का किस्सा

कथा साहित्य में किस्सागोई का एक विशिष्ट स्थान रहा है। कारण इसका यह है कि किस्सागोई में बात से बात निकलती चली जाती है। इस तरह इसमें रोचकता के साथ ही साथ जिज्ञासा भी बनी रहती है। वरिष्ठ कथाकार और शायर हबीब कैफी का नया उपन्यास 'काला, धौला और रंगीन' इसी किस्सागोई शैली में लिखा गया एक उम्दा उपन्यास है। इस कथा की मुख्य पात्र पलक है। फिल्मी दुनिया की यह सफल अभिनेत्री, जब एक साहित्यकार के आगे खुलने लगती है तो प्रायः बंद ही रहने वाली यह स्त्री जिंदगी की कई परतें खोलती चली जाती है। पता चलता है कि एक नामी राजघराने से ताल्लुक रखने वाली यह अभिनेत्री अपने क्षेत्र, फिल्मी दुनिया के साथ ही साहित्य, कला और संगीत आदि से भी बड़ी हद तक लगाव और जुड़ाव रखती है। संवेदनशील अभिनेत्री पलक इस बीच सहज ही अपनी जिंदगी की परतें भी खोलती चली जाती है तो पता चलता है कि एक्स्ट्रा जूनियर आर्टिस्ट से नामी अभिनेता बने, समीर से यह गहरे प्रेम में है। मानवीय गुणों से संपन्न नैसर्गिक अभिनेता समीर मस्त मौला स्वभाव के कारण पलक के प्रेम का ठीक-ठीक जवाब नहीं दे पाता। समय अपनी गति से गुजरता जाता है और एक दिन अचानक ही समीर दुनिया छोड़ जाता है। उपन्यास के अंत में पाठक पलक की सच्ची और गहरी मोहब्बत महसूस करते हैं तो उनका दिल भी भर आता है।

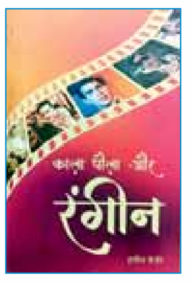

लगभग अपठनीयता के इस दौर में यह उपन्यास न केवल स्वयं को पढ़वा ले जाता है, अपितु एक गहरी कसक भी पाठक के मन में छोड़ जाता है। उपन्यास के भाषा की रवानगी भी इसकी पठनीयता को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाती है। *

पुस्तकः काला, धौला और रंगीन (उपन्यास), **लेखकः** हबीब कैफी, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** कौटिल्य बुक्स, दिल्ली

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	6	5	1	11
बेंगलुरु	7	5	2	10
राजस्थान	7	5	2	10
हैदराबाद	7	4	3	8
चेन्नई	7	3	4	6
दिल्ली	6	3	3	6
गुजरात	7	3	4	6
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	7	2	5	4
कोलकाता	7	1	5	3

ऑरेंज कैप

लोकेश राहुल
357 रन
दिल्ली

पर्पल कैप

अंशुल कंबोज
14 विकेट
चेन्नई

लय की तलाश में सीएसके, वापसी को बेताब गुजरात

एजेंसी ▸▸ चेन्नई

पिछले कुछ मैचों शानदार प्रदर्शन करने वाली चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। दूसरी तरफ लगातार दो हार का सामना करने वाली गुजरात टाइटंस की टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए बेताब होगी।

आज दोपहर 3.30 बजे से

सीएसके ने की शानदार वापसी

सीएसके ने इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं की थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार वापसी करके अपने पिछले चार मैचों में से तीन में जीत हासिल की है। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके के अभी छह अंक हैं और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बने रहने के लिए आगे किसी भी तरह की गलतियों से बचने के लिए प्रतिबद्ध होगी। सीएसके की टीम अभी अच्छी स्थिति में नजर आ रही है। मुंबई के खिलाफ उसे सैमसन की शानदार पारी और अकील हुसैन की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतर प्रदर्शन के कारण बड़ी जीत मिली।

टाइटंस अवसरों का फायदा उठाने में नाकाम

गुजरात टाइटंस की टीम अभी तक अवसरों का फायदा उठाने में नाकाम रही है। उसे पिछले दो मैच में हार का सामना करना पड़ा है। उसे मुंबई इंडियंस ने 99 रन और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 5 विकेट से हराया। उसके छह अंक है लेकिन खराब रन रेट के कारण वह सातवें स्थान पर है। आक्रामक बल्लेबाजी को बढ़ावा देने वाले प्रारुप में उनका रुढ़िवादी दृष्टिकोण हमेशा कारगर साबित नहीं हुआ है।

कप्तानी की कसौटी पर आज रहाणे और पंत

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

कहा जाता है कि कप्तान उतना ही अच्छा होता है जितनी अच्छी उसकी टीम होती है तथा ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे के लिए यह कड़वी सच्चाई साबित हो रही है, जिनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) रविवार को आईपीएल के मैच में आमने-सामने होंगी। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी केकेआर ने रहाणे को कप्तान बनाए रखकर साहसिक फैसला किया लेकिन उनकी अगुवाई में टीम इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। केकेआर को अपनी पहली जीत दर्ज करने में सात मैच लगे। यह जीत भी उसे सामूहिक प्रयास से नहीं बल्कि रिंकू सिंह के व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत मिली।

मैच रात 7.30 बजे से

रहाणे नहीं बना पा रहे तेजी से रन

रहाणे ने अब तक कुछ मैच में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं, जो कि इस प्रारुप में जरूरी है। उनकी उम्र लगभग 38 वर्ष है और ऐसे में उन्हें लंबी अवधि तक टी20 टीम का कप्तान बनाए रखना इस प्रारुप की मांगों के अनुरुप नहीं लगता है। कमजोर तेज गेंदबाजी आक्रमण और स्पिन गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के नहीं चल पाने से भी रहाणे की मुश्किलें बढ़ी। यही नहीं टीम अभी तक सही संयोजन भी तैयार नहीं कर पाई है। रचिन रविंद्र को अभी तक एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है जबकि उनके देश न्यूजीलैंड के फिन एलन और टिम सीफर्ट के बीच बिना किसी स्पष्टता के अदला-बदली का खेल चल रहा है।

राहुल का शतक बेकार, पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया

7 गेंद पहले पंजाब ने किया 264 रन चेज

दोनों पारी में लगे कुल 33 छक्के और 49 चौके

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

लोकेश राहुल की नाबाद 152 रन की पारी के बावजूद दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल के बड़े स्कोर वाले टी20 मैच में शनिवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

कैपिटल्स ने 2 विकेट पर 264 रन बनाए, लेकिन टीम के लचर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए पंजाब किंग्स ने सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की 26 गेंदों में 76 और कप्तान श्रेयस अय्यर की 36 गेंदों में नाबाद 71 रन की पारी से 18.5 ओवर में 4 विकेट पर 265 रन बनाकर आईपीएल में सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने का नया रिकॉर्ड कायम कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। मौजूदा सत्र में यह टीम की 7 मैचों में छठी जीत है। कैपिटल्स की सात मैचों में यह चौथी हार है।

प्रभसिमरन- प्रियांश की 128 रन की साझेदारी

प्रभसिमरन ने पहले विकेट के लिए प्रियांश आर्य के साथ 42 गेंदों में 128 रन की साझेदारी कर पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। तीन गेंदों के अंदर करुण नायर से मिले दो आसान जीवनदान का फायदा उठाते हुए अय्यर ने चौथे विकेट के लिए नेहाल वढेरा (25) के साथ 31 गेंदों में 51 और पांचवें विकेट के लिए शशांक सिंह (नाबाद 19) के साथ 26 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रभसिमरन ने 26 गेंदों की पारी में 9 चौके और 5 छक्के लगाए, जबकि अय्यर ने 36 गेंदों की पारी में 3 चौके और 7 छक्के जड़े।

राहुल ने नीतीश के साथ की 220 रन की साझेदारी

राहुल ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 गेंदों में 220 रन की साझेदारी कर, जिससे कैपिटल्स ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया। आईपीएल में अपने छठे शतक के दौरान राहुल ने 67 गेंदों की पारी में 16 चौके और 9 छक्के लगाए, जबकि राणा ने 44 गेंदों की पारी में 11 चौके और चार छक्कों की मदद से 91 रन बनाए। दोनों की 220 रन की साझेदारी आईपीएल की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है।

बतौर विकेटकीपर आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक

3 शतक - केएल राहुल
3 शतक - क्विंटन डिकॉक
3 शतक - संजू सैमसन
2 शतक - एडम गिलक्रिस्ट
2 शतक - ऋषभ पंत

राहुल का तीसरा बड़ा व्यक्तिगत स्कोर

राहुल का यह स्कोर किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से आईपीएल में सबसे बड़ा, जबकि ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने 226 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। राहुल को 12 रन के स्कोर पर अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने कैच छोड़कर जीवनदान दिया और इस बल्लेबाज ने उसका पूरा फायदा उठाते हुए मैदान के हर कोने में बाउंड्री लगाई। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिए, लेकिन टीम के सभी गेंदबाजों ने रन लुटाए।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
निसंका का प्रभसिमरन बो अर्शदीप	11	7	2	0
लोकेश राहुल नाबाद	152	67	16	9
राणा का अय्यर बो बार्टलेट	91	44	11	4
डेविड मिलर नाबाद	03	3	0	0

अतिरिक्त : 07, कुल योग: 20 ओवर में 264/2 रन
गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-49-1, बार्टलेट 4-0-69-1, यानसेन 4-0-44-0, वैशाख 3-0-48-0, चहल 4-0-42-0, स्टोइनिस 1-0-11-0

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4	6
आर्य का रिजवी बो अक्षर	43	17	2	5
प्रभसिमरन पगबाधा कुलदीप	76	26	9	5
कूपर कोनोली बो कुलदीप	17	10	1	1
श्रेयस अय्यर नाबाद	71	36	3	7
वढेरा का (नायर) बो निगम	25	15	3	1
शशांक सिंह नाबाद	19	10	2	1

अतिरिक्त : 14 , कुल योग : 18.5 ओवर में 265/4 रन
गेंदबाजी: औकिब नबी 2-0-41-0, मुकेश 3-0-55-0, अक्षर 4-0-44-1, नटराजन 3.5-0-54-0, कुलदीप 4-0-46-2, निगम 2-0-24-1

हादसा

कैच लेने की कोशिश में गिरे एनगिडी, सिर पर गंभीर चोट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी को दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच शनिवार को आईपीएल मैच के दौरान गंभीर चोट लगने के बाद एंबुलेंस की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया।

■ एंबुलेंस से ले जाया गया अस्पताल

जीत के लिए 265 रन का पीछा कर रही पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में कप्तान अक्षर पटेल की गेंद पर प्रियांश आर्या के शॉट पर मिड-ऑफ पर खड़े एनगिडी कैच लेने के लिए पीछे की ओर भागे, लेकिन गेंद का सही अनुमान नहीं लगा सके और संतुलन बिगड़ने के कारण गिर पड़े। इस दौरान उनका कंधा और सिर जोर से जमीन से टकराया।

मैदान पर गिरते ही एनगिडी ने तुरंत अपना सिर पकड़ लिया और कुछ समय तक जमीन पर ही स्थिर रहे। वह कुछ मिनट तक मैदान पर लेटे रहे, जिसके बाद टीम के फिजियो और डॉक्टर तुरंत मौके पर पहुंचे।

मैदान पर बुलानी पड़ी एंबुलेंस

प्रारंभिक जांच के दौरान उनकी गर्दन को स्थिर रखने के लिए नेक ब्रेस लगाया गया। कुछ समय बाद मैदान पर एंबुलेंस भी बुलानी पड़ी और चिकित्साकर्मी उन्हें एंबुलेंस में अस्पताल ले गए। इस दौरान कैपिटल्स के खिलाड़ी चिंतित नजर आए और मैदान में सन्नाटा पसर गया। एनगिडी की जगह कन्कशन सबस्टिट्यूट (सिर में गंभीर चोट पर वैकल्पिक खिलाड़ी) के तौर पर दुष्मंता चमीरा मैदान पर उतरे।

खबर संक्षेप

क्वार्टर फाइनल में गवाद से हारे अभय

नई दिल्ली। भारत के अभय सिंह ज्यूरिख में चल रही पीएसए गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता ग्रासहॉपर कप स्क्वाश के पुरुष क्वार्टर फाइनल में मिस्र के पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी करीम गवाद से हार गए। विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय ने पहले गेम में 0-6 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उसे टाई-ब्रेक तक पहुंचाया। उन्होंने दूसरे गेम में भी विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी को कड़ी चुनौती दी। लेकिन मिस्र के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने आखिर में 12-10 11-9 से मुकाबला जीत लिया। अभय ने इससे पहले टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व में 13वें नंबर के खिलाड़ी अली अबू एलेनेन पर जीत दर्ज कर पहली बार किसी पीएसए गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

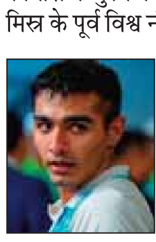

शीर्ष पांच में बरकरार गगनजीत भुल्लर

सिंगापुर। भारत के गगनजीत भुल्लर ने तीसरे दौर में मुश्किल परिस्थितियों में एक ओवर 72 का स्कोर बनाया, लेकिन इसके बावजूद वह सिंगापुर ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष पांच में बने रहे। इस 20 लाख अमेरिकी डॉलर इनामी प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया के जियोंगवू हाम शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने तीसरे दिन 68 का स्कोर बनाने के बाद तीनों दिन बढ़त बनाए रखी है।

टेबल टेनिस

यूटीटी की नीलामी में शामिल होंगे ठक्कर, शाह और दीया

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत के शीर्ष खिलाड़ी मानव ठक्कर, मानुष शाह और दीया चितले सहित देश और विदेश के कई शीर्ष खिलाड़ी अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) की अगले सप्ताह होने वाली नीलामी में शामिल होंगे जबकि दिग्गज खिलाड़ी साथियान ज्ञानसेकरन और मनिका बत्रा को उनकी फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में बनाए रखा है। यह प्रतियोगिता 9 से 26 जुलाई तक गोवा के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। नीलामी 28 अप्रैल को मुंबई में होगी, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों के अलावा कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए भी बोली लगेगी।

ठक्कर और शाह नहीं ले पाए थे भाग

ठक्कर और शाह पिछले साल अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाए थे। पुरुष युगल में यह जोड़ी वर्तमान में विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। शाह मिश्रित युगल में चितले के साथ जोड़ी बनाते हैं। यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है और डब्ल्यूटीटी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुकी है।

दबंग दिल्ली टीटीसी ने साथियान को किया रिटेन

दबंग दिल्ली टीटीसी ने साथियान को जबकि अहमदाबाद एपीएल पाइपर्स ने बत्रा को रिटेन किया है। अंकुर भट्टाचार्जी और युगल विशेषज्ञ आकाश पाल को क्रमशः कोलकाता थंडरब्लैड्स और यू मुंबई टीटी ने रिटेन किया। डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और पीबीजी पुणे जगुआर्स ने अपने किसी भी खिलाड़ी को रिटेन नहीं किया है। यह दोनों फ्रेंचाइजी नई टीम यूपी प्रोमेथियंस के साथ पूरी राशि के साथ नीलामी में उतरेंगी।

मुझे खेल के प्रति एक अलग दृष्टिकोण मिला : पडिक्कल

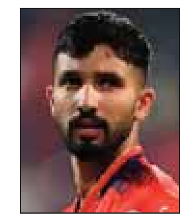

बेंगलुरु। शानदार फॉर्म में चल रहे देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि कर्नाटक क्रिकेट टीम की कप्तानी करने और कुछ रणनीतिक बदलाव के कारण उन्हें एक संपूर्ण टी20 बल्लेबाज बनने में मदद मिली। उन्होंने कहा, ' निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि कप्तान बनने से मुझे खेल के प्रति एक अलग दृष्टिकोण मिला है। इससे मुझे इस बारे में बहुत अधिक सोचने का मौका मिला कि एक गेंदबाज कैसे सोचता है, मैदान पर कप्तान कैसे सोचते हैं, और वे क्या करने की कोशिश कर सकते हैं।' पडिक्कल ने कहा, 'इससे मुझे अपने खेल के कुछ पहलुओं को बेहतर करने और परिस्थितियों के अनुसार खेलने में मदद मिली। इससे मुझे अपनी स्थिति समझने और उसके अनुसार खेलने में मदद मिली। इसलिए निश्चित रूप से मुझे लगता है कि कर्नाटक का कप्तान बनने से मुझे फायदा मिला।' पडिक्कल ने कहा,' जब आप किसी को खेल के प्रति इतना समर्पित और जुनूनी देखते हैं तो उसका प्रभाव टीम के हर सदस्य पर पड़ता है। इसलिए मुझे लगता है कि उनकी ऊर्जा टीम से टीम के प्रत्येक सदस्य को मदद मिलती है।' उन्होंने बताया कि लाल गेंद से टी20 क्रिकेट में बदलाव के दौरान किए गए तकनीकी समायोजन ने उनके प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने पर नाहिदा, सरमिन पर लगा जुर्माना

दुबई। बांग्लादेश की क्रिकेटर नाहिदा अख्तर और सरमिन सुल्ताना पर श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप सीरीज के दूसरे वनडे के दौरान आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी नियमों के खिलाफ काम करते हुए पाया गया था। नाहिदा ने आर्टिकल 2.5 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान आउट होने पर बल्लेबाज को बेइज्जती करने वाली भाषा, हरकतें या इशारे करने से जुड़ा है। वहीं, सरमिन को आर्टिकल 2.8 के तहत दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

दोनों खिलाड़ियों को मिला डिमेरिट अंक

जुर्माने के अलावा, दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट अंक भी मिला है। यह 24 महीने के समय में उनकी पहली गलती है। ये घटनाएं मैच के लगातार हिस्सों में हुईं। नाहिदा ने 17वें ओवर में श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापट्टू को आउट करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा करते हुए उन्हें विदाई दी। इससे पहले, बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में, सरमिन को पगबाधा दिए जाने पर साफ नाराजगी दिखाई, अपने बल्ले की ओर इशारा किया और क्रीज से जाने में देरी की।

मौजूदा चैंपियन ने कलाई की चोट के कारण टूर्नामेंट से नाम लिया वापस

अल्काराज नहीं कर पाएंगे खिताबी हैट्रिक पूरी, फ्रेंच ओपन से हटे

एजेंसी ▸▸ मैड्रिड

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में खिताबी हैट्रिक पूरी नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह दाहिनी कलाई में चोट के कारण वर्ष की इस दूसरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता से हट गए हैं।

अल्काराज ने एक्स पर पोस्ट किया कि वह रोम में होने वाले इटालियन ओपन में भी भाग नहीं लेंगे, जहां उन्होंने पिछले साल जीत हासिल की थी। स्पेन का यह खिलाड़ी इस महीने बार्सिलोना ओपन में अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के दौरान चोटिल हो गए थे और अगले दिन टूर्नामेंट से हट गए थे। उन्होंने इस सप्ताह के मैड्रिड ओपन से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने जब मैड्रिड में लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवार्ड्स समारोह में हिस्सा लिया तो उनकी कलाई में पट्टी बंधी हुई थी। उन्हें इस समारोह में विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

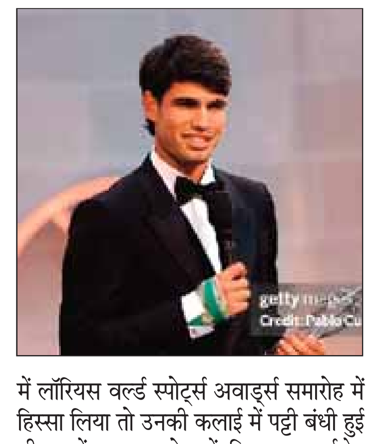

मेरे लिए मुश्किल समय : अल्काराज

अल्काराज ने कहा कि चिकित्सा परीक्षणों के बाद उन्होंने फ्रेंच ओपन से हटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, 'आज किए गए परीक्षणों के परिणामों के बाद हमने फैसला किया है कि सबसे समझदारी भरा कदम सतर्क रहना तथा रोम (इटालियन ओपन) और रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) में भाग नहीं लेना है। यह मेरे लिए मुश्किल समय है लेकिन मुझे विश्वास है कि मैं और मजबूत होकर वापसी करूंगा।' अल्काराज ने इस साल के शुरू में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी। इसके साथ ही वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए थे। उसके बाद से उन्होंने केवल एक ही खिताब जीता है। उन्होंने फरवरी में दोहा में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें मोंटे कार्लो के फाइनल में यानिक सिनर से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से सिनर फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बन गए थे।

टेनिस को कार्लोस की जरूरत : सिनर

सिनर को उम्मीद है कि अल्काराज़ जल्द ही वापसी करेंगे। उन्होंने मैड्रिड ओपन में पहले दौर की जीत के बाद कहा, 'टेनिस को कार्लोस की जरूरत है। उनके होने से टेनिस का खेल और भी बेहतर हो जाता है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्द वापसी करेंगे। मुझे लगता है कि उनका अगला लक्ष्य विंबलडन (जून में) है, और मैं यही उम्मीद करता हूं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वह विंबलडन में वापसी करेंगे।' इटालियन ओपन पांच मई से और फ्रेंच ओपन 18 मई से शुरू होगा।

ठेकेदार की हत्या के पीछे पुराना जमीनी विवाद, फरार मुख्य आरोपी 'बाबा ईसाई' पर हथियार सप्लाई के आरोप, रज्जाक पहलवान कनेक्शन से जांच तेज

जमीन, साजिश और गोली

रांझी हत्याकांड में हथियार तस्करी नेटवर्क की एंट्री!

हरिभूमि, जबलपुर।

रांझी के बड़ा पत्थर नरसिंहनगर में हुई क्लीरेंस एटकिंस हत्याकांड अब सिर्फ एक जमीनी विवाद नहीं रह गया है, बल्कि इसके तार महाकौशल के कथित हथियार तस्करी नेटवर्क से भी जुड़ते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शनिवार शाम को पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में इस सनसनीखेज अंधी हत्या का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य साजिशकर्ता विकास नेल्सन उर्फ "बाबा ईसाई", उसका बेटा प्रिंस नेल्सन और साथी अर्पित कुशवाहा अब भी फरार हैं। एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि 23 अप्रैल की सुबह करीब 8:30 बजे, क्लीरेंस एटकिंस अपने पांच वर्षीय बेटे को स्कूल छोड़कर लौट रहे थे। जैसे ही वे अशोक मेडिकल के पास पहुंचे, बाइक सवार बदमाशों ने उनके सिर पर गोली दाग दी। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में दहशत फैल गई। अस्पताल में इलाज के दौरान दोपहर में उनकी मौत हो गई।

रैकी से लेकर रफ्तार तक, फिल्मी अंदाज जैसी स्क्रिप्ट

एएसपी शर्मा ने बताया कि जांच में सामने आया कि हत्या पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दी गई। पहले आरोपियों ने कई दिनों तक रैकी की। घटना वाले दिन मोहित ठाकुर और अरुण रैकवार ने क्लीरेंस के घर से निकलने का सिग्नल दिया। जिसके बाद प्रिंस और अर्पित ने पीछा कर शिवशक्ति चौक के पास गोली मार दी। वारदात के बाद सभी आरोपी अलग-अलग रास्तों से फरार हो गए।

200 से अधिक कैमरे खंगाले

एएसपी शर्मा ने बताया कि आरोपियों को दबोचने के लिए घटनास्थल से लेकर शहर तक करीब 200 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालतो हुए तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के आधार पर मोहित ठाकुर और अरुण रैकवार को गिरफ्तार किया है। उनके पास से बिना नंबर की दो मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

जमीनी विवाद बना कत्ल की जड़

एएसपी शर्मा के मुताबिक पूरे घटनाक्रम के केंद्र में रायपुर के पास स्थित 15 एकड़ कृषि भूमि है। इस जमीन को लेकर क्लीरेंस एटकिंस और बाबा ईसाई के बीच विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि रजिस्ट्री विवाद के चलते क्लीरेंस ने कोर्ट में सिविल सूट दायर किया था, जिसे वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। इसी खींचतान ने अंततः खूनी रूप ले लिया।

हथियार तस्करी के साथ पुराने कनेक्शन खंगाल रही पुलिस

पुलिस सूत्रों के अनुसार, फरार आरोपी विकास नेल्सन उर्फ बाबा ईसाई महाकौशल क्षेत्र में अवैध हथियार सप्लाई से जुड़ा बड़ा नाम माना जाता है। उसका संबंध जेल में बंद कुख्यात हिस्ट्रीशीटर अब्दुल रज्जाक उर्फ रज्जाक पहलवान से भी बताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि वर्ष 2012 में नरसिंहपुर जिले के करेली थाना अंतर्गत राकांई में रज्जाक के बेटे सरताज पर कार्रवाई के दौरान बाबा ईसाई का बेटा प्रिंस भी मौके पर मौजूद था, हालांकि पुलिस दबिश से पहले वह भाग निकला था। उस दौरान पुलिस ने सरताज के कब्जे से चार पिस्टल बरामद की थीं।

मीडिया कनेक्शन और विवादित प्रॉपर्टी की चर्चाएं

जांच के दौरान यह बात भी सामने आई है कि बाबा ईसाई का एक नामी मीडिया हाउस से जुड़े व्यक्ति से घनिष्ठता रही है। विवादित संपत्तियों की खरीद-फरोख्त और कब्जे को लेकर भी उसका नाम चर्चाओं में रहा है। हालांकि इन पहलुओं की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

अंधी हत्या का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में टीआई रांझी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में एसआई मयंक यादव, प्रधान आरक्षक सुनील दुबे, पुरुषोत्तम, चन्द्रभान, आरक्षक मनीष अहिरवार, मनीष, अभिषेक, सदीप मेहरा की सराहनीय भूमिका रही।

गिरफ्तारी के बाद चौकाने वाले खुलासे हो सकते हैं

फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए टीम लगातार दबिश दे रही है। जल्द गिरफ्तार कर पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा। कुछ महत्त्वपूर्ण इनपुट हाथ लगे हैं जिनकी तस्दीक की जा रही हैं। गिरफ्तारी के बाद चौकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

-संपत उपाध्याय, पुलिस कप्तान

पैतृक जमीन का विवाद, परिजन संदेह के घेरे में

बरगी नगर पुल घाट में पुजारी की हत्या

हरिभूमि, जबलपुर। बरगी थानांतर्गत पुलघाट के समीप एक निर्माणाधीन मंदिर परिसर में सुनियोजित तरीके से मंदिर के पुजारी तारापुरी महाराज की अज्ञात लोगों ने धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। सुबह मंदिर के पास बनी कुटिया में उनकी रक्तरंजित लाश मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलने पर बरगी पुलिस मौके पर पहुंची, जांच पड़ताल में पुलिस को पता चला कि पुजारी तारापुरी महाराज के शरीर में 6 गहरे घाव के निशान पाए गए, जिससे यह साफ हो गया है कि उनकी हत्या सुनियोजित तरीके से की गई है।

मजदूरों ने देखी लाश

शनिवार की सुबह घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब निर्माणाधीन मंदिर में मजदूर काम करने पहुंचे। पुजारी रोज की तरह बाहर नहीं दिखे तो मजदूरों को शंका हुई। उन्होंने कुटिया के अंदर जाकर देखा तो तारापुरी महाराज मृत अवस्था में पड़े थे। उनका शव खून से रक्तरंजित हुआ था, मजदूरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर संघर्ष के संकेत मिले

घटना स्थल पर जांच पर पुलिस ने मौके पर पाया कि हमलावरों और मृतक के बीच हाथापाई के बीच संघर्ष हुआ। इस दौरान एक घड़ी भी नीचे गिरी जो बाईक में फसी हुई थी। यही घड़ी जांच का अहम सुराग माना जा रहा है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह घड़ी साधु की है या हमलावरों की थी। घटना स्थल का पुलिस ने एफएसएल और डॉग स्क्वॉड की टीम के साथ निरीक्षण किया।

जमीन विवाद बना वजह?

प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि तारापुरी महाराज मूल रूप से सिवनी जिले के ईश्वरपुर गांव के रहने वाले थे। वहां उनकी करीब चार एकड़ जमीन है, जिसकी कीमत लाखों में बताई जा रही है। इसी जमीन को लेकर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था। और एक दिन पहले ही इस जमीन के विवाद के मामले में सिवनी में पेशी करने के बाद तारापुरी पहुंचे थे। पुलिस इस कड़ी को जोड़कर जांच आगे बढ़ा रही है और सिवनी में परिजनों व परिचितों से पूछताछ की तैयारी कर रही है। पुलिस ने कुछ संदिग्धों को भी हिरासत में लिया गया है। साथ ही मंदिर क्षेत्र के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

विवाद : नाराज यात्रियों ने सुरक्षा की मांग को लेकर किया हंगामा

मेमू ट्रेन में अवैध वेंडरों ने किया पथराव, 2 घायल

जबलपुर। पमरे के जबलपुर रेल मंडल के कटनी-बीना मेमू ट्रेन में जमकर बवाल हो गया. अवैध वेंडर्स ने यात्रियों पर जमकर हमला किया है, जिसमें दो यात्रियों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है.

बताया जाता है कि कटनी से बीना जा रही मेमू ट्रेन (11602/61620) में अवैध वेंडरों और यात्रियों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया. इस हमले में दो यात्री बुरी तरह घायल हो गए। घटना के बाद ट्रेन काफी देर तक रुकी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार कटनी से ट्रेन रवाना होने के कुछ ही देर बाद रीठी स्टेशन के पास दमोह के यात्रियों और सलैया के अवैध वेंडरों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद मारपीट में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान वेंडरों ने धारदार हथियारों से यात्रियों पर हमला कर दिया, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों पक्षों के बीच पथराव भी हुआ, जिससे ट्रेन में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस घटना के बाद ट्रेन जब बकलेहटा स्टेशन पहुंची तो नाराज यात्रियों ने सुरक्षा की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कुछ यात्री इंजन में घुसने की कोशिश करने लगे। हालात को देखते हुए लोको पायलट ने ट्रेन रोककर कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलने पर रीठी थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस को आता देख हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने डायल 112 की मदद से घायलों को रीठी अस्पताल पहुंचाया तथा मामले को जांच में लिया है।

शादी से लौटते समय हादसे का शिकार

व्हीएफजे श्रमिक नेता की एंबुलेंस की टक्कर लगने से मौत

जबलपुर। जबलपुर स्थित वाहन निर्माणी (व्हीएफजे) के श्रमिक नेता असीम दुबे की शुक्रवार - शनिवार की दरमियानी रात सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। बताया जाता है कि रात करीब डेढ़ बजे श्री दुबे रांझी में एक विवाह समारोह से शामिल होने के बाद अपने गृहग्राम पिपरिया लौट रहे कि कि इसी दौरान खमरिया अस्पताल तिराहे के पास शहडोल से जबलपुर की ओर आ रही एंबुलेंस ने उनकी बाइक एमपी 20 जेडए-1445 को टक्कर मार दी। इस टक्कर में जहां उनकी बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई तो वहीं 36 वर्षीय असीम दुबे को शरीर में गंभीर चोटें पहुंची और उन्होने घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। बाईक को टक्कर मारने के बाद एंबुलेंस भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे उतर कर पेड़ से जा टकराई। घटना के बाद राहगीरों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी जिस पर खमरिया पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने एंबुलेंस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही दुर्घटना ग्रस्त एंबुलेंस में सवार मरीज को पुलिस और सुरक्षा गार्ड की

मृतक

मदद से दूसरे वाहन से अस्पताल भेजा गया। मृतक असीम दुबे ऑल इंडिया डिफेंस एंप्लाई फेडरेशन की व्हीकल फैक्ट्री कार्य समिति के सचिव थे। उनकी मौत की खबर से व्हीकल सहित अन्य सुरक्षा संस्थानो के कर्मचारियों में शोक की लहर है। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद स्व. असीम दुबे का शव उनके परिजनों को सौंप दिया गया और अपरान्ह बाद अंतिम संस्कार उनके गृह ग्राम पिपरिया में किया गया।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि आज

जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि आज 26 अप्रैल है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल 2026 थी। अब विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 26 अप्रैल तक हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा के आवेदन कर सकते हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा शेष नियम-निर्देश पूर्ववत रहेंगे।

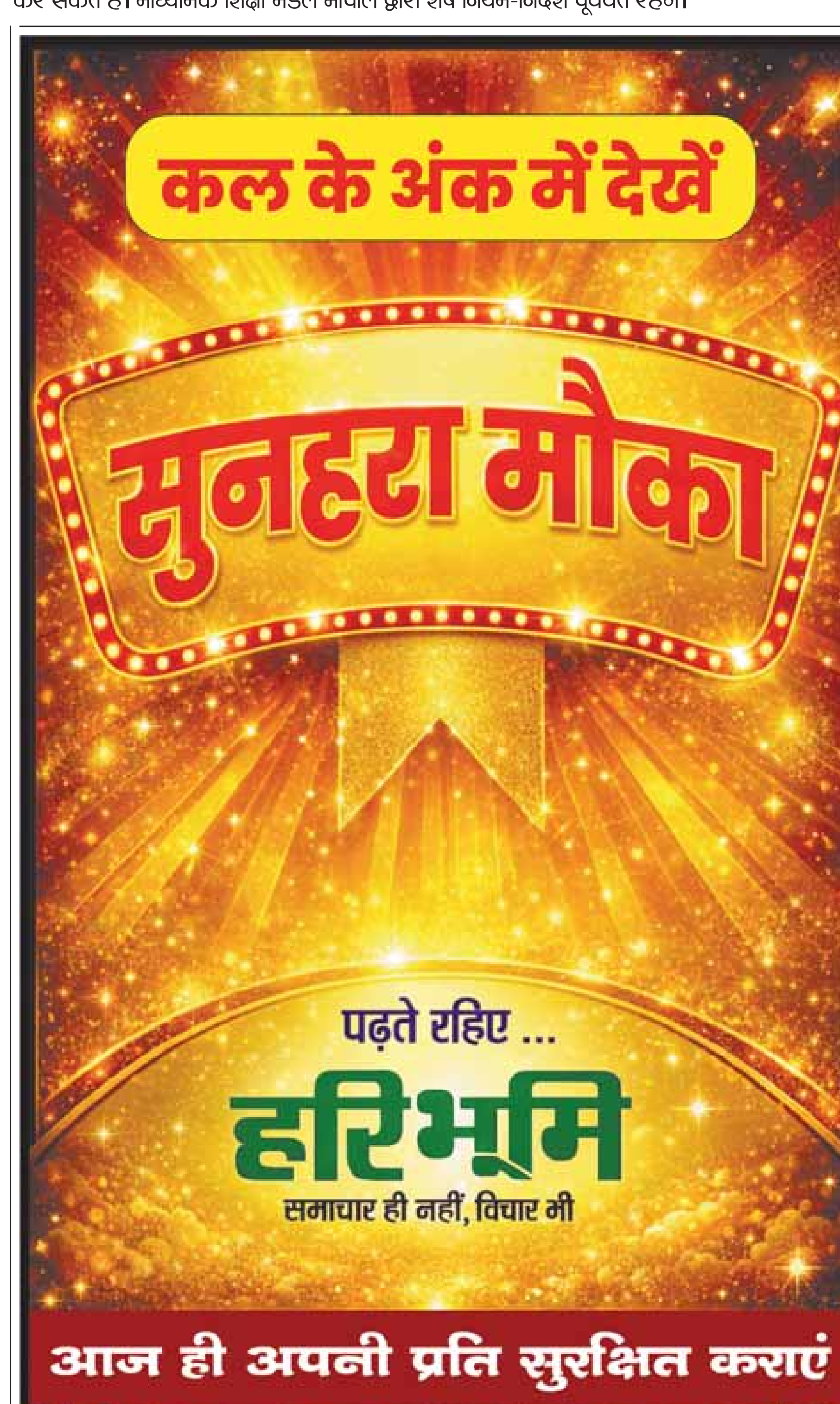

बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग की नई व्यवस्था शुरू

राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा आज

जबलपुर। मध्य प्रदेश राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आज 26 अप्रैल को राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस परीक्षा को पूरी तरह निर्विघ्न, सुव्यवस्थित और शुचितापूर्ण रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने तैयारी सुनिश्चित कर ली है। संभागायुक्त कार्यालय ने निर्देश जारी किए हैं कि इस बार परीक्षा के दौरान सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएंगे, जिसके तहत केंद्रों पर नई त्रिस्तरीय जांच प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से लागू किया गया है। इस परीक्षा का संचालन मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर द्वारा किया जा रहा है, जो जबलपुर शहर के 14 परीक्षा केंद्रों में दो सत्रों में आयोजित होगी, जहाँ पहला सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 02:15 बजे से 04:15 बजे तक रहेगा।

त्रिस्तरीय जांच होगी

परीक्षा की पारदर्शिता को बनाए रखने के लिए इस बार त्रिस्तरीय नवीन जांच प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। जिसमें बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग और एचएचएमडी के माध्यम से दोनों सत्रों में होगी। इस नई व्यवस्था अंतर्गत परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने से ठीक 90 मिनट पहले केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षार्थी अपने साथ केवल आवश्यक बॉलपेन, पारदर्शी पानी की बोतल, ई-प्रवेश पत्र और अपना पहचान पत्र ही ले जा सकेंगे। सुरक्षा जांच के दौरान महिला परीक्षार्थियों की तलाशी महिला वीक्षकों द्वारा अलग केबिन में की जाएगी, जबकि पुरुष परीक्षार्थियों की जांच पुरुष कर्मचारी करेंगे। इसके साथ ही ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों को यह विशेष विकल्प दिया गया है कि वे अपनी जांच पुरुष या महिला, किसी भी कर्मचारी से करा सकते हैं। परीक्षा केंद्रों के प्रवेश द्वार पर ही वर्जित और अनुमत वस्तुओं की विस्तृत सूची चस्पा की जाएगी, ताकि परीक्षार्थियों को किसी भी तरह के भ्रम का सामना न करना पड़े। परीक्षार्थियों के लिए वर्जित वस्तुओं के संबंध में निर्देश दिये गये हैं कि परीक्षार्थी अपने कपड़ों, कफलिंक, धूप का चश्मा, इलेक्ट्रॉनिक, सेंसर युक्त चश्में, जूते-मोजे, हाथ के बैंड, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का प्रयोग करते है। लिहाजा परीक्षा में किसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को रोकने के लिए परीक्षा कक्ष में जूते-मोजे पहनकर प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षार्थी चप्पल व सेण्डल पहनकर आ सकते हैं। चेहरे को ट्रैक कर परीक्षा कक्ष में प्रवेश वर्जित होगा। परीक्षा में पेंसिल, रबर व व्हाईटनर एवं एसेसरीज जैसेः- बालों को बांधने का क्लचर-बक्कल, सभी प्रकार की घड़ियाँ, हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक-चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बेल्ट, धूप में पहने जाने वाले चश्मे, पर्स-वॉलेट, टोपी, वर्जित है। हिजाब, पगड़ी, पल्ला, हाथ में बंधे धागे-बंधन व ताबीज़ का सम्मानपूर्वक सूक्ष्मता से परीक्षण किया जाएगा। धार्मिक धागे व महिलाओं के आभूषण उतारे नहीं जाएं। परीक्षार्थियों के कक्ष में जाने के पूर्व परीक्षक परीक्षार्थियों की तलाशी ले एवं यह सुनिश्चित करें कि परीक्षार्थी कक्ष में वर्जित वस्तुएं लेकर प्रवेश न करें। विशेषतः महिला अभ्यर्थियों की तलाशी पूर्ण गरिमा के साथ महिला अधिकारी-कर्मचारी द्वारा ही ली जाये। महिला अभ्यर्थियों के दुपट्टे-चुन्नियाँ भली भांति जाँच कर तुरंत वापस लौटा दिये जायेंगे।

परीक्षा में अनुमत वस्तुएं

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2006 के लिए परीक्षार्थियों को लिए अनुमत वस्तुओं की सूची जारी की गई है। जिसमें ई-प्रवेश पत्र, वैध पहचान पत्र, गोले बनाने हेतु निर्धारित स्याही का पेन, स्वयं का फोटोग्राफ, पानी की पारदर्शी बॉटल, दिव्यांग परीक्षार्थियों हेतु उनके लिए आवश्यक सामग्री, अन्य कोई सामग्री जो ई-प्रवेश पत्र में निर्दिष्ट हो शामिल हैं।

परीक्षा कक्ष में वर्जित वस्तुएं

राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2006 के लिए परीक्षार्थियों को लिए वर्जित वस्तुओं की सूची जारी की गई है। जिसमें पेंसिल, रबर, व्हाइटनर, स्केल, बैग्स, पठन सामग्री, आई.टी. गैजेट्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, पेनड्राइव, कैल्कुलेटर, ब्लूटूथ, हैंडफी, डिजिटल घड़ी, स्मार्ट घड़ी, एनालॉग घड़ी, कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या अन्य कोई ऐसे उपकरण जो संचार उपकरण के रूप में उपयोग किए जाते हैं। एसेसरीज़ जैसेः- बालों को बांधने वाले क्लचर-बक्कल, हाथ के बैंड-हाथ में पहने जाने वाले मैटेलिक बैंड चमड़े के बैंड, कमर में पहने जाने वाले बैल्ट, कफलिंक, धूप का चश्मा, पर्स-वॉलेट, टोपी शामिल हैं। इसके साथ ही अन्य वस्तुएं जैसेः- चाबी, लाइटर्स - माचिस बॉक्स, किसी भी प्रकार के अस्त्र शस्त्र, शार्पनर, ब्लेड तथा अन्य कोई कीमती सामान साथ ही जूते-मोजे पहनकर परीक्षा कक्ष में प्रवेश निषिद्ध है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240